THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 118 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) गुरु पूर्णिमा 2083 बुधवार, 29 जुलाई-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

प्रधान के स्वागत पर प्रियंका गांधी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा के एक फैसले पर सवाल उठाया। दरअसल, पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद संसद में उनका स्वागत किया गया। इस पर प्रियंका ने पूछा कि सत्तारूढ़ गठबंधन ऐसे मंत्री का स्वागत कैसे कर सकता है? यहां पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने प्रधान के समर्थन में नारे लगाने। उनके इस्तीफे के बाद उनका स्वागत करने के लिए भाजपा और एनडीए सांसदों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि- क्या आपको नहीं लगता कि यह शर्मनाक है? उन परिस्थितियों पर विचार करें जिनके तहत उन्होंने इस्तीफा दिया।

> पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत ने 18 वर्ष से कम उम्र के ऐसे छात्र प्रदर्शनकारियों को रिहा करने का निर्देश दिया है, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही, पात्र छात्रों के खिलाफ किसी भी तरह की जबरन कार्रवाई पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

क्या सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कार्रवाई की स्वतंत्र जांच के संकेत दिए

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती के आरोप प्रथम दृष्टया निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं। अदालत ने कहा कि पूरे मामले की पारदर्शी जांच के लिए आगे चलकर स्वतंत्र समिति या विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन पर भी विचार किया जा सकता है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उन सभी राज्यों को निर्देश दिया, जहां प्रदर्शन हुए थे, कि सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी कैमरा फुटेज, वायरलेस संचार रिकॉर्ड, पीसीआर लॉग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जाए। अदालत ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा डिजिटल डेटा सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए।

क्या सभी प्रदर्शनकारियों को राहत मिलेगी :

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जबरन कार्रवाई से राहत केवल उन छात्र प्रदर्शनकारियों को मिलेगी, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। अदालत ने कहा कि यह सुरक्षा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर लागू नहीं होगी। पीठ ने दिल्ली सरकार को दर्ज एफआईआर की जांच जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन कहा कि सुनवाई पूरी होने तक पात्र छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी।

राज्यों से भी मांगा गया जवाब :

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से याचिकाओं में लगाए गए आरोपों पर जवाब तलब किया है।

राजनीति छोड़ छात्र हित की बात कब होगी? : करेन रिजिजू

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों को रोकने के लिए लाए गए विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि संसद देर रात तक चल रही है ताकि छात्रों के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो सके, लेकिन विपक्ष ने विधेयक के प्रावधानों पर बात करने के बजाय केवल राजनीतिक बयानबाजी की। उन्होंने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण विधेयक पर रचनात्मक सुझाव और सार्थक बहस होनी चाहिए। रिजिजू ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि अगर उन्होंने विधेयक पर बात की होती तो उन्हें इसकी अहमियत समझ में आती। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष विधेयक पर चर्चा ही नहीं कर रहा है तो सरकार किस बात का जवाब दे।

रेपिस्ट की पैरवी करने वाले को शिक्षा मंत्री बनाया : राहुल

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में दोपहर 2 बजे से पेपर लीक से जुड़े 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा हो रही है। विधेयक में 2024 में बने कानून में बदलाव का प्रस्ताव है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा इससे पेपर लीक रोकने में मदद मिलेगी। लोकसभा में प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्री बनाने पर भी हंगामा हुआ। संसद के बाहर राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने रेपिस्ट की पैरवी करने वाले शख्स को शिक्षा मंत्री बनाया है। यही बात प्रियंका गांधी ने भी लोकसभा में कही, हालांकि उनकी टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। सदन में प्रियंका की टिप्पणी के बाद सत्ता पक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू, निशिकांत दुबे और जोशी ने विरोध किया और कहा कि प्रियंका ने जोशी का चरित्र हनन किया। प्रियंका इस बात का सबूत दें और माफी मांगे।

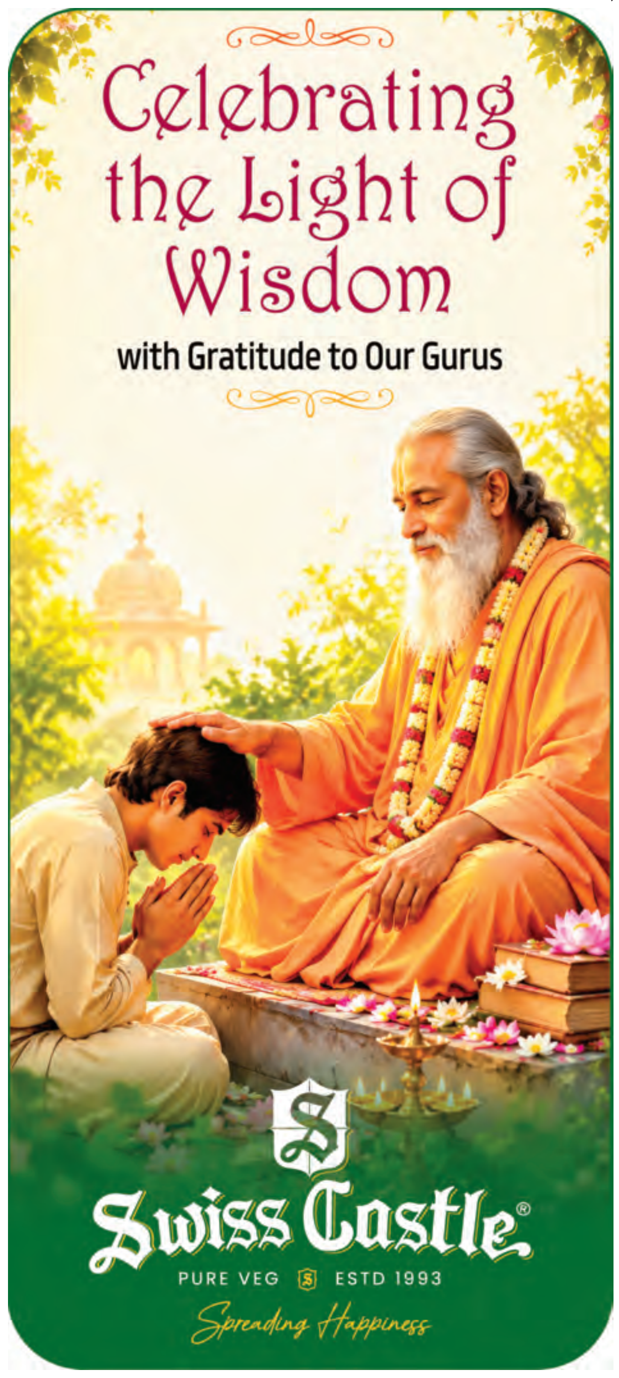

अमेरिका से 25 प्रतिशत एलपीजी इंपोर्ट करेगा भारत

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम एशियाई देशों पर एलपीजी को लेकर अपनी निर्भरता कम करने के लिए भारत अमेरिका से अधिक इंपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत साल 2027 में अन्य देशों से खरीदे जाने वाली एलपीजी में से एक-चौथाई अमेरिका से इंपोर्ट की योजना बना रहा है।

सूत्रों के हवाले से जानकारी दी गई है कि भारत के सरकारी रिफाइनर इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम अगले एक-दो महीने में साल 2027 में अमेरिका से एलपीजी सप्लाई के लिए टेंडर जारी कर सकते हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि सोर्सिंग पर बातचीत करने के लिए इन कंपनियों का एक प्रतिनिधिमंडल अगले महीने अमेरिका जा सकता है। सूत्रों द्वारा दी गई इस जानकारी की पुष्टि के लिए तेल मंत्रालय और तीनों कंपनियों को ई-मेल किया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। भारत ने निकट भविष्य में अमेरिका से ऊर्जा की खरीद 10 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने का वादा किया है। दोनों देश साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर सहमत हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत पहले ही पश्चिम एशिया से गैस की सप्लाई बाधित होने के बाद अमेरिका और अन्य देशों से एलपीजी खरीद तेज कर चुका है।

पीएम मोदी ने सांसदों को किया संबोधित, काकोली घोष ने की सराहना

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की बैठक 'मंगल मिलन' मंगलवार को संसद पुस्तकालय भवन (पीएलबी) में शुरू हुई। यह बैठक लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किए जाने के एक दिन बाद हुई।

बैठक में कौन-कौन शामिल हुए :

पहली बार तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए और अब एनसीपीआई सांसद बन चुके नेता इस बैठक में चर्चा में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी और केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के साथ अन्य एनडीए सांसद बैठक में शामिल होने के लिए जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम पहुंचे। पहले तृणमूल कांग्रेस के साथ रहे एनसीपीआई सांसद काकोली घोष, शताब्दी रॉय और सायोनी घोष भी इस बैठक में शामिल हुए।

'नए कानून के बाद भी पेपर लीक तो कौन लेगा जिम्मेदारी'

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल को लेकर संसद में विपक्षी सांसदों ने सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस, आरजेडी, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने पेपर लीक की घटनाओं, छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई और परीक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर सरकार से जवाब मांगा। विपक्ष ने कहा कि केवल सख्त कानून बनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा बल्कि पूरी व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुरूआत से ही कुछ प्रमुख मांगें रखी थीं, जिनमें तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों के साथ कथित बर्बरता रोकना और छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेना शामिल था। सरकार को आखिरकार इन मुद्दों पर कदम उठाने पड़े हैं। इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि पेपर लीक का मुद्दा सिर्फ कानून बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार की जवाबदेही से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि 2024 में भी सरकार इसी तरह का बिल लेकर आई थी, लेकिन उसके बाद भी परीक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बदलाव नहीं आए।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर सीआरपीएफ की वर्दी पहनकर घूम रहा था युवक, नकली आईडी के साथ गिरफ्तार

श्रीनगर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के बालटाल मार्ग पर सुरक्षाबलों ने एक युवक को सीआरपीएफ (सीआरपीएफ) जवान का फर्जी रूप बदलकर कर घूमते हुए पकड़ा। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा निवासी हरविंदर कुमार के रूप में हुई है। सुरक्षा जांच के दौरान जवानों को युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तलाशी लेने पर वह सीआरपीएफ की वर्दी पहने मिला और उसके पास से एक फर्जी पहचान पत्र (आईडी कार्ड) भी बरामद हुआ। पूछताछ में उसके दस्तावेज संदिग्ध पाए गए, जिसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी ने वर्दी और फर्जी पहचान पत्र कहां से हासिल किए और उसका उद्देश्य क्या था। फिलहाल उससे गहन पूछताछ की जा रही है। अमरनाथ यात्रा को देखते हुए पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही कड़ी है और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है।

सीमा पर 'साइलेंट सेटलमेंट'

बांग्लादेश से दिल्ली, फिर जम्मू-कश्मीर तक फैला घुसपैठियों का नेटवर्क

श्रीनगर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती और सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में पिछले ढाई दशक में बांग्लादेशी नागरिकों की बसावट एक गंभीर सुरक्षा और जनसांख्यिकीय चिंता के रूप में उभरी है। किन परिस्थितियों ने इस बसावट को बढ़ावा दिया गया, इसे रोकने के लिए क्या प्रयास हुए और सीमा सुरक्षा तथा सीमांत गांवों के सामाजिक स्वरूप पर इसका क्या प्रभाव पड़ा। इन गंभीर सवालों के जवाब तलाशने में केंद्रीय गृह मंत्रालय की टीम जुटी है। वहीं सुरक्षा एजेंसियों की जांच में राजनीतिक कारण प्रमुख रूप से सामने आया है।

इसमें बांग्लादेश से लेकर दिल्ली और फिर जम्मू-कश्मीर तक एक मजबूत नेटवर्क की संलिप्तता भी उजागर हुई है। जम्मू शहर, सांबा, कठुआ, आरएसपुरा, सुचेतगढ़, अखनूर, पुंछ, राजोरी, बारामुला व कुपवाड़ा

जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में इनके आबाद होने की कहानी भयावह तस्वीर तैयार कर रही है। जम्मू संभाग से लगती नियंत्रण रेखा (एलओसी) व अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से जुड़े क्षेत्रों में बांग्लादेशी और रोहिंग्या की मौजूदगी पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक एसपी वैद्य कहते हैं कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा व सीमांत क्षेत्रों की सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ है। स्थानीय आबादी में घुलमिल जाने के कारण इनकी पहचान और निगरानी मुश्किल होती है। जम्मू-कश्मीर में इनकी बढ़ती संख्या सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की आशंका को बढ़ाती है। संवेदनशील प्रतिष्ठानों और सैन्य गतिविधियों से जुड़े क्षेत्रों के निकट इनकी बसावट बड़े खतरे का कारण बन सकती है। ये फर्जी दस्तावेज के माध्यम से सरकारी योजनाओं और नागरिक सुविधाओं तक पहुंच बनाने की भी कोशिश कर रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्थायी बस्तियों का विस्तार भी बड़े खतरे की ओर संकेत करता है। इस चुनौती से निपटने के लिए केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी।

इसके लिए राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, डिजिटल पहचान प्रणाली का प्रभावी उपयोग, दस्तावेज सत्यापन की मजबूत व्यवस्था भी करनी होगी। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्या का उपयोग देश विरोधी गतिविधियों में हो सकता है। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी हमले में इनका उपयोग कर सकते हैं। यही कारण है कि संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है।

आर्थिक तंगी के कारण परिवार के तीन लोगों ने की आत्महत्या

कर्जदार के फोन के बाद खाया जहर

अहमदाबाद, 28 जुलाई (एजेंसियां)। साधु वासवानी रोड स्थित योगेश्वर पार्क में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने कथित तौर पर जहर खाकर अपनी जान दे दी। पुलिस के अनुसार, इस खौफनाक कदम के पीछे परिवार की गंभीर आर्थिक तंगी मुख्य कारण हो सकती है। पुलिस के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त कर्मचारी दिलीप खाखर, उनकी पत्नी स्मिता और उनके बेटे निशित ने दोपहर अपने घर पर जहर खा लिया। घटना के तुरंत बाद तीनों को इलाज के लिए राजकोट सिविल अस्पताल ले जाया गया।

हालांकि इनकी उम्र की सटीक जानकारी तुरंत नहीं मिल पाई है, लेकिन सभी वयस्क थे। इलाज के दौरान सबसे पहले स्मिता खाखर की मौत हुई। दिलीप और निशित की हालत बेहद गंभीर होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था, लेकिन बाद में उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

गुजरात के वलसाड में पटरी से उतरी पैसेंजर ट्रेन

वलसाड, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार को सुबह गुजरात के वलसाड में एक बड़ा रेल हादसा टल गया। विरार से भरूच जा रही ट्रेन नंबर- 19101, विरार-भरूच मेमू ट्रेन भिलाड रेलवे स्टेशन पहुंचते समय पटरी से उतर गई। इस हादसे में ट्रेन के डीएमसी (ड्राइविंग मोटर कोच) के अगले 4 पहिए पटरी से उतर गए। पटरी से उतरने के बाद ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हादसे के बाद इस ट्रेन को भिलाड में ही शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया गया है। पश्चिम रेलवे ने बताया कि हादसे का शिकार हुई ये ट्रेन भिलाड में ही अपनी यात्रा समाप्त करेगी और आगे नहीं जाएगी।

यानी, ये ट्रेन भिलाड से भरूच तक आंशिक रूप से रद्द कर दी गई है। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिवीजन के अधिकारियों ने बताया कि इस पूरे हादसे में किसी भी यात्रा, रेल कर्मचारी या आम लोगों के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, ये पूरा हादसा मंगलवार को सुबह 06.27 बजे हुआ। पश्चिम रेलवे ने हादसे के तुरंत बाद ट्रेन को पटरी पर दोबारा लाने का काम शुरू कर दिया है।

कोल्हापुर से मुंबई जा रही महालक्ष्मी एक्सप्रेस में धुआं उठने से मचा हड़कंप, रोकनी पड़ी ट्रेन

कोल्हापुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ से गुजर रही महालक्ष्मी एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच में धुआं उठने का मामला सामने आया है। घटना के बाद ट्रेन में मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी के अधिकारी हरकत में आए और तुरंत एक्शन लिया। अधिकारियों ने बताया कि संभवतः शॉर्ट सर्किट की वजह से धुआं उठने का मामला सामने आया था। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

ये मामला मुंबई से 90 किमी दूर कर्जत के मंकी हिल सेक्शन में हुआ। फिलहाल ट्रेन को थोड़ी देरी के बाद रवाना कर दिया गया पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में कर्जत के पास कोल्हापुर से मुंबई जा रही महालक्ष्मी एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच में धुआं देखा गया, जिससे यात्रियों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। उन्होंने बताया कि मुंबई से लगभग 90 किलोमीटर दूर कर्जत के मंकी हिल सेक्शन में हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

जीआरपी ने बताया कि धुआं संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण उठा था। उन्होंने बताया कि रेलवे अधिकारियों ने तुरंत प्रभावित कोच की जांच की, जिसके बाद ट्रेन ने अपनी आगे की यात्रा शुरू की। कर्जत जीआरपी के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर किरण मटकर ने कहा, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन को सुबह करीब 5.30 बजे कर्जत स्टेशन से गुजरना था, लेकिन एक कोच में धुआं दिखने के कारण इसमें देरी हुई। कोच की जांच और अधिकारियों द्वारा जरूरी कार्रवाई के बाद ट्रेन सुबह करीब 6.15 बजे स्टेशन से गुजरी।

आर्मी अफसर के बेटे की मौत के 4 दिन बाद भी नहीं हुई एफआईआर? जवाबदेह कौन

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के वसंत कुंज में सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के 20 वर्षीय बेटे की दर्दनाक मौत को 4 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी है। हादसे की वजह खुले नाले, तीखे मोड़ और स्पीड ब्रेकर की कमी को माना जा रहा है। फिर भी पुलिस, डीडीए और ट्रैफिक विभाग के बीच जिम्मेदारी तय नहीं हो पाई है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस मौत का जिम्मेदार कौन है और एफआईआर दर्ज होने में देरी क्यों हो रही है। यह हादसा वसंत कुंज साउथ थाना क्षेत्र के नांगल देवत रेड लाइट के पास शुक्रवार तड़के हुआ। अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे 20 वर्षीय यशवेंद्र अपनी महिला मित्र को उसके घर छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान करीब 130 डिग्री के तीखे मोड़ पर कार फिसल गई, पेड़ से टकराई और सड़क किनारे बने लगभग 12 फीट गहरे खुले नाले में जा गिरी। कार पलटने के बाद यशवेंद्र ड्राइविंग सीट पर फंस गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई, जबकि उनकी महिला मित्र को पुलिस और स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे के 4 दिन बाद भी दिल्ली पुलिस यह तय नहीं कर सकी है कि इस मामले में किस विभाग की जिम्मेदारी बनती है।

समुद्र के रास्ते 330 किलो हेरोइन तस्करी पड़ी भारी?

एनआईए कोर्ट ने छह पाक नागरिकों को सुनाई 8 साल की सजा

अहमदाबाद, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के जखाऊ तट पर वर्ष 2019 में पकड़ी गई 330 किलो ब्राउन हेरोइन तस्करी मामले में विशेष एनआईए अदालत ने छह पाकिस्तानी नागरिकों को आठ-आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वहीं, कथित रूप से खेप लेने वाले भारतीय आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया। विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश हेमांग रावल ने छह पाकिस्तानी नागरिकों को आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उन्हें पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) नियम, 1950 के तहत पांच वर्ष की सजा भी दी गई, जो साथ-साथ चलेगी। विदेशी अधिनियम के तहत प्रत्येक दोषी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

हालांकि, अदालत ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम की धाराओं में पर्याप्त साक्ष्य न होने के कारण उन्हें बरी कर दिया। अदालत ने उस भारतीय व्यक्ति को भी संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया, जिस पर समुद्र के बीच मादक पदार्थों की खेप लेने का आरोप था। जांच एजेंसी का दावा था कि वह भारतीय नाव के जरिए खेप प्राप्त करने वाला था। एनआईए के अनुसार, 20 मई 2019 को राजस्व खुफिया निदेशालय को सूचना मिली थी कि पाकिस्तान की एक मछली पकड़ने वाली नाव गुजरात के जखाऊ तट के पास भारतीय समुद्री सीमा में मादक पदार्थों की खेप पहुंचाने वाली है। 21 मई को भारतीय तटरक्षक बल के जहाज 'अरिंजय' ने पाकिस्तान के झंडे वाली नाव को घेर लिया। इस दौरान नाव पर मौजूद लोगों ने संदिग्ध बैग समुद्र में फेंक दिए।

बाद में भारतीय तटरक्षक बल ने 194 पैकेट बरामद किए। इसके बाद विभिन्न एजेंसियों ने अलग-अलग समय पर 17 और पैकेट भी बरामद किए। जांच के दौरान पाकिस्तान की नाव 'अल-मदीना' और भारतीय नाव 'फेजाने किरमानी' को पकड़ा गया। पूछताछ में पाकिस्तानी नाव के कप्तान सफदर अली ने मादक पदार्थों की खेप भारतीय व्यक्ति तक पहुंचाने की जानकारी होने की बात स्वीकार की। फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, भुज की जांच में बरामद पदार्थ को ब्राउन हेरोइन बताया गया। जांच में सामने आया कि छह पाकिस्तानी नागरिक 11 पॉलीप्रोपाइलीन बैग में पैक 330 पैकेट मादक पदार्थ लेकर भारत पहुंचे थे। गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को देखते हुए 22 मई 2020 को जांच एनआईए को सौंप दी थी।

अमरनाथ यात्रियों की बस खाई में गिरी, दर्दनाक हादसे में 30 घायल

गांदरबल, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में एक बड़ा हादसा हुआ। मंगलवार को अमरनाथ यात्रियों को ले जा रही एक बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में करीब 30 अमरनाथ यात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बस में लगभग 40 श्रद्धालु सवार थे। यह घटना गांदरबल जिले के गुंड इलाके में हरिगनीवान के एस-मोड के पास हुई। बस का पंजीकरण नंबर एआर11 डी5655 बताया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस का नियंत्रण बिगड़ने से यह खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया।

पुलिस, स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) के जवान मौके पर पहुंचे। उनके साथ स्थानीय स्वयंसेवकों ने भी बचाव कार्य में सहयोग किया। घायल यात्रियों को क्षतिग्रस्त बस से बाहर निकाला गया। उन्हें तत्काल इलाज के लिए कांगन के सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ले जाया गया। बचाव दल ने तेजी से काम करते हुए सभी घायलों को बाहर निकाला। पुलिस और एसडीआरएफ ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर यह अभियान चलाया। कांगन के सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में घायलों का इलाज चल रहा है।

600 करोड़ के हेल्थ स्कैम में एक्शन

ईडी ने मांगे खरीद के दस्तावेज

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में करीब 600 करोड़ रुपये के हेल्थ स्कैम की जांच अब तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग से मेडिकल सामान और उपकरणों की खरीद से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज मांगे हैं। ईडी ने टेंडर प्रक्रिया, कंपनियों के चयन, सामान की सप्लाई, गुणवत्ता जांच और भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड तलब किए हैं। जांच के दायरे में पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, सी-आर्म मशीन, एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन, ओआरएस, बेडशीट, सर्जिकल सामान, ग्लव्स और दवाइयों की खरीद शामिल है।

इस मामले में अब तक 20 से ज्यादा लोगों से पूछताछ हो चुकी है। ईडी यह पता लगा रही है कि खरीद प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी या मनी लॉन्ड्रिंग हुई है या नहीं।

बता दें कि इससे पहले तत्कालीन डीजीएचएस डॉ. वत्सला अग्रवाल और उप नियंत्रक लेखा नीरज चोपड़ा के खिलाफ भी प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज हो चुकी है। वहीं सीपीए के पूर्व प्रमुख डॉ. विनोद कुमार रंगा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब सभी की भूमिका की गहन जांच जारी है। जांच एजेंसी ने टेंडर प्रक्रिया, तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन, ठेके देने के नियम, सामान की सप्लाई, जांच, मंजूरी और पेमेंट रिलीज से जुड़े तमाम रिकॉर्ड्स मांगें हैं। इसके अलावा ईडी ने उन कंपनियों, मैन्युफैक्चरर्स, ओईएम (ओईएम) और डिस्ट्रीब्यूटर्स से जुड़े वित्तीय लेन-देन की पूरी डिटेल भी मांगा है, जिनसे ये तमाम मेडिकल सामान खरीदे गए थे। दिल्ली सरकार के पूर्व हेल्थ मिनिस्टर और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने इस मामले से जुड़ी फाइल गायब होने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। बता दें कि इस बड़े घोटाले की जांच पहले से ही एसीबी और विजिलेंस विभाग द्वारा की जा रही है।

65 साल के हैवान ने की दो मासूम बच्चियों से रेप

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ शहर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। वाकड थाना क्षेत्र में पड़ोस में रहने वाले 65 साल के शख्स पर दो सगी नाबालिग बहनों के साथ रेप करने का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोपी रमजान बागवान को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 10 वर्षीय बच्ची के साथ डेढ़ महीने के दौरान चार बार और उसकी चार वर्षीय बहन के साथ एक बार रेप किया। पीड़ित बच्चियों का परिवार मजदूरी करता है। उनके माता-पिता, दादा-दादी और चाचा रोजाना काम पर चले जाते हैं। जबकि आरोपी घर पर ही मौजूद था। 10 वर्षीय बच्ची रोज की तरह स्कूल से सुबह करीब 11 बजे घर लौटी थी। उस समय घर के बड़े सदस्य काम पर थे और दोनों बहनें घर के आसपास खेल रही थीं। इसी दौरान आरोपी ने मौका देखकर बच्ची का मुंह दबाया और उसे अपने घर ले गया, जहां उसके साथ रेप किया। पीड़िता ने परिवार को बताया कि आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता था। उसने कहा था कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो वह चाकू से उसका पेट काट देगा। इसी डर की वजह से बच्ची लंबे समय तक चुप रही। परिवार को जब पूरी सच्चाई का पता चला तो वे तुरंत वाकड पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने ज़मीन हड़पने के मामले में वाईएसआरसीपी नेता तमिनेनी और उनकी पत्नी को ज़मानत दी

विजयवाड़ा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने पूर्व विधानसभा स्पीकर और वाईएसआरसीपी नेता तमिनेनी सीताराम और उनकी पत्नी वाणी को धोखाधड़ी के मामले में अंतरिम अग्रिम ज़मानत दे दी है। यह मामला श्रीकाकुलम ग्रामीण पुलिस ने जाली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल करके ज़मीन के कथित धोखाधड़ीपूर्ण रजिस्ट्रेशन के लिए दर्ज किया था। जस्टिस डॉ। यादवल्ली लक्ष्मणा राव ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे अगले आदेश तक इस जोड़े को गिरफ़्तार न करें। कोर्ट ने सीताराम को जांच में सहयोग करने और 29 जुलाई को सुबह 10 बजे जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया। वाणी की उम्र 65 साल होने को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने पुलिस को उनके मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

हालांकि, कोर्ट ने सीताराम के बेटे वेंकट श्रीराम चिरंजीवी नागू को ऐसी सुरक्षा देने से इनकार कर दिया, जो इस मामले में आरोपी भी है। मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी। याचिकाकर्ताओं ने अग्रिम ज़मानत की मांग करते हुए तर्क दिया था कि सीताराम और वाणी का विवादित ज़मीन की बिक्री डीड से कोई संबंध नहीं था। कोर्ट ने पाया कि

शिकायतकर्ता ने ज़मीन विवाद को लेकर पहले दायर दीवानी मुक़दमे में सीताराम या वाणी में से किसी को भी प्रतिवादी नहीं बनाया था और पुलिस शिकायत में भी उनकी भूमिका का ज़िक्र नहीं किया था। जज ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसे सबूत हैं जिनसे पता चलता है कि इस जोड़े और विवादित रजिस्ट्रेशन के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

हालांकि, कोर्ट ने पाया कि नागू ज़मीन की खरीद के लिए भुगतान दिखाने वाले शुरुआती सबूत पेश करने में विफल रहे, जिससे वे गिरफ़्तारी से अंतरिम सुरक्षा पाने के अयोग्य हो गए। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी कालवा धनंजय रेड्डी, पूर्व ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओडीएस) पेल्लाकुरु कृष्णा मोहन रेड्डी और विक्रांत सीमेंट कंपनी के डायरेक्टर बालाजी गोविंदप्पा को नियमित ज़मानत दे दी, जो कथित शराब घोटाले के मामले में आरोपी हैं।

'पीएम मोदी ने बहुत बड़ा तीर मार लिया'

पेपर लीक बिल पर बोले संजय राउत

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। देश की संसद में (28 जुलाई) पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक पेश किया गया। इसको लेकर पक्ष-विपक्ष की ओर से प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। इस बीच शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत की प्रतिक्रिया सामने आई है। संजय राउत ने कहा, एंटी पेपर लीक पर चर्चा तो होगी, लेकिन भारत में विश्व का सबसे बड़ा आंदोलन जंतर-मंतर पर हुआ है। अब नया बिल आया है। मोदीजी को लगता है बहुत बड़ा तीर मार लिया, लेकिन यह पुराना ही बिल है। इसमें सिर्फ सजा का प्रावधान 1 साल से 10 साल किया और 1 करोड़ का जुर्माना था जिसे 10 करोड़ कर दिया गया।

यूबीटी सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा करते हुए कहा, पेपर लीक का सबसे बड़ा रैकेट भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में चल रहा है। महाराष्ट्र से नीट पेपर लीक में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है वे सभी बीजेपी से संबंधित लोग हैं। उन्होंने आगे कहा, वाइस चांसलर को आप नियुक्त करते हो, ये बड़े-बड़े एजुकेशन बोर्ड हैं वहां आपके लोग बैठते हैं। उन्होंने आगे कहा, वे सब मिल-जुलकर ये काम करते हैं और करते रहेंगे। ये बिल लाने से कुछ नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को लोकसभा में पेपर लीक विरोधी बिल पेश किया।

यह कदम नीट पेपर लीक के खिलाफ कई सप्ताह तक चले देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया गया है।शून्यकाल के दौरान सदन में जारी विपक्ष सदस्यों के हंगामे के बीच मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक-2026 पेश किया। इस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने सदन की मेज थपथपाते हुए अपना समर्थन दिया। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने विधेयक पर संशोधन प्रस्तुत करने के लिए दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित किया। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाना है।

बंगाल के बारासात में सुबह-सुबह धमाका, धुएं से ढक गयी पुलिस चौकी

बारासात, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुबह सात बजे एक भयानक धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाके की तेज आवाज से इलाके के लोग लगभग जाग उठे। जब वे अपने घरों से बाहर निकले तो देखा कि पूरा इलाका धुएं से ढका हुआ था। बाद में पता चला कि धमाके की आवाज पुलिस चौकी से आ रही थी। यह घटना नीलगंज, बरस्त पुलिस चौकी पर हुई। बताया जाता है कि यह धमाका तब हुआ जब भंडारित पटाखों में आग लग गई। पता चला है कि दो-तीन दिन पहले इलाके से पटाखे बरामद किए गए थे और चौकी पर रखे गए थे। मंगलवार तड़के अचानक पटाखों में आग लग गई। इसके परिणामस्वरूप, एक के बाद एक धमाके होने लगे। तेज आवाज सुनाई दी। आग लग गई।

दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। वे आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इलाके में दहशत का माहौल नहीं है। हालांकि, यह सवाल उठ रहा है कि आतिशबाजी बरामद करने के बाद उसे सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं रखा गया। इसी वजह से विस्फोट हुआ। यह चौकी घनी आबादी वाले इलाके के बीच में स्थित है। इसलिए, स्थानीय निवासियों का मानना है कि इस तरह का विस्फोट वहां खतरनाक साबित हो सकता था।

चलमाला बीच पर मिली 4 करोड़ की व्हेल की उल्टी

रायगढ़ पुलिस ने अलीबाग के मछुआरे को किया गिरफ्तार

नवी मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। रायगढ़ की अलीबाग पुलिस ने 33 साल के एक मछुआरे को 4 किलो एम्बरग्रीस (व्हेल की उल्टी) रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। उसे सोमवार तड़के अलीबाग तालुका के थल गांव में चलमाला जेटी के पास बाइक चलाते हुए पकड़ा गया। अलीबाग के सीनियर इंस्पेक्टर प्रवीण पांडे ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान थल गांव के चलमाला इलाके के रहने वाले राहुल पंढरीनाथ हतानी के तौर पर हुई है। रायगढ़ की एसपी अंचल दलाल के निर्देशों के अनुसार, तटीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय पुलिस स्टेशन की टीम और होम गाड्र्स को जेटी और समुद्र तट पर लैंडिंग पॉइंट पर विशेष गश्त के लिए तैनात किया गया था।

रात करीब 1.30 बजे, गश्त कर रही टीम ने चलमाला जेटी के पास एक व्यक्ति को स्कूटर पर संदिग्ध हालत में घूमते देखा। गश्त कर रही पुलिस ने उसे रोका और पूछताछ की, तो उसने टालमटोल वाला जवाब दिया। इसके बाद, उसकी स्कूटी की डिक्की की तलाशी ली गई और पुलिस को कपड़े का एक बैग मिला जिसमें 4 किलो एम्बरग्रीस था। हतानी ने दावा किया कि करीब चार महीने पहले उसने चलमाला बीच पर कुत्तों को बहकर आई व्हेल की उल्टी खाते देखा था। इसलिए, उसने कुत्तों को भगा दिया और व्हेल की उल्टी जमा कर ली। उसने इसे कपड़े में लपेटकर अपनी स्कूटर की डिक्की में रख लिया था, लेकिन उसे कोई खरीदार नहीं मिल सका। पांडे ने कहा कि चूंकि वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत व्हेल की उल्टी रखना, उसे ले जाना और बेचना दंडनीय अपराध है, इसलिए हतानी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे तथा जब्त किए गए 4 किलो एम्बरग्रीस (कीमत 4 करोड़ रुपये) को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अलीबाग वन विभाग के रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर को सौंप दिया गया।

चंबा में हादसा : लाहाड़ गांव के पास गहरी खाई में गिरा वाहन, पांच की मौत

चंबा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से मंगलवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। पठानकोट-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लाहाड़ गांव के पास एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस भीषण हादसे में एक साल के मासूम बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन में सवार सभी लोग किसी के उपचार के लिए जा रहे थे। हालांकि रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया और पूरा परिवार अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही हमेशा के लिए बिछड़ गया। इस घटना ने पूरे चंबा क्षेत्र को गहरे सदमे में डाल दिया है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके के लिए रवाना हुए। हालांकि, राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह बंद होने के कारण बचाव दल को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद राहत और बचाव अभियान चलाया गया और सभी शवों को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

सुविचार: एक सुस्त व्यक्ति हमेशा अपनी सुस्ती में ही व्यस्त रहता है। सुस्ती सबसे बडा विकार है

रैतू नेस्तम किसानों के लिए वैज्ञानिक खेती का ज्ञान मंच बना : मंत्री तुम्मला

> 27 लाख से अधिक किसान हुए लाभान्वित

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सचिवालय में मंगलवार को 'रैतू नेस्तम' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, गदवाल विधायक बंडला कृष्ण मोहन रेड्डी, मुख्य सचिव संजय जाजू, कृषि विभाग के विशेष मुख्य सचिव के. सुरेंद्र मोहन, कृषि निदेशक बी. गोपी, बागवानी प्रबंध निदेशक यास्मिन बाशा, सहकारिता आयुक्त राहुल राज, राज्य कृषि एवं बागवानी विश्वविद्यालयों के कुलपति जनय्या और राजी रेड्डी सहित विभिन्न जिलों के प्रगतिशील किसान और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि सरकार ने 'रैतू नेस्तम' पहल की शुरूआत रायथु वेदिकाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं

से जोड़कर की, ताकि इन्हें किसानों के लिए ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में ये केंद्र अपेक्षित रूप से उपयोग में नहीं आ पाए थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों, अधिकारियों और किसानों को एक साझा मंच पर लाना है, जिससे किसानों को सीधे विशेषज्ञों से जानकारी मिल सके और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा मिले। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 6 मार्च 2024 को इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। अब इसके 100 एपिसोड पूरे होना किसानों के विश्वास और समर्थन का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि अब तक इस कार्यक्रम में कुल 24,85,581 किसानों ने भाग लिया है, जिसमें 5,26,107 महिला किसान शामिल हैं। पिछले दो वर्षों में 2,43,830 अधिकारियों ने भी इसमें भागीदारी की है। इस प्रकार कार्यक्रम से लाभान्वित होने वालों की कुल संख्या 27.30 लाख से अधिक हो गई है। तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि तेलंगाना देश का पहला राज्य है, जिसने रैतू वेदिकाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डिजिटल रूप से जोड़ा है और किसानों तथा कृषि वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि 'रैतू नेस्तम' कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार सुबह 10 बजे से 11.30 बजे तक आयोजित किया जाता है।

इसमें किसान अपनी समस्याएं सीधे वैज्ञानिकों के सामने रखते हैं और उन्हें तत्काल समाधान एवं सुझाव प्राप्त होते हैं, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने से पहले समय पर निर्णय लेने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर मंत्री ने कृषि क्षेत्र में योगदान देने वाले विभिन्न जिलों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया।

गोवा शराब तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोहिबिशन और एक्साइज डिपार्टमेंट की स्पेशल टास्क फोर्स ने मंगलवार सुबह पहाड़ीशरीफ के पास वाहनों की जांच के दौरान बिना टैक्स चुकाई गई शराब के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया और लगभग 2 लाख रुपये कीमत की 98 शराब की बोतलें और एक कार ज़ब्त की। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध लोग वीकेंड पर हवाई जहाज़ से गोवा जाते थे और अक्सर कैसीनो जाते थे। इसके बाद, वे शराब की बोतलें खरीदते थे और वापसी की उड़ानों में उन्हें तेलंगाना लाते थे। फिर कथित तौर पर यह शराब एक किराने की दुकान के ग्राहकों और निजी कार्यक्रम आयोजित करने वाले लोगों को अवैध रूप से बेची जाती थी। जांच के दौरान, अधिकारियों ने एक कार को रोका जिसमें बिना टैक्स चुकाई गई शराब की 42 बोतलें थीं।

मंत्री पोंगुलेटी ने अस्पताल पहुंचकर पेड्डी सुदर्शन रेड्डी का हालचाल जाना

> परिजनों को दिया भरोसा, चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के पूर्व अध्यक्ष पेड्डी सुदर्शन रेड्डी सिकंदराबाद स्थित यशोदा अस्पताल में उपचाराधीन हैं। उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी मंगलवार को अस्पताल पहुंचे और उनका हालचाल जाना।

इस अवसर पर मंत्री पोंगुलेटी ने पेड्डी सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने चिकित्सकों से बातचीत कर उन्हें दिए जा रहे उपचार और स्वास्थ्य में हो रहे सुधार के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने बाद में पेड्डी सुदर्शन रेड्डी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें हिम्मत बंधाई। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उन्हें बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और कामना की कि पेड्डी सुदर्शन रेड्डी जल्द स्वस्थ होकर पूरी तरह ठीक होकर फिर से जनता के बीच लौटें। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने परिवार के सदस्यों को आश्वासन दिया कि वे धैर्य बनाए रखें, राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है और हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

जैव विविधता के संरक्षण में बाघों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : मंत्री कोंडा सुरेखा

> अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर वन एवं पर्यावरण मंत्री ने दिया संदेश

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व विभाग मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि जंगलों के अस्तित्व और जैव विविधता के संरक्षण में बाघों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर अपने संदेश में कहा कि बाघों का संरक्षण केवल वन्यजीवों की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी है।

मंत्री सुरेखा ने कहा कि विश्वभर में बाघों के संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। उन्होंने प्रसिद्ध पर्यावरणविद और प्रकृति प्रेमी जिम कॉर्बेट के विचारों को याद करते हुए कहा कि बाघ अदम्य साहस और शौर्य का प्रतीक है तथा उसकी सुरक्षा प्रकृति संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय बाघ गणना 2022 के अनुसार देश में 3,682 बाघ हैं। विश्व के कुल बाघों में लगभग 75 प्रतिशत बाघ भारत में पाए जाते हैं, जो देश के लिए गर्व का

विषय है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, प्रोजेक्ट टाइगर 1973, केंद्र एवं राज्य सरकारों के संरक्षण प्रयासों, वन कर्मचारियों की निष्ठा और जनता के सहयोग का परिणाम है।

मंत्री ने कहा कि सतत विकास की नींव पर्यावरण संरक्षण पर आधारित है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार वन संपदा और वन्यजीवों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के सहयोग से राज्य के कव्वाल और अमराबाद बाघ अभयारण्यों में बाघ संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, अवैध शिकार रोकने, आधुनिक तकनीक से निगरानी, वन कर्मचारियों के प्रशिक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री सुरेखा ने बताया कि महाराष्ट्र से चरणबद्ध तरीके से बाघों को लाकर उनके लिए अनुकूल आवास विकसित करने की योजना को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने कव्वाल बाघ अभयारण्य में बाघ पुनर्स्थापना कार्यक्रम के तहत मंजूरी दी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे राज्य में बाघों की संख्या में और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि जैव विविधता संरक्षण के लिए सरकार के प्रयासों के साथ-साथ स्थानीय लोगों की भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है। वन क्षेत्रों के विकास और वन्यजीव संरक्षण को जनता के सहयोग से और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से बाघों और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय सहयोग करने की अपील की।

जयपाल रेड्डी नैतिक राजनीति के प्रतीक थे : मुख्यमंत्री

पूर्व केंद्रीय मंत्री की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एस. जयपाल रेड्डी को नैतिक मूल्यों और आदर्श राजनीति का प्रतीक बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्री ने उनके चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपाल रेड्डी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत छात्र नेता के रूप में की थी और जीवन के अंतिम क्षण तक वे अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि जयपाल रेड्डी ने अपने गहन ज्ञान, प्रभावशाली वक्तृत्व कौशल और संसदीय कार्यशैली से जनता तथा संसद दोनों पर अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, कांग्रेस नेता रोहिन रेड्डी और तुम्मला युगंधर सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

बीआरएस ने उर्दू अकादमी जमीन का लीज रद्द करने की मांग की

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने मंगलवार को राज्य सरकार को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें तेलंगाना उर्दू अकादमी की जमीन को एक प्राइवेट कंपनी को दिए गए लीज को रद्द करने की मांग की गई। पार्टी ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की भी मांग की। पूर्व राज्य सचिव और वक्फ बोर्ड के पूर्व सदस्य वहीद अहमद ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव के माध्यम से मुख्य सचिव के कार्यालय में यह ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सरकार से जीओ को फिलहाल स्थगित करने का आग्रह किया गया। इसमें पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की भी मांग की गई ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था, और अगर कोई अनियमितता पाई जाती है तो लीज को रद्द किया जाए।

पुलिस ने डिजिटल ठगी से बचाव के उपायों की दी जानकारी

> चादरघाट में साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से चादरघाट स्थित शुभंकारी समारोह हॉल में व्यापक साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व मलकपेट संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त एल. राजा वेंकट रेड्डी ने किया।

कार्यक्रम में चादरघाट पुलिस थाना निरीक्षक के.बी. मुरारी, उप निरीक्षक और थाने के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों को बढ़ते साइबर अपराधों और उनसे बचाव के तरीकों की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी, निवेश और व्यापार से जुड़े फर्जीवाड़े, नकली ऋण ऐप,

ओटीपी एवं फिशिंग धोखाधड़ी, क्यूआर कोड ठगी, फर्जी ग्राहक सेवा कॉल और सोशल मीडिया खातों की हैकिंग जैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को अपने व्यक्तिगत डाटा, बैंक खातों और ऑनलाइन लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों से बचने के लिए सतर्कता बेहद जरूरी है। इस दौरान नागरिकों को सलाह दी गई कि वे किसी भी व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, पासवर्ड, पिन या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। साथ ही संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने, अज्ञात क्यूआर कोड स्कैन करने और बिना पुष्टि वाले फोन कॉल का जवाब देने से बचें। पुलिस ने लोगों को बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार होता है तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करे या आधिकारिक साइबर अपराध शिकायत पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराए, ताकि आर्थिक नुकसान को रोका जा सके। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया।

नौकरी और लोन के नाम पर धोखाधड़ी के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

आदिलाबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नौकरी और लोन दिलाने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। एसपी अखिल महाजन ने मंगलवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि नारनूर के चाहकती लिंबाराओ, उत्नर के जाडी प्रवीण कुमार, केरामेरी के रामतेंकी उदय किरण और जैनूर के जाडी रविंदर को सरकारी संगठनों में नौकरी और बैंकों से लोन दिलाने के बहाने 25 लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोप में पकड़ा गया।

प्रधानमंत्री मोदी की विकास सोच से लोग भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं : एन. रामचंदर राव

हुजूराबाद में आत्मीय सम्मेलन, पूर्व आईआरएस अधिकारी सुधाकर रेड्डी भाजपा में शामिल

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास दृष्टि और जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर समाज के सभी वर्गों के लोग भारतीय जनता पार्टी से जुड़ रहे हैं। हुजूराबाद में आयोजित आत्मीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने पूर्व आईआरएस अधिकारी सुधाकर रेड्डी का भाजपा में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित और अनुभवी पेशेवर भी देश सेवा के लिए भाजपा को एक उपयुक्त मंच मानते हुए पार्टी से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता शांति कुमार ने भी आयकर विभाग से इस्तीफा देकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 1980 के दशक में एक सीमित राजनीतिक ताकत के रूप में शुरूआत करने वाली भाजपा आज देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टी बन चुकी है और गांव-गांव तक उसका व्यापक जनसमर्थन है। उन्होंने त्रिपुरा, हरियाणा और ओडिशा में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए विश्वास जताया कि तेलंगाना में भी अगली सरकार भाजपा बनाएगी।

रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें, जिनमें विदेशी धन प्राप्त करने वाले संगठन भी शामिल हैं, भारत को कमजोर करने के लिए उत्तर-दक्षिण विभाजन पैदा करने और आंतरिक टकराव को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने लोगों से ऐसे विभाजनकारी तत्वों के खिलाफ एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस और एआईएमआईएम पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को परिवार रजिस्टर प्रमाण पत्र जारी कर उन्हें चुनावी प्रक्रिया में वैध दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

हाईकोर्ट का फैसला रेवंत रेड्डी के 'बुलडोजर शासन' पर करारा प्रहार : डॉ. श्रवण दासोजू

रंगनाथ केवल कठपुतली हैं, पीछे से डोर खींचने वाले रेवंत रेड्डी हैं : बीआरएस नेता

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के संविधान की जीत बताते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधान परिषद सदस्य डॉ. श्रवण दासोजू ने हाईकोर्ट के फैसले को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सरकार के लिए बड़ा झटका करार दिया।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के आयुक्त ए.वी. रंगनाथ को जिम्मेदारियों से हटाने संबंधी आदेश देना सरकार के 'तानाशाही रवैये' पर करारा प्रहार है। हैदराबाद स्थित बीआरएस केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डॉ. श्रवण दासोजू ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और हाइड्रा पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने मांग की कि हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणियों के मद्देनजर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल

पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अवैध तरीके से बिना नोटिस दिए की गई तोड़फोड़ से जिन लोगों की निजी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है, उन्हें सरकार की ओर से पूरा मुआवजा दिया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ को तत्काल पद से हटाने और सरकार द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय की खंडपीठ या सर्वोच्च न्यायालय में अपील नहीं करने की मांग की। डॉ. श्रवण दासोजू ने आरोप लगाया कि हाइड्रा मामले में ए.वी. रंगनाथ केवल एक माध्यम हैं, जबकि इसके पीछे से निर्णय लेने वाले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैं। उन्होंने कहा कि नगरपालिका प्रशासन मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री के निर्देशों पर ही हाइड्रा की कार्रवाई हुई।

उन्होंने आरोप लगाया कि कानून और संविधान का उल्लंघन कर गरीबों के जीवन से खिलवाड़ किया गया। उन्होंने कहा कि रंगनाथ को हटाने का हाईकोर्ट का आदेश केवल एक अधिकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रेवंत रेड्डी सरकार की नगर प्रशासन व्यवस्था और उसके 'बुलडोजर मॉडल'' के खिलाफ बड़ा संदेश है। बीआरएस नेता ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में किसी उच्च न्यायालय द्वारा किसी आईपीएस अधिकारी और किसी संस्था के आयुक्त को जिम्मेदारियों से हटाने का निर्देश देना दुर्लभ घटना है।

दिवंगत जवान के परिवार को 5.20 लाख रुपये की सहायता

इंटेलिजेंस सुरक्षा विभाग के जवान के परिवार के साथ खड़े हुए सहकर्मी

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क दुर्घटना में असमय मृत्यु का शिकार हुए इंटेलिजेंस सुरक्षा विभाग के जवान किरण के परिवार की सहायता के लिए उनके सहकर्मी आगे आए हैं।

विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से धन एकत्र कर किरण के परिवार को 5.20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। हैदराबाद स्थित आईएसडब्ल्यू कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में यह सहायता राशि ओएसडी वी.बी. कमलासन रेड्डी के हाथों किरण के परिवार को सौंपी गई। इस अवसर पर ओएसडी कमलासन रेड्डी ने कहा कि किरण की असमय मृत्यु पुलिस विभाग के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि विभाग हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी नियमों के अनुसार मिलने वाले सभी सेवा लाभ और दुर्घटना बीमा राशि जल्द उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही पात्र परिवार सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति दिलाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। ओएसडी ने सहायता राशि एकत्र करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आरआई प्रशासन श्रीधर रेड्डी, दिनेश रेड्डी, के. श्रवण कुमार, के. सुमन और एस. सागर सहित सहयोग करने वाले सभी कर्मचारियों की विशेष रूप से सराहना की।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक प्रशासन जी. चक्रवर्ती, तैनाती पुलिस अधीक्षक सैयद बाशा, पुलिस अधीक्षक श्रीनिवास, पुलिस अधीक्षक रामचंदर राव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया और किरण के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें धैर्य बनाए रखने का भरोसा दिलाया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15709742A HAV GURUNATH GADDANAKERI, R/o.Vill: Koppa (Lt), PO: Hullur, Teh: Muddebihar, Dist: Vijayapura, Karnataka-586213 that my father name & DOB is changed from BASHAPA GADDANAKERI, DOB:01-07-1966 to BASAPPA LAMANI, DOB:01-01-1956 and mother name & DOB is changed from MANABAI GADDANAKERI, DOB:01-07-1967 to MANUBAI LUMANI, DOB:01-01-1966 vide affidavit dt:28-7-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सातवीं पुण्यतिथि

स्व. श्री पुनारामजी आगलेचा

सुपुत्र : स्व. श्री कसारामजी आगलेचा (मरुधर में मुकनपुरा मारवाड़ जंक्शन)

स्वर्गवास : 29.07.2019

स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको।।

* श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता *

बड़े पापा-बड़ी मम्मी : स्व. नन्दारामजी-मगीबाई,
बड़े पापा : खेतारामजी, माता-पिता : स्व. कसारामजी-गंगाबाई,
काका-काकी : मोतीरामजी-दाकुबाई, भाई-भाभी : दीपाराम-भँवरीबाई,
दिनेश-लीलाबाई, पुत्र : अभिषेक, हितेश,
बहन-बहनोई : जमकुबाई-नेनारामजी काग, चम्पाबाई-चन्द्रगुप्तजी सोयल,
भतीजा-बहु : हेमन्त-ललीता, भतीजे : पीयुष, अंश, भतीजी : पायल,
पौत्री : हंसिका एवं समस्त आगलेचा परिवार

फर्म : * चौधरी पॉन ब्रोकर्स -कवाडीगुड़ा *
* श्री भगवती मार्केटिंग -तिरुमलगिरी *
* लक्ष्मी पेन्टस् इलेक्ट्रीकल्स एंड सेनेटरी -गुंडलापोचमपल्ली, कोमपल्ली *
9966047492, 9949117817, 9849747343

AAIMAA ADS

ज्वैलरी कारोबारी के पोते का अपहरण के बाद हत्या

पड़ोसी टीचर के घर में मिली लाश, खेलते वक्त उठा ले गया था

गोरखपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर के ज्वैलरी कारोबारी के 10 साल के पोते की मंगलवार को अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। लाश घर से 20 मीटर दूर रहने वाले पड़ोसी के घर में बोरे में भरी मिली। एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि वैभव वर्मा सोमवार शाम को लापता हो गया था। वह स्कूल से घर लौटा। फिर साइकिल लेकर घर के बाहर खेलने चला गया। करीब 30 मिनट बाद परिवार को सूचना मिली कि बच्चे की साइकिल लावारिस हालत में पड़ी है। परिवार के लोग भागते हुए पहुंचे। आसपास तलाश की तो थोड़ी दूरी पर बच्चे की एक चप्पल मिली। परिवार ने पूरे इलाके में तलाश की। स्कूल, दोस्तों, रिश्तेदारों में पता किया। पुलिस को सूचना दी।

पुलिस फॉरेंसिक, डॉग स्क्वॉयड के साथ मौक पर पहुंची। सीसीटीवी चेक किए तो बच्चा पड़ोस में रहने वाले कम्प्यूटर टीचर के साथ जाते दिखाई दिया। पूछताछ की गई तो उसने अपहरण

वैभव वर्मा मृतक

के बाद हत्या की बात कबूल कर ली। आरोपी की निशानदेही पर घर के बेसमेंट से बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर खजनी कस्बे की है।

खजनी कस्बे में लक्ष्मी नारायण वर्मा रहते हैं। इनकी गिनती इलाके के सबसे बड़े ज्वैलरी कारोबारी में होती हैं। लक्ष्मी नारायण के बेटे हनुमान का सबसे छोटा बेटा वैभव नवल्स एकेडमी से चौथी क्लास में पढ़ाई करता था। सोमवार दोपहर 1:30 बजे वैभव स्कूल से लौटा। घर पहुंचकर बैग रखा और यूनिफॉर्म बदलकर साइकिल लेकर घर से निकलने लगा।

दादी ने वैभव से खाना खाने के लिए कहा तो उसने कुछ देर में आने की बात कही। करीब 30 मिनट बाद एक पड़ोसी ने घर आकर बताया कि वैभव की साइकिल घर के पीछे पड़ी हुई है। दादी घर से 50 मीटर दूर पहुंची तो वैभव नहीं दिखा। आसपास तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। दादी ने परिवार को सूचना दी। वैभव के पिता और परिवार के बाकी लोग भी 20-25 मिनट में आ गए। उन्होंने तलाश शुरू की तो जहां साइकिल मिली थी, उससे 100 मीटर दूर खाली खेत में वैभव की एक चप्पल पड़ी हुई थी। परिवार को अपहरण का शक हुआ। तुरंत पुलिस को सूचना दी।

एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने 5 टीमें गठित कीं। एक टीम ने सीसीटीवी खंगालने शुरू किए। बाकी टीमें डॉग स्कवॉयड लेकर मौके पर पहुंचीं। बच्चे की स्कूल ड्रेस खोजी कुत्ते को सुंघाई गई।

इसके बाद कुत्ता जहां चप्पल पड़ीं थी, वहां से एक किमी दूर खेत से होता हुआ रोड तक गया। पुलिस को शक हुआ कि बच्चा खेत से रोड तक पहुंचा होगा।

कुख्यात गुड्डू यादव के 23 ठिकानों पर ईओयू की रेड

जमुई, शेखपुरा में कार्रवाई, खुद एमएलसी चुनाव लड़ चुके, पत्नी जिला परिषद अध्यक्ष

जमुई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जमुई में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की टीम ने मंगलवार सुबह जिला परिषद अध्यक्ष दुलारी देवी और उनके पति कुख्यात गुड्डू यादव के 23 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई पिछले 7-8 घंटे से चल रही है।

ईओयू की टीम ने एक साथ जिला परिषद अध्यक्ष दुलारी देवी, उनके पति गुड्डू यादव और उनके करीबी लोगों के आवास, पेट्रोल पंप और ससुराल में तलाशी शुरू की। इस दौरान संपत्तियों की गहन जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि 50 गाड़ियों से पहुंचे ईओयू अधिकारियों ने जमुई में 22 और शेखपुरा में एक ठिकाने पर एक साथ कार्रवाई शुरू की। ईओयू के एक अधिकारी ने बताया कि साल 2024 में कुख्यात गुड्डू यादव के खिलाफ ईओयू थाने में संगठित अपराध से संबंधित मामला दर्ज किया गया था।

नोएडा समेत 15 शहरों में जोरदार बारिश, सड़कें तालाब बनीं

रायबरेली में जमीन धंसी तो नीचे सुरंग मिली सहारनपुर में डीएम ऑफिस में पानी भरा

लखनऊ/वाराणसी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया। मंगलवार सुबह से नोएडा, मेरठ, गोंडा समेत 15 शहरों में रुक-रुक कर जोरदार बारिश हो रही है। सहारनपुर में तड़के 4 बजे झमाझम बारिश हुई। 2 घंटे की मूसलाधार बारिश से सड़कों पर 2-3 फीट तक जलभराव हो गया। डीएम ऑफिस कैंपस में घुटनों तक पानी भर गया।

ऑफिसर्स कॉलोनी में भी पानी घुस गया, जहां जिला जज, कमिश्नर, नगर आयुक्त जैसे बड़े अफसरों के आवास हैं। शहर की ज्यादातर कॉलोनियां तालाब बन गईं। नोएडा में सड़कों पर कमर तक पानी भर गया। महिलाएं स्कूली बच्चों को कंधे पर बैठाकर चलती नजर आईं। बाइकें आधी डूब गईं। मेरठ में विकास

प्राधिकरण के दफ्तर के परिसर में पानी घुस गया। कैंप कार्यालय के बाहर पानी भरने से महापौर अंदर ही फंस गए। रायबरेली में बारिश से खेत में 2 फीट का गड्ढा हो गया। गांव वालों ने देखा तो सुरंग मिली। मौके पर पहुंचकर एएसआई ने जांच शुरू कर दी है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने आज यूपी के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। 7 जिलों में बहुत भारी और 53 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। उधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से गंगा, यमुना, घाघरा, सरयू नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में कटान से 120 बीघा गन्ने की फसल शारदा नदी में समा चुकी है। बलिया में सरयू का पानी गांवों में घुस गया है।

मेरा बेटा पढ़ा-लिखा है, पढ़ाई करने वाले पत्थर नहीं फेंकते

पुलिस पर पथराव में गिरफ्तार लड़के की मां बोली, कांग्रेस नेता ने कहा–मैं दरभंगा में नहीं था

मोहम्मद इरफान
इरफान के माता पिता

दरभंगा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। 'मेरे भाई का कोई ऐसा बैकग्राउंड भी नहीं है कि वो पहले किसी प्रदर्शन में शामिल हुआ हो। वो बेकसूर है, प्रदर्शन के दौरान फंस गया होगा, बाइक गिर गई होगी, भागा होगा तो पुलिस ने पकड़ लिया होगा। उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है, मेरे भाई का करियर खराब हो जाएगा, उसे जल्द रिहा किया जाना चाहिए।'

'प्रशासन निष्पक्ष तरीके से जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे, निर्दोष लोगों को जल्द से जल्द छोड़े। किसी का नाबालिग बच्चा जेल चला जाए,उसके परिवार की क्या स्थिति होगी। अब तो देश में ट्रेंड भी चल रहा है कि नाम पूछकर पकड़ा जाता है, कोई मुसलमान है, तो ऐसे मामलों में उसे पकड़ लिया जाता है।'

दरभंगा में 23 जुलाई को हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से कानून-व्यवस्था भंग करने, पथराव, तोड़फोड़ और हिंसा के आरोप में दरभंगा की डिप्टी मेयर समेत 54 लोगों को नामजद, करीब 500 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर, जबकि 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें कोतवाली थाना क्षेत्र के सकमापुल का इरफान भी शामिल है।

गिरफ्तार किए गए युवकों के परिजनों का पक्ष जानने के लिए भास्कर की टीम उनके घर पहुंची। कई परिवारों ने कैमरे पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया, जबकि कुछ लोगों ने ऑफ कैमरा अपनी पीड़ा साझा की।

सकमापुल स्थित मो इरफान के घर पहुंची। इसके बाद टीम लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बाकरगंज मुहल्ला पहुंची, जहां ऑटो चालक अली इमाम के बेटे सलीम और मोहम्मद कलाम के बेटे अकबर के परिजनों से बातचीत की गई।

सलामी और अकबर चचेरे भाई हैं। सलीम ऑटो मरम्मत, जबकि अकबर एक पेट्रोल पंप पर काम करता है। हालांकि, परिवार के लोगों ने कैमरे पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

इसके बाद नगर थाना क्षेत्र के बाजितपुर तरौनी स्थित मो एजाज उर्फ मुन्ना टेलर के घर पहुंची। उनके बेटे तोहिद को भी पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घर पर उस समय कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था।

तोहिद के पिता पेशे से दर्जी हैं। मां ने ऑफ कैमरा बताया कि वे जेल में बेटे से मिलने गए थे।

महिला ने एक्स बॉयफ्रेंड को घर बुलाकर उतारा मौत के घाट

पति और नए प्रेमी के साथ मिलकर की हत्या

अलीगढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर का सनसनीखेज खुलासा किया है। करीब तीन महीने पहले नहर में मिले एक अज्ञात युवक के शव की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग, साजिश और विश्वासघात की कहानी का पर्दाफाश किया है। पुलिस के मुताबिक, एक शादीशुदा महिला ने अपने पति और नए प्रेमी के साथ मिलकर अपने पूर्व प्रेमी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे नहर में फेंक दिया गया। पुलिस ने महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि महिला का पति अभी फरार है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने बताया कि 2 मई को थाना हरदुआगंज क्षेत्र के मछुआ के पास एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। शव पर कई गंभीर चोटों के निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई गई। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव की पहचान कराने और मामले की जांच शुरू की।

सिर पर पट्टी, टूटा हाथ लेकर संसद पहुंचे पप्पू यादव

हाथ में थी लाठी, बोले– बच्चों पर एके–47 चल रही, राहुल–प्रियंका को पीट रही पुलिस

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक को लेकर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव मंगलवार को अलग ही अंदाज में संसद पहुंचे। उनके सिर पर पट्टी बंधी थी। हाथ टूटा था। हाथ में लाठी थी।

इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ये विरोध है पुलिसिया कार्रवाई का। आज पुलिस हमारे साथ यही सब तो कर रही है।

बिहार में पुलिस छात्रों पर एके-47 चला रही है। भ्रष्टाचारी धर्मेंद्र प्रधान को मिथिला का पाग पहनाया जा रहा है। बिहार में जुल्म की इंतहा हो गई है। राजस्थान में कल भी पेपर चोरी हुई है। बेटियों को लाठी से मार रहे हैं। राहुल गांधी जी को पीटा, प्रियंका जी को पीटा, अखिलेश जी को पीटा। कल इन लोगों ने चोर का सम्मान किया। मिथिला के सम्मान को ठाकुर ने गिराया है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से फायरिंग मामले में जांच की मांग की है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि निर्दोष छात्रों पर गोली चलाई गई और दोषी अधिकारियों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पहली बार किसी आंदोलन में एके-47 से गोली चलाई गई।

गोली हवा में नहीं चलाई गई, बल्कि निर्दोष युवाओं की छाती को छलनी किया गया। सरकार ने रिहाई का आदेश तो दे दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि गोली चलाने के लिए जिम्मेदार अधिकारी पर क्या कार्रवाई हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किसके आदेश पर एके-47 से फायरिंग की गई।

किसी सिपाही की इतनी हैसियत नहीं होती कि वह अपने स्तर पर एके-47 से गोली चला दे, इसलिए उसे बलि का बकरा नहीं बनाया जाना चाहिए।

सम्राट चौधरी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार बताए कि उसने इन 100 दिनों में क्या काम किया। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की पत्नी बिना किसी प्रोटोकॉल के निरीक्षण कर रही हैं। इतना बड़ा काफिला तो किसी राज्य की मुख्यमंत्री का भी नहीं होता, जितना सम्राट चौधरी की पत्नी के साथ देखा गया।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मौजूदा सरकार बिहार को पुलिसिया गुंडाराज बनाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि समझौता हो जाने के बाद भी बिहार में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि एडमिट कार्ड लेकर परीक्षा देने जा रहे छात्रों तक को गिरफ्तार किया गया और उन पर संगीन धाराएं लगाई गईं। अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है, जबकि छात्रों को गोली और मुकदमे मिल रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि अगर मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो हमारी पार्टी आंदोलन करेगी।

तेजस्वी ने कहा कि जब बीजेपी किसानों को ठग सकती है तो छात्रों और महिलाओं को भी ठग सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं से एक लाख रुपए देने का वादा किया गया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया।

छात्र संगठनों के बिहार बंद और विरोध-प्रदर्शन के दौरान सीवान में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी। प्रदर्शन के बीच एसपी पूरन झा के बॉडीगार्ड ने भीड़ की दिशा में एके-47 से फायरिंग की, जिसका वीडियो भी सामने आया।

वीडियो सामने आते ही पुलिस की कार्रवाई और बल प्रयोग पर सवाल उठने लगे। मामले के तूल पकड़ने के बाद पुलिस मुख्यालय ने पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की। प्रारंभिक जांच में वीडियो की पुष्टि होने के बाद संबंधित जवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

25 जुलाई को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर पथराव और लाठीचार्ज हुआ। आरोप है कि कुछ प्रदर्शनकारी गांधी मैदान में बने मंच पर चढ़ गए। वहां से पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले छोड़े। फिर लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा।

पुलिस कार्रवाई के बाद प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से निकलकर शहर के विभिन्न इलाकों में फैल गए। पथराव में एसपी पूरन झा के हाथ में चोट आई।

20 साल छोटे प्रेमी के लिए पति को छोड़ा

इंस्टाग्राम पर दोस्ती में बिहार से लखीमपुर आई, बोली– 3 बच्चे पति के, वही संभाले

लखीमपुर-खीरी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद 38 साल की महिला 18 साल के प्रेमी के लिए बिहार से लखीमपुर आ गई। गांव के लोगों ने महिला के पति को यह बात बताई, तो वह भी बच्चों को लेकर यहां आ गया। पहले 2 दिन गांव में और सोमवार को पूरे दिन पुलिस स्टेशन पर समझाने-बुझाने का दौर चला, लेकिन महिला पति के साथ जाने को राजी नहीं हुई।

आखिर में पति बच्चों को लेकर बिहार लौट गया। वहीं, युवक का कहना है कि महिला ने शादी और बच्चों के बारे में पहले नहीं बताया था। महिला ने बताया कि पति कुछ कमाता नहीं था।

विधायक निवास की 7वीं मंजिल से गिरकर पूर्व मंत्री की मौत

हत्या या आत्महत्या की मिस्ट्री में उलझी पुलिस

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया, जिसने प्रदेश के हर सियासी गलियारे में हलचल तेज कर दी है। दरअसल, लखनऊ के लालबाग स्थित नए विधायक निवास की 7वीं मंजिल से अचानक नीचे गिरने से पूर्व मंत्री नानकदीन भुर्जी की दर्दनाक मौत हो गई।

बता दें कि नानकदीन भुर्जी बीजेपी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ से जुड़े होने के साथ ही हिंदुस्तान पिछड़ा मोर्चा नाम के एक संगठन के अध्यक्ष भी थे। इस घटना की सूचना मिलते ही विधायक निवास के साथ-साथ पूरे इलाके में

हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल नानकदीन भुर्जी को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि, पुलिस अभी स्पष्ट रूप से ये नहीं बता पा रही है कि ये घटना कोई हादसा है या सोची समझी साजिश के तहत की गई हत्या है।

मिली जानकारी के अनुसार, विधायक निवास की सातवीं मंजिल से नीचे गिरने पर पूर्व मंत्री नानकदीन भुर्जी गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके दोनों पैर टूट गए थे।

बेऊर जेल में तेज प्रताप की 3 रातें

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार बंद हिंसा मामले में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे गए तेज प्रताप यादव बेऊर जेल में काफी परेशान हैं। उन्होंने एसी बैरक और घर के खाने की डिमांड की है, जिसे जेल प्रशासन ने नकार दिया है। वारंट में पहले से दर्ज कार्डियक बीमारी से जेल प्रशासन ने उन्हें सामान्य प्रक्रिया से अलग मेडिकल प्रोटोकॉल में रखा है। सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें तीन बार जेल अस्पताल ले जाया गया।

अखिलेश बोले– छात्रों को करंट लगाया, आंसू गैस छोड़े

अब जौहर यूनिवर्सिटी तोड़ने की तैयारी कर रहे, डिंपल–इकरा शेम–शेम बोलती रहीं

लखनऊ, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को लोकसभा में पेपर लीक संशोधन बिल पर कहा- सरकार वचन नहीं, जुमले देती है। जो लोग चढ़ावा नहीं बचा सके, वो पेपर लीक कैसे बचा पाएंगे? इन्होंने महापाप किया है। भगवान राम माफ नहीं करेंगे।

अखिलेश ने कहा-इमरजेंसी में क्या-क्या हुआ, वह अभी दिल्ली में भी देखने को मिला। आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इस बार करंट लगाया गया। यह इमरजेंसी जैसा ही हमला था। इमरजेंसी के बाद भी परिवर्तन हुआ था। हमें भरोसा है कि इस बार भी परिवर्तन होगा।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर अखिलेश ने कहा- इन्होंने (भाजपा) कोई सरकारी यूनिवर्सिटी नहीं बनाई। अगर कोई प्राइवेट यूनिवर्सिटी बन गई, तो उसे हथौड़ा लेकर तोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अखिलेश ने करीब 25 मिनट तक लोकसभा में अपनी बात कही। वह जब भी सरकार पर हमला करते, तब-तब डिंपल यादव-इकरा हसन समेत बाकी सपा सांसद शेम-शेम कहते नजर आए। संसद के बाहर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा- देश में माहौल बदल गया है। अब हिंदू-मुस्लिम नहीं चलेगा। जेन-जी को हिंदू-मुस्लिम के नाम पर आप समझा नहीं सकते। यह नई पीढ़ी है, इनोवेटिव लोग हैं।

बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक, 50 हजार की डीलिंग का होटल कनेक्शन

जहानाबाद का डॉक्टर गिरफ्तार

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने मार्च 2024 में आयोजित बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-3) के प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के सिलसिले में एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जहानाबाद का डॉक्टर पेपर लीक केस में गिरफ्तार

आरोपी की पहचान जहानाबाद जिले के रहने वाले डॉ मनीष कुमार के रूप में हुई है। ईओयू ने उन्हें रविवार को पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किया। टीआरई-3 मामले की जांच में अब तक ईओयू 296 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

ईओयू द्वारा जारी बयान के अनुसार, 'जांच में पता चला है कि डॉ. मनीष कुमार का संबंध डॉ. शिव से था, जो संजीव कुमार सिंह उर्फ संजीव मुखिया का पुत्र है। संजीव मुखिया नीट (यूजी)-2024 प्रश्नपत्र लीक मामले का कथित मास्टरमाइंड है, जिसकी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है। वह कई अन्य मामलों में भी वांछित है। डॉ. मनीष कुमार टीआरई-3 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करने तथा पैसा लेकर अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित कराने की साजिश में शामिल था।'

जांच में पता चला है कि डॉ. मनीष कुमार का संबंध डॉ. शिव से था, जो संजीव कुमार सिंह

उर्फ संजीव मुखिया का पुत्र है। संजीव मुखिया नीट (यूजी)-2024 प्रश्नपत्र लीक मामले का कथित मास्टरमाइंड है, जिसकी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है।

बयान के अनुसार, डॉ. मनीष कुमार को प्रत्येक अभ्यर्थी के बदले 50,000 रुपये देने का वादा किया गया था। आरोप है कि उन्होंने परीक्षा से दो-तीन दिन पहले, 15 मार्च 2024 को निर्धारित परीक्षा से पूर्व, करीब 30 अभ्यर्थियों को पटना से हजारीबाग के एक होटल में पहुंचाया, जहां उन्हें परीक्षा से पहले लीक प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया गया।

ईओयू ने बताया कि डॉ. मनीष कुमार ने वर्ष 2021 में पटना स्थित नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (एनएमसीएच) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी। उन्होंने कैमूर जिले में सरकारी चिकित्सक के रूप में भी सेवा दी थी, लेकिन बाद में सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। वर्तमान में वह स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रम में प्रवेश की तैयारी कर रहे हैं।

बीपीएससी ने 15 मार्च 2024 को प्राथमिक शिक्षक और मध्य विद्यालय शिक्षक पदों के लिए टीआरई-3 परीक्षा ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की थी।

नो जींस, नो टी शर्ट्स! बिहार सचिवालय में लागू हुआ नया ड्रेस कोड

लेट लतीफी पर डायरेक्ट एक्शन का प्रावधान

पटना, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने सचिवालय में तैनात कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल संबंधी व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत सभी विभागों में औपचारिक पोशाक, समय की पाबंदी और अवकाश प्रक्रियाओं का पालन करना अनिवार्य कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी की गई नई मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) में विभिन्न सेवा कैडरों के अधिकारियों के लिए विस्तृत जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं, साथ ही कार्यस्थल अनुशासन के सख्त मानक भी निर्धारित किए गए हैं।

ये निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बी. राजेंदर द्वारा एक पत्र के माध्यम से जारी किए गए थे। कैडर पुनर्गठन के बाद मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई। विभाग के अनुसार, हाल ही में

सचिवालय सेवा के कई कैडरों के पुनर्गठन और पुनर्नामकरण के बाद ये दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) में स्टेनोग्राफर, सचिवालय सहायक, वरिष्ठ सचिवालय सहायक, सहायक अनुभाग अधिकारी और अनुभाग अधिकारी तक के कर्मचारियों के कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और कार्य प्रक्रियाओं को परिभाषित किया गया है। सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को साफ, स्वच्छ और फॉर्मल ड्रेस पहनकर कार्यालय आना जरूरी होगी। उन्हें हमेशा ड्रेस कोड का ख्याल रखना होगा। कर्मचारी जिंस और टीशर्ट में कार्यालय नहीं आएंगे। डो ड्रेस कोड बनाया गया है, उसका उचित पालन करते हुए ड्रेस पहनेंगे।

कार्यालय में ड्यूटी के दौरान विभाग की ओर से जारी आई कार्ड यानी पहचान पत्र को गले में लटकाए रखेंगे, ये अनिवार्य है। सभी कर्मचारी समय से ऑफिस पहुंचेंगे। उसके अलावा उन्हें समय पर कार्यालय आना होगा। देरी होने पर एक्शन लिया जाएगा। बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से तैयार किए गए उपस्थिति रिकॉर्ड समय की पाबंदी और कार्यस्थल अनुशासन की निगरानी का आधार बनेंगे।

इस दस्तावेज़ में पद-विशिष्ट जिम्मेदारियों के अलावा, सरकारी विभागों और कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू होने वाले आचरण के सामान्य मानक भी निर्धारित किए गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक है सख्त ड्रेस कोड की शुरुआत।

सरकार ने निर्देश दिया है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छ, स्वच्छ और उचित औपचारिक पोशाक में कार्यालय आना होगा। जींस, टी-शर्ट या अन्य अनौपचारिक कपड़े पहनकर कार्यालय आना सख्त वर्जित है।

एक्सप्रेस से नकली विजिलेंस अधिकारी गिरफ्तार

अंबाला, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रेन नंबर 18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में विजिलेंस अधिकारी बनकर टीटीई को धमकाने और अवैध वसूली करने वाले एक शातिर ठग को आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने पकड़ा है। आरोपी की पहचान दिल्ली के वसंत विहार निवासी सुधीर कुमार (53) के रूप में हुई है। मंगलवार देर रात कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर सीआईबी/आरपीएफ यूनिट ने एसी कोच (ए-2) में दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से रेलवे विजिलेंस का फर्जी पहचान पत्र और एक मोटोरोला वॉकी-टॉकी बरामद हुआ। जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

आरोपी को रिमांड पर लेकर अन्य व्यक्तियों की धरपकड़ की जाएगी।

गेट नहीं खुला तो सीढ़ी के सहारे घर में दाखिल हुई ईडी

कोयला कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी

रांची, 28 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से कोयला कारोबारियों में हड़कंप मच गया। ईडी की टीम ने धनबाद में कोयला कारोबारी एलबी सिंह, अनिल गोयल और उनसे जुड़े कारोबारियों के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की।

कार्रवाई के दौरान एक कारोबारी के घर का दरवाजा नहीं खुलने पर ईडी की टीम सीढ़ी के सहारे अंदर दाखिल हुई। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम घर और अन्य ठिकानों पर वित्तीय लेन-देन, डिजिटल रिकॉर्ड, दस्तावेजों और कारोबारी गतिविधियों से जुड़े साक्ष्यों की जांच कर रही है। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध कोयला कारोबार और उससे जुड़े वित्तीय नेटवर्क की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी की नजर केवल प्रमुख कारोबारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके सहयोगियों और कारोबारी नेटवर्क से जुड़े कई अन्य लोगों तक भी पहुंच रही है।

जिन नामों की चर्चा सामने आई है, उनमें गणेश यादव, शेखर यादव, पप्पू मंडल, हरेंद्र चौहान और आलोक समेत अन्य कारोबारी शामिल बताए जा रहे हैं। एजेंसी इन लोगों के बीच कथित वित्तीय लेन-देन और कारोबारी संबंधों की कड़ियों को खंगाल रही है। एलबी सिंह, अनिल गोयल और उनके कारोबारी नेटवर्क से जुड़े ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई पहले भी हो चुकी है। इससे पहले झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला कारोबार से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

उस दौरान बीसीसीएल से जुड़े ठेकों, कथित अवैध कोयला परिवहन, हवाला नेटवर्क और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े पहलुओं की जांच की गई थी। बताया जाता है कि पूर्व में एलबी सिंह को पूछताछ के लिए ईडी की ओर से कई बार समन भी जारी किया गया था। मंगलवार को अचानक हुई ताजा कार्रवाई के बाद धनबाद के कोयला कारोबारियों और उनसे जुड़े लोगों के बीच हड़कंप की स्थिति है। ईडी की कार्रवाई के दौरान क्या-क्या दस्तावेज या डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, इसका खुलासा जांच पूरी होने के बाद होने की उम्मीद है।

जापान में कांपी धरती

7.1 तीव्रता से आए भूकंप के जोरदार झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी

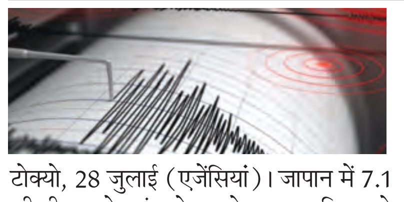

टोक्यो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जापान में 7.1 की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गये हैं जिसके बाद सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया है कि मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी जापान के कुमामोटो प्रांत में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। मौसम एजेंसी के अनुसार यह भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम करीब 4:27 बजे लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर आया है। प्रांत के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में जापान के भूकंप की तीव्रता मापने वाले पैमाने पर इसकी अधिकतम तीव्रता 7 दर्ज की गई है। दक्षिण-पश्चिमी जापान में एरियाके सागर और यात्सुशिरो सागर के लिए एक मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार इसका केंद्र कुमामोटो के तटीय शहर उकी के पास था। यह भूकंप जमीन से सिर्फ 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर था। उथला होने के कारण इसके झटके बेहद तेज महसूस किए गए हैं। फिलहाल नुकसान की जानकारी नहीं मिल पाई है भूकंप के तुरंत बाद जापानी प्रशासन ने तटीय इलाकों के लिए 1 मीटर ऊंची सुनामी लहरें उठने की चेतावनी जारी कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी जापान के कुमामोटो, नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाज़ाकी प्रांतों के लिए आपातकालीन अलर्ट जारी किए गए हैं। तटीय इलाकों और नदियों के पास रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। क्षेत्र के प्रमुख परमाणु बिजलीघरों जैसे सेंडाई और जेनकाई न्यूक्लियर पावर स्टेशन से फिलहाल किसी भी तरह की गड़बड़ी या खतरे की खबर नहीं है।

चार धाम यात्रा दो दिन के लिए रोकी गई

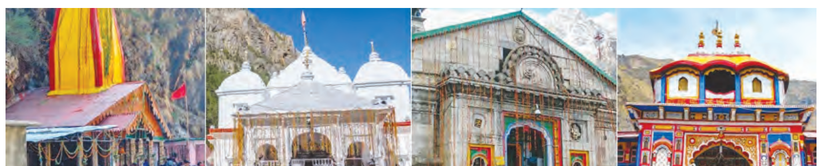

रुद्रप्रयाग/ मसूरी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को भूस्खलन से तीर्थयात्रा के रास्ते बंद होने और भारी बारिश की चेतावनी के कारण चार धाम यात्रा को दो दिन के लिए रोक दिया गया। गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए मंगलवार और बुधवार को चार धाम यात्रा रोक दी गई है। उन्होंने कहा कि भूस्खलन के कारण यात्रा के रास्तों के कई हिस्से बंद हो गए हैं, जबकि मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

मौसम ठीक होने और रास्तों को यात्रा के लिए सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद तीर्थयात्रा फिर से शुरू होगी। रात से लगातार हो रही बारिश ने पूरे उत्तराखंड में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है, जिससे यमुनोत्री तीर्थयात्रा मार्ग का एक अहम हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है और कई जिलों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन की चिंता बढ़ गई है।

मौसम की नई चेतावनी के बाद एहतियात के तौर पर बुधवार को पांच जिलों में स्कूल बंद रहेंगे। उत्तरकाशी जिले में जानकीचट्टी-यमुनोत्री पैदल मार्ग का एक हिस्सा मंगलवार को ढह गया, क्योंकि पास की नदी का जलस्तर बढ़ने से वह इलाका कमजोर हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि राम मंदिर के पास क्षतिग्रस्त हिस्से को तीर्थयात्रियों के लिए असुरक्षित घोषित कर दिया गया है।

झारखंड में 16 नक्सलियों का सरेंडर

रांची, 28 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। हेमंत सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत राज्य के अलग-अलग जिलों में ऐक्टिव 16 माओवादियों ने पुलिस और प्रशासन के सामने अपने हथियार डाल दिए। बीते दो महीनों के भीतर झारखंड पुलिस के लिए ये दूसरी सबसे बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। आत्मसमर्पण करने वालों में चाईबासा के 14 और लातेहार के 2 नक्सली शामिल हैं। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने उम्मीद जताई कि इन सभी को पुनर्वास नीति का पूरा लाभ मिलेगा।

इसके साथ ही अब चाईबासा में मात्र 6 और पूरे राज्य में केवल 20 सक्रिय नक्सली ही बचे हैं। जिसमें झारखंड का मिसिर बेसरा भी शामिल है। झारखंड पुलिस के आईजी (ऑपरेशंस) नटेंद्र कुमार सिंह ने कहा, '21 मई को 27 नक्सलियों ने सरेंडर किया। 13 जुलाई को रवींद्र गंझू को पकड़ा गया। 4 दिन बाद, अजय महतो उर्फ टाइगर को गिरफ्तार किया गया और उसकी पत्नी ने सरेंडर कर दिया। इसी सिलसिले में 'ऑपरेशन नवजीवन-2' शुरू किया गया, जिसके तहत 16 नक्सलियों ने हमारे सामने सरेंडर किया। छत्तीसगढ़ में भी 8 नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। इन 16 नक्सलियों में एक रीजनल कमेटी का सदस्य है जिस पर 15 लाख रुपए का इनाम है। बाकी में तीन जोनल कमेटी सदस्य, तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य और छह एरिया कमेटी सदस्य शामिल हैं।

जो कुछ बचे हैं, उनके खिलाफ ऑपरेशन जारी है। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे तुरंत सरेंडर कर दें, वरना ऑपरेशन के दौरान उन्हें खत्म कर दिया जाएगा।' उन्होंने मिसिर बेसरा नाम लेकर चेतावनी दी।

अनुच्छेद 370 की बहाली को लेकर 5 अगस्त को सड़कों पर उतरेगी पीडीपी, महबूबा मुफ्ती ने किया ऐलान

जम्मू, 28 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35ए की बहाली और कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान की मांग को लेकर 5 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पीडीपी प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को पार्टी के 27वें स्थापना दिवस के मौके पर श्रीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता अपने-अपने जिलों में शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करेंगे। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी अनुच्छेद 370, 35ए की बहाली और कश्मीर समस्या के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपनी आवाज उठाती रहेगी। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिए गए अपने बयान को लेकर भी खेद जताया। उन्होंने कहा कि अगर उनके बयान से किसी को ठेस पहुंची है तो वह माफी मांगती हैं। महबूबा मुफ्ती ने 23 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचकर परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन को समर्थन दिया था।

इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई का विरोध किया था। उनके बयान पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और अन्य नेताओं ने आलोचना की थी। विवाद के बाद पीडीपी ने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) महबूबा मुफ्ती के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है।

पीओके में प्रदर्शनकारियों पर बर्बरता

पाकिस्तानी सेना की फायरिंग में 19 की मौत, दर्जनों घायल

रावलकोट, 28 जुलाई (एजेंसियां)। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की। इस गोलीबारी में कम से कम 19 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। इसके अलावा लगभग दो दर्जन से अधिक लोग फायरिंग की इस घटना में घायल हो गए। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में जेएएसी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन का काफिला चिनार चौक तक पहुंच गया था और रावलकोट में मकबूल भट शहीद चौक पर रात के लिए रुकने से पहले डी-चौक की ओर बढ़ रहा था। वीडियो में कहा गया, आज, पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने हमारे निर्दोष युवाओं पर गोलीबारी की। नतीजतन, हमारे 19 युवा शहीद हो गए हैं। उनमें आंदोलन के संस्थापक उमर नजीर कश्मीरी के छोटे भाई उस्मान नज़ीर भी शामिल हैं। अन्य शहीदों में खैगाला, कोटली शहर, टट्टापानी, बंजा-बासपुर, छोटा गाला और हवेली का एक-एक साथी शामिल है। कुल मिलाकर 19 लोग शहीद हुए हैं, जिनमें हमारे दो बलूच दोस्त भी शामिल हैं। लगभग दो दर्जन अन्य लोग घायल हैं। उन्होंने विदेशों में रहने वाले कश्मीरियों से इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की अपील की और आरोप लगाया कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम आगे बढ़ रहे हैं। मैं विदेशों में रहने वाले कश्मीरियों से इन अत्याचारों के खिलाफ खड़े होने की अपील करता हूं। राज्य घबराहट की स्थिति में है और नरसंहार का सहारा ले रहा है। कृपया पाकिस्तानी दूतावासों और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) जैसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के सामने विरोध प्रदर्शन करें। लॉन्ग मार्च में शामिल लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए रैलियां आयोजित करें। बता दें कि भारत ने पीओके में हुए विरोध प्रदर्शनों को इस्लामाबाद द्वारा अपने ज़बरदस्ती कब्ज़े वाले इलाकों में दशकों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण और प्रशासनिक दमन का सीधा नतीजा बताया और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कथित बर्बरता की आलोचना की।

'इन्हें कौन पैदा कर रहा है और पाल-पोस रहा है?'

बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने सीजेपी के विरोध-प्रदर्शनों को 'उल्टी लाने वाला' बताया

मंडी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। एक्टर और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने नई दिल्ली में हाल ही में खत्म हुए 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेतृत्व वाले छात्र विरोध-प्रदर्शनों में शामिल लोगों पर तीखा हमला किया है। उन्होंने प्रदर्शनों के वायरल वीडियो को उल्टी लाने वाला बताया। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर गंदगी, कचरा और भद्दापन फैलाने का आरोप भी लगाया।

मंडी की सांसद ने कहा कि विरोध-प्रदर्शन की रील्स देखकर वह थक गई हैं और उन्हें 'डिजिटल डिटॉक्स' की ज़रूरत है। एक तीखी पोस्ट में, रनौत ने प्रदर्शनकारियों के बात करने के तरीके और व्यवहार का मज़ाक उड़ाते हुए लिखा, जिस तरह से वे बात करते हैं और जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी भी हर फ्रेम में इतनी अजीब और भद्दी चीज़ें एक साथ नहीं देखीं।

छी, इन्हें कौन पैदा कर रहा है और पाल-पोस रहा है? इसके बाद उन्होंने आंदोलन के खास कॉकरोच वाले रूपक पर निशाना साधा, जो इन विरोध-प्रदर्शनों की पहचान बन गया था। उन्होंने लिखा, आप खुद को कॉकरोच कहते हैं और उन्हीं की तरह दिखते/व्यवहार करते हैं; इसमें कोई विरोधाभास या अंतर नहीं है, बस आप दुनिया को अपनी गंदगी, कचरा और भद्दापन दिखा रहे हैं।

रनौत ने आगे कहा, इन रील्स ने मुझे परेशान कर दिया है। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े के बाद सीजेपी द्वारा अपना आंदोलन वापस लेने के कुछ ही दिनों बाद आई है।

एपीजे अब्दुल कलाम के घर जाकर अन्नामलाई ने दिया बड़ा संदेश, सोशल मीडिया पर बता दी मन की बात

रामेश्वरम, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'मिसाइलमैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई रामेश्वरम पहुंचे। उन्होंने इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति के परिवार से मुलाकात की। वहीं उन्होंने एपीजे अब्दुल कलाम इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इग्नाइट इंडिया 2026' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अन्नामलाई की इसकी जानकारी खुद अपने सोशल मीडिया पेज पर साझा की। बता दें कि अन्नामलाई ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी से अलग होने के बाद उन्होंने वी द लीडर्स नाम से एक नया संगठन बनाया था। पिछले दिनों उन्होंने अपनी पहली रैली की थी। इस रैली में ऐसा जनसैलाब उमड़ा था कि देखकर सियासी दल दंग रह गए। बीजेपी छोड़ने के बाद यह दूसरा मौका है जब अन्नामलाई किसी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे। यहां उन्होंने डॉ. कलाम के स्मारक पर उनके परिवार के सदस्यों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की और बाद में एपीजे अब्दुल कलाम इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'इग्नाइट इंडिया 2026' कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

अन्नामलाई ने इस यात्रा की जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करते हुए इसे अपने जीवन का सौभाग्य बताया। उन्होंने लिखा कि विश्व के महान वैज्ञानिक, भारत के पूर्व राष्ट्रपति और करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्रोत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के स्मारक पर उनके परिवार के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर मिलना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने डॉ. कलाम के प्रसिद्ध संदेश 'सपने देखिए; वे सपने विचारों में बदलें और विचार कर्म में बदलें का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विचार आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है। अन्नामलाई ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक प्रगति, आत्मनिर्भरता और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए डॉ. कलाम ने जो नींव रखी थी, वह आज भी नई पीढ़ी का मार्गदर्शन कर रही है।

24 घंटे में हटाएं अवैध राजनीतिक, धार्मिक होर्डिंग और बैनर, इंदौर हाई कोर्ट का आदेश भोपाल में भी होगा लागू

इंदौर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। शहरों में अवैध होर्डिंग और बैनर लगाने वालों पर हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने निर्देश दिए हैं कि शिकायत मिलने पर नगर निगम और संबंधित प्राधिकारी 24 घंटे के भीतर अवैध होर्डिंग हटाने की कार्रवाई करें। साथ ही जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। न्यायमूर्ति संदीप एन। भट्ट की एकलपीठ ने राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों को जबलपुर खंडपीठ के वर्ष 2022 के आदेश और 1 नवंबर 2019 के शासन परिपत्र का पालन करने के निर्देश दिए हैं। याचिका में आरोप लगाया गया था कि वैध होर्डिंग पर अवैध विज्ञापन लगाए जा रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है।

इंदौर खंडपीठ के आदेश का असर भोपाल में भी होगा। नगर निगम के होर्डिंग प्रभारी परितोष रंजन परसाई ने कहा कि आदेश के आधार पर शहर में अवैध राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक बैनर हटाए जाएंगे। इसके लिए टीम बनाकर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, इंदौर में एसएस एडवर्टाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर एवं अन्य ने याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि नगर निगम को निर्धारित शुल्क और भारी राजस्व का भुगतान कर विधिवत अनुमति प्राप्त यूनिपोल, लॉलीपॉप और अन्य आउटडोर विज्ञापन स्ट्रक्चर संचालित किए जाते हैं।

'मेलानिया ट्रंप को कैसे मारें'

अमेरिका की प्रथम महिला के खिलाफ ईरान ने जारी किया वीडियो; क्यों मचा बवाल?

वाशिंगटन डीसी, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और उनके बेटे बैरन ट्रंप को निशाना बनाते हुए ईरान से अमेरिका विरोधी प्रचार का एक नया वीडियो सामने आया है। नए वीडियो में इस्लामी शासन के समर्थकों को राष्ट्रपति ट्रंप की पत्नी की हत्या के लिए उकसाया जा रहा है।

यह वीडियो 'मेलानिया ट्रंप को कैसे मारें' नाम से जारी किया गया है। वीडियो में प्रथम महिला की तस्वीरें दिखाई गई हैं। इसमें उनके काफिले और न्यूयॉर्क शहर की कुछ जगहों की तस्वीरें भी शामिल हैं। वीडियो में उन डिजाइनर दुकानों के नाम भी बताए गए हैं, जहां वह खरीदारी करती हैं। वीडियो में दावा किया गया है कि मेलानिया की खरीदारी से जुड़ी ये गतिविधियां दुनियाभर के 'स्वतंत्रता सेनानियों' के अभियानों के लिए उपयुक्त हो सकती है। वीडियो में कपड़ों को जहरीले रासायनिक पदार्थ से संक्रमित करने की बात कही गई है, जो शरीर की तंत्रिका प्रणाली को नुकसान पहुंचा सकता है। ईस्ट विंग और सीक्रेट सर्विस ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। वीडियो के अंत में 20 वर्षीय बैरन ट्रंप को भी धमकी दी गई है। वीडियो में कहा गया, यह तो बस शुरुआत है। बैरन ट्रंप, हमारा इंतजार करो। प्रथम महिला और बैरन दोनों की सुरक्षा के लिए हर समय सीक्रेट सर्विस के जवान तैनात रहते हैं।

ट्रंप के सभी निवास स्थानों (व्हाइट हाउस, न्यूयॉर्क स्थित ट्रंप टावर, बेडमिंस्टर गोल्फ क्लब और फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो एस्टेट) की कड़ी सुरक्षा है। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार को लगातार निशाना बनाया जाता रहा है। पिछले हफ्ते तेहरान में कई जगहों पर ऐसे होर्डिंग लगाए गए, जिनमें राष्ट्रपति ट्रंप और उनके परिवार के सदस्यों को मारने की बात कही गई थी। इसमें मेलानिया और उनके सभी बच्चों डॉन जूनियर, इवांका, एरिक, टिफनी और बैरन के नाम शामिल थे। इन होर्डिंग पर लिखा था- खून के बदले खून। मेलानिया ट्रंप ने इस महीने ज्यादा सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लिया है। आयोजित व्हाइट हाउस प्रेस कॉन्फ्रेंस के रात्रिभोज में शामिल नहीं हुई थीं।

बाढ़ प्रभावित असम और नागालैंड में वायुसेना ने 458 लोगों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना द्वारा असम और नागालैंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान लगातार जारी है। खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद वायुसेना राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटी हुई है। मंगलवार को भारतीय वायुसेना ने बताया कि पिछले 10 दिनों के दौरान उसके हेलीकॉप्टरों ने बाढ़ में फंसे 458 लोगों को सुरक्षित बचाकर निकाला है। वायुसेना जहां एक ओर बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बचाने में कामयाब रही है, वहीं इस आपदा में लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचा रही है। वायु सेना के मुताबिक, अभी तक प्रभावित क्षेत्रों में हवाई मार्ग से 9 टन से अधिक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई गई है। वायुसेना के अधिकारी व जवान, राहत अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर से लगातार दुर्गम और जलमग्न क्षेत्रों में उड़ान भर रहे हैं। ये वे प्रभावित क्षेत्र हैं जहां सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो चुका है। इन अभियानों के जरिए फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ-साथ खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। भारतीय वायुसेना का यह अभियान भारतीय सेना और स्थानीय नागरिक प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय में चलाया जा रहा है। सभी एजेंसियां मिलकर बाढ़ प्रभावित लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंचाने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही हैं।

नीरव मोदी को अब तक भारत की जेल में होना चाहिए था

अपने ही देश के सिस्टम पर भड़कीं यूके की पूर्व गृह मंत्री, उठाए ये सवाल

लंदन, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण में हो रही देरी को लेकर ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री प्रीति पटेल ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने अपनी ही सरकार और कानूनी प्रक्रिया पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस मामले में देरी होने की वजह से भारत और ब्रिटेन के के रिश्तों पर भी नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि इतनी लंबी देरी से भारत के साथ भरोसा कम हुआ है। 'प्रीति पटेल ने कहा कि उन्हें यह देखकर हैरानी और निराशा होती है कि प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर किए जाने के सालों बाद भी नीरव मोदी अब तक ब्रिटेन में मौजूद है।

प्रीति पटेल ने अप्रैल 2021 में भगोड़े हीरा व्यापारी के प्रत्यर्पण नीरव मोदी के प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले ब्रिटेन की अदालतों ने माना था कि भारत में उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं। अप्रैल ने कहा कि उन्हें इस बात से बहुत हैरानी और दुख है कि मोदी अभी भी यूके में ही है। उन्होंने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक में कथित तौर पर 2 अरब डॉलर की धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में वांटेड कारोबारी को प्रत्यर्पित न कर पाने के कारण भारत सरकार बेहद नाराज़ थी। उन्होंने कहा कि अगर हमारा सिस्टम प्रक्रियाओं और बहानेबाज़ी में उलझे रहने की बजाय समझदारी से काम करता और सही कदम उठाता तो मोदी इस देश में नहीं होता और वो अब तक भारत भेजा जा चुका होता।

उन्होंने आगे कहा कि इस देरी की वजह से भारत को हमारे साथ काम करने को लेकर काफी निराशा हुई है। प्रीति पटेल ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नीरव मोदी को अब तक भारत में अपनी सज़ा काटनी शुरू कर देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा 'उसे भारत की जेल में अपनी सज़ा काटनी चाहिए थी, और यह सब कानूनी प्रक्रिया के तहत होना चाहिए था, यही तो यूके के प्रत्यर्पण कानूनों और संधियों का मकसद है'। उन्होंने इस लंबी देरी को ब्रिटेन के सिस्टम का खुला दुरुपयोग और ब्रिटिश टैक्सपेयर्स का अपमान बताया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 29 जुलाई - 2026

शरारत नहीं, सामाजिक अपराध

डिजिटल युग में लोकप्रियता की सनक ने समाज के नैतिक मूल्यों और संवेदनशीलताओं के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। लाइक, व्यूज़ और फॉलोअर्स बढ़ाने की होड़ में कुछ लोग ऐसी हरकतें कर रहे हैं, जो केवल व्यक्तिगत गरिमा को ही नहीं, बल्कि सामाजिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा को भी नष्ट कर रहे हैं। मनोरंजन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर यदि सामाजिक मर्यादाओं का उल्लंघन होने लगे, तो यह केवल एक व्यक्ति की शरारत नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय बन जाता है। हाल ही में एक युवती द्वारा सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के उद्देश्य से एक युवक को सार्वजनिक रूप से वरमाला पहनाने और विवाह जैसा वीडियो बनाकर प्रसारित करने का मामला इसी गंभीर प्रवृत्ति का उदाहरण है। यह घटना केवल एक वायरल वीडियो नहीं, बल्कि विवाह जैसी पवित्र सामाजिक परंपरा के प्रति असंवेदनशीलता को भी उजागर करती है। भारतीय समाज में विवाह दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और सामाजिक मूल्यों का सम्मानजनक बंधन माना जाता है। इसे मनोरंजन या लोकप्रियता पाने का माध्यम बना देना सामाजिक जिम्मेदारी से विमुख होने का संकेत है। माना कि प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। यदि किसी की गरिमा, भावनाओं, सामाजिक प्रतिष्ठा अथवा सांस्कृतिक परंपराओं को आघात पहुंचता है, तो कानून का हस्तक्षेप आवश्यक हो जाता है। डिजिटल मंच पर किया गया कोई भी कार्य वास्तविक जीवन से अलग नहीं माना जा सकता। ऑनलाइन गतिविधियों के भी सामाजिक और कानूनी परिणाम होते हैं। कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि समाज में अनुशासन और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की भावना विकसित करना भी है। यह समस्या केवल पुलिस कार्रवाई से समाप्त नहीं होगी। परिवार, विद्यालय और समाज को युवाओं में डिजिटल नैतिकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करनी होगी। उन्हें यह समझाना होगा कि वास्तविक लोकप्रियता प्रतिभा, ज्ञान, रचनात्मकता और सकारात्मक योगदान से मिलती है, न कि किसी की भावनाओं या सामाजिक परंपराओं का उपहास उड़ाकर। सोशल मीडिया अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, लेकिन उसका उपयोग समाज को जोड़ने और प्रेरित करने के लिए होना चाहिए, न कि भ्रम, विवाद और असंवेदनशीलता फैलाने के लिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्हें ऐसे कंटेंट पर प्रभावी निगरानी रखनी चाहिए जो समाज में भ्रम, अशांति या सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अनादर को बढ़ावा देता हो। सरकार को भी डिजिटल साक्षरता अभियान चलाकर नागरिकों, विशेषकर युवाओं, को ऑनलाइन आचरण के कानूनी और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना चाहिए। साथ ही, ऐसे मामलों में निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई यह संदेश देगी कि डिजिटल दुनिया कानून और सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर नहीं है। समाज की मर्यादाएं किसी भी सभ्यता की पहचान होती हैं। यदि वायरल होने की चाह में हर सीमा लांघी जाने लगे, तो सामाजिक विश्वास, पारिवारिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को गहरी क्षति पहुंचेगी। इसलिए विवाह जैसी पवित्र संस्था अथवा किसी भी सामाजिक व्यवस्था का उपहास करने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। यह दंड केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज को यह संदेश देने के लिए आवश्यक है कि लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सामाजिक जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और मर्यादा सदैव सर्वोपरि रहेंगी। यदि समय रहते ऐसी प्रवृत्तियों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया, तो सोशल मीडिया मनोरंजन का माध्यम कम और सामाजिक अव्यवस्था का कारण अधिक बन जाएगा।

सऊदी शाही प्रिंस की मौत का रहस्य सुलझा

स्नेहा सिंह

लंदन। सऊदी अरब के शाही परिवार के 29 वर्षीय प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद अब्दुल्ला अल सऊदी की रहस्यमय मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। ब्रिटेन की इनर वेस्ट कोरोनर कोर्ट में पेश पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार प्रिंस की मौत शराब, पार्टी ड्रग्स और डाक्टर द्वारा निर्धारित एंटी-एंजाइटी दवाओं के घातक मिश्रण (कॉकटेल ऑफ ड्रग्स) के सेवन से हुई थी।

प्रिंस का शव 25 नवंबर, 2025 को लंदन के केंसिंग्टन स्थित प्रतिष्ठित मैरियट होटल के पांचवें तल पर कमरा संख्या 505 के बाथरूम में मिला था। घटना के बाद हत्या और आत्महत्या जैसी कई आशंकाएं व्यक्त की गई थीं, लेकिन जांच में शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले थे। जांच के अनुसार, घटना से एक रात पहले प्रिंस होटल के स्मोकिंग जोन में सिगरेट पीने गए थे। इसके बाद वे अपने कमरे में लौट आए और फिर उनकी कोई गतिविधि दर्ज नहीं हुई। अगले दिन सुबह होटल स्टाफ ने कमरा खोलकर देखा तो उनका शव बाथरूम के फर्श पर पड़ा मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्या सामने आया पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार प्रिंस के रक्त में 222 मिलीग्राम अल्कोहल पाया गया, जो ब्रिटेन में वाहन चलाने की कानूनी सीमा 80 मिलीग्राम से लगभग तीन गुना अधिक था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि उनके शरीर में जीएचबी (गामा हाइड्रॉक्सीब्यूटिरेट) नामक पार्टी ड्रग मिला, जिसका उपयोग अक्सर हाईप्रोफाइल रेव पार्टियों में किया जाता है। रक्त के नमूनों में गांजे के तत्व भी पाए गए। इसके अलावा उन्होंने उच्च क्षमता वाली एंटी-एंजाइटी दवाओं का भी सेवन किया था। इन सभी पदार्थों के संयुक्त प्रभाव से उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। क्या प्रिंस अकेले थे?जांच के दौरान यह सवाल भी उठा कि प्रिंस ने पार्टी किसके साथ की थी। लंदन पुलिस का कहना है कि घटना के समय वह कमरे में अकेले थे और उन्होंने स्वयं ही ड्रग्स की व्यवस्था की थी। पुलिस के अनुसार किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता के प्रमाण नहीं मिले हैं। हालांकि, यह प्रश्न अब भी अनुत्तरित है कि क्या प्रिंस ने जानबूझकर अधिक मात्रा में ड्रग्स का सेवन किया था। बताया जाता है कि वह वर्षों से नशे के आदी थे और इसी लत से छुटकारा पाने के लिए लंदन के पुनर्वास (रिहैब) केंद्र में उपचार करा रहे थे। रिहैब से छुट्टी के बाद होटल पहुंचे थे पूरे मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि प्रिंस लंदन नशामुक्ति उपचार के लिए आए थे। उन्होंने शराब और ड्रग्स की लत छोड़ने के उद्देश्य से लंदन के प्रतिष्ठित प्रायरी क्लिनिक और रेनफोर्ड हॉल क्लिनिक में डिटॉक्सिफिकेशन और काउंसिलिंग कराई थी। रिहैब सेंटर से छुट्टी मिलने के बाद वे एक सप्ताह की छुट्टियां बिताने के लिए मैरियट होटल पहुंचे थे। जिस कमरे में वे ठहरे थे, उसका प्रतिदिन का किराया लगभग 56,000 रुपए बताया गया है। रिहैब सेंटर का दावा है कि प्रिंस के साथ उनके एक मित्र को भी छुट्टी दी गई थी, जबकि पुलिस का कहना है कि घटना के समय वह कमरे में अकेले थे और उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई। कौन थे प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद?

प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद सऊदी अरब के शासक हाउस ऑफ सऊद के सदस्य थे और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के दूर के रिश्तेदार बताए जाते हैं। वे लंदन और सऊदी अरब में रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हुए थे। प्राथमिक शिक्षा रियाद में प्राप्त करने के बाद वे उच्च शिक्षा के लिए लंदन आए, जहां क्लब संस्कृति, नाइट लाइफ, शराब और ड्रग्स की लत में पड़ गए। उन्होंने कई बार नशा छोड़ने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। अंततः यही लत उनकी मौत का कारण बन गई।

उत्तर प्रदेश में नए सियासी समीकरण की आहट

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति ने एक बार फिर करवट लेनी शुरू कर दी है। राजनीतिक गलियारों में इस समय सबसे बड़ी चर्चा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के बीच संभावित नजदीकियों को लेकर है। हैदराबाद से चलकर हिंदी पट्टी, विशेषकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश, में अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे ओवैसी ने जिस तरह से अखिलेश यादव को गठबंधन का खुला प्रस्ताव दिया है, उसने राज्य के पुराने चुनावी गणित को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है। मुरादाबाद की रैली में ओवैसी का यह कहना कि भाजपा को रोकने के लिए हम समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाने को तैयार हैं, बशर्ते हमें हमारा वाजिब हक मिले, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है। यह उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं के भीतर सुलग रही राजनीतिक आकांक्षाओं और असुरक्षा की भावना को एक नया मंच देने का प्रयास है। इस पूरे घटनाक्रम ने जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी को ध्रुवीकरण की राजनीति को नए सिरे से धार देने का मौका दे दिया है, वहीं दूसरी तरफ 'इंडिया' गठबंधन के भीतर एक बड़ा रणनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। इस संकट के केंद्र में सबसे अधिक कोई पार्टी प्रभावित दिख रही है, तो वह कांग्रेस है। पिछले कुछ चुनावों से उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस के लिए सपा और ओवैसी के बीच बढ़ती यह नजदीकी एक गहरी असमंजस की स्थिति लेकर आई है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अखिलेश यादव ओवैसी का हाथ थामेंगे? और यदि ऐसा होता है, या केवल इसकी सुगबुगाहट भी बनी रहती है, तो कांग्रेस इस नए चक्रव्यूह से निपटने के लिए क्या रणनीति अपनाएगी?असदुद्दीन ओवैसी की राजनीति को समझने वाले जानते हैं कि वे बिना सोचे-समझे कोई बिसात नहीं बिछाते। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 19 से 20 प्रतिशत है, जो दर्जनों लोकसभा और विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाती है। पारंपरिक रूप से यह मतदाता वर्ग समाजवादी पार्टी और कुछ हद तक बहुजन समाज पार्टी या कांग्रेस की तरफ झुकता रहा है। ओवैसी ने मुरादाबाद की धरती से जो संदेश दिया, वह बहुत साफ था-मुस्लिम समुदाय अब केवल दरी बिछाने और दूसरों को सत्ता तक पहुंचाने का जरिया नहीं बनेगा, उसे सत्ता में आनुपातिक हिस्सेदारी चाहिए। ओवैसी का यह रुख अखिलेश यादव के लिए एक बड़ी राजनीतिक दुविधा पैदा करता है:यदि अखिलेश ओवैसी को पूरी तरह खारिज करते हैं, तो ओवैसी उन पर 'मुस्लिम विरोधी' या 'मुसलमानों के वोटों का फायदा उठाने वाले नेता' का ठप्पा लगाकर अल्पसंख्यक मतों में सेंधमारी कर सकते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश के पिछले कुछ चुनावों में ओवैसी की पार्टी ने भले ही खुद ज्यादा सीटें न जीती हों, लेकिन उसने धर्मनिरपेक्ष दलों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है।और यदि अखिलेश यादव ओवैसी से हाथ मिला लेते हैं, तो भाजपा को ₹मुस्लिम तुष्टीकरण और कट्टरपंथ के तुष्टीकरण का नैरेटिव बनाने का सीधा मौका मिल जाएगा। इससे सपा की 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति का गैर-मुस्लिम हिस्सा, विशेषकर पिछड़ी और अगड़ी जातियों का वह वर्ग जो भाजपा से नाराज होकर सपा की तरफ आ सकता है, तुरंत छिटककर वापस भाजपा के पाले में चला जाएगा।अखिलेश यादव इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि ओवैसी के साथ मंच साझा करने की एक भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है, जिसे उनका पारंपरिक गैर-मुस्लिम वोट बैंक शायद स्वीकार न करे।

इस पूरी सियासी बिसात में कांग्रेस पार्टी सबसे नाजुक मोड़ पर खड़ी है। कांग्रेस के सामने यह संकट केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता पर भी पड़ना तय है। कांग्रेस के रणनीतिकारों के सामने इस समय तीन बड़ी चुनौतियां हैं: पहली कांग्रेस खुद को देश की सबसे बड़ी और स्वाभाविक धर्मनिरपेक्ष पार्टी मानती है। उत्तर प्रदेश में वह सपा के साथ गठबंधन में रहकर खुद को अल्पसंख्यकों के रक्षक के रूप में पेश करती रही है। लेकिन अगर ओवैसी इस त्रिकोण में प्रवेश करते हैं, तो वे कांग्रेस के इस नैरेटिव को सीधे चुनौती देंगे। ओवैसी लगातार कांग्रेस पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि उसने दशकों तक मुसलमानों का केवल इस्तेमाल किया और उन्हें नेतृत्व नहीं दिया। कांग्रेस के लिए ओवैसी के इस तीखे वैचारिक हमले का जवाब देना आसान नहीं होगा, क्योंकि ओवैसी सीधे जमीनी मुद्दों और आंकड़ों के साथ बात करते हैं। दूसरी कांग्रेस उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की छोटे भाई वाली भूमिका से बाहर निकलकर अपनी सीटों की संख्या और राजनीतिक प्रभाव बढ़ाना चाहती है। यदि सपा और ओवैसी के बीच कोई परोक्ष या अपरोक्ष समझौता होता है, तो गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे का गणित पूरी तरह बिगड़ जाएगा। ओवैसी निश्चित रूप से उन सीटों पर दावा ठोकेंगे जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है-जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रुहेलखंड का इलाका। इत्तेफाक से, कांग्रेस भी इन्हीं क्षेत्रों में अपने पुराने आधार को पुनर्जीवित करने की उम्मीद लगाए बैठी है। ऐसे में ओवैसी का आना कांग्रेस के हिस्से की सीटों में कटौती कर सकता है। तीसरी कांग्रेस की राष्ट्रीय रणनीति इस समय सॉफ्ट-हिंदुत्व, जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय के इर्द-गिर्द घूम रही है। वह बहुसंख्यक समाज के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ना चाहती है। लेकिन अगर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में ओवैसी और सपा की दोस्ती की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, तो भाजपा पूरे चुनाव को 'राष्ट्रवाद बनाम तुष्टीकरण' के ध्रुवों पर केंद्रित कर देगी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दे पृष्ठभूमि में चले जाएंगे, जिससे कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। ऐसी हालात में कांग्रेस समाजवादी पार्टी नेतृत्व को यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश करेगी कि 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता के लिए ओवैसी जैसे तत्वों से दूरी बनाए रखना जरूरी है। कांग्रेस का तर्क होगा कि ओवैसी के साथ किसी भी तरह का गठबंधन पूरे देश में गठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। वह अखिलेश यादव को यह याद दिलाएगी कि अगर वे उत्तर प्रदेश के बाहर (जैसे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र या बिहार में) एक गंभीर खिलाड़ी बनना चाहते हैं, तो उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष और सर्वसमावेशी ढांचे के साथ चलना होगा, न कि किसी क्षेत्रीय या समुदाय-विशेष की राजनीति करने वाले दल के साथ। केवल ओवैसी की आलोचना करने से कांग्रेस का काम नहीं चलेगा। उसे मुस्लिम समाज के भीतर ओवैसी के प्रति बढ़ते आकर्षण को रोकना होगा। इसके लिए कांग्रेस उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध वर्ग, धर्मगुरुओं और युवाओं के बीच सीधे जाकर यह संदेश देने की योजना बना रही है कि देश के स्तर पर भाजपा का मुकाबला केवल कांग्रेस ही कर सकती है, कोई क्षेत्रीय दल नहीं। कांग्रेस अल्पसंख्यक कल्याण, शिक्षा और सुरक्षा के मुद्दों पर अपने ट्रैक रिकॉर्ड को सामने रखेगी और यह साबित करने की कोशिश करेगी कि भावुक बयानों के बजाय व्यावहारिक राजनीति ही उनका भला कर सकती है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि पर्दे के पीछे भाजपा इस पूरी हलचल पर पैनी नजर रखे हुए है। भाजपा के लिए ओवैसी और अखिलेश की दोस्ती की 'आहट' भी एक बड़े सियासी वरदान जैसी है।

स्तूप ने साबित कर दिया -असली शक्ति शस्त्रों में नहीं, संस्कृति में है

आरके जैन

इतिहास की सबसे बड़ी शक्ति यह नहीं कि वह अतीत में दर्ज है, बल्कि यह कि वह हर युग में वर्तमान को दिशा देता है। 25 जुलाई 2026 को यूनेस्को द्वारा सारनाथ को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाना केवल एक पुरातात्विक स्थल का सम्मान नहीं, बल्कि उस भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा का विस्तार है जिसने कभी अपने विचारों से दुनिया को मार्ग दिखाया था। युद्ध, क्षेत्रीय संघर्ष, जलवायु संकट और बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच सारनाथ का यह सम्मान एक वैकल्पिक संदेश है। यह सिद्ध करता है कि किसी सभ्यता की वास्तविक शक्ति उसके शस्त्रों में नहीं, बल्कि उन मूल्यों में होती है जो पीढ़ियों तक मानवता का पथ प्रकाशित करते हैं। भारत ने इस उपलब्धि के साथ अपने अतीत को इतिहास की धरोहर भर नहीं रहने दिया, बल्कि उसे आधुनिक विश्व-राजनीति की प्रभावशाली भाषा बना दिया। इसके साथ भारत के विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 45 हो गई है, जो उसकी सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का सशक्त प्रमाण है।

सारनाथ वह पावन भूमि है जहाँ बुद्ध ने प्रथम उपदेश देकर करुणा, मध्यम मार्ग और अहिंसा का ऐसा संदेश दिया, जिसने पूरे एशिया की सांस्कृतिक चेतना को नई दिशा दी। आज इसका महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि आधुनिक भारत की सशक्त सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुका है। जब अनेक देश सैन्य गठबंधनों, आर्थिक प्रतिबंधों और रणनीतिक दबावों से अपना प्रभाव बढ़ाने में लगे हैं, तब भारत संवाद, सह-अस्तित्व और सांस्कृतिक विरासत को अपनी कूटनीति का आधार बना रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता विश्व मंच पर भारत की उस विशिष्ट पहचान को और मजबूत करती है, जो केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति से नहीं, बल्कि शांति, ज्ञान और सभ्यताओं को जोड़ने की अपनी ऐतिहासिक क्षमता से नेतृत्व करने का विश्वास रखती है। यही आधुनिक भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी विशेषता है। सारनाथ की असली शक्ति उसके अतीत में नहीं, बल्कि भविष्य को दिशा देने की उसकी क्षमता में है। मानसिक तनाव, अकेलेपन और असंतुलित जीवनशैली से जूझती दुनिया में करोड़ों युवा माइंडफुलनेस और मेडिटेशन के माध्यम से शांति खोज रहे हैं। ऐसे समय में सारनाथ केवल स्मारकों का परिसर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का वैश्विक केंद्र बन सकता है। यहाँ विश्वस्तरीय माइंडफुलनेस सेंटर, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं बौद्ध अध्ययन संस्थान, वर्चुअल रियलिटी आधारित ध्यान अनुभव और डिजिटल सांस्कृतिक संग्रहालय विकसित किए जा सकते हैं। प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक का यह संगम भारत को केवल पर्यटन का नहीं, बल्कि वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय संतुलन का केंद्र बना सकता है। तब सारनाथ इतिहास की धरोहर भर नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन जाएगा।

इस उपलब्धि का समय भी बेहद अर्थपूर्ण है। जब पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनाव युद्ध की आशंकाएँ बढ़ा रहे हैं, मिसाइलें संवाद की जगह ले रही हैं और मानसून की बाढ़ मानव सभ्यता की नाजुकता उजागर कर रही है, तब सारनाथ दुनिया को एक अलग रास्ता दिखाता है। वह याद दिलाता है कि विनाश की दौड़ कभी स्थायी शांति नहीं दे सकती। बुद्ध का मध्यम मार्ग आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना ढाई हजार वर्ष पहले था। भारत इस धरोहर के माध्यम से केवल संदेश नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक कूटनीतिक दृष्टि प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ संघर्ष की जगह संतुलन, टकराव की जगह संवाद और प्रभुत्व की जगह साझेदारी को महत्व मिलता है। यही सभ्यतागत कूटनीति भारत को पारंपरिक महाशक्तियों से अलग और विशिष्ट पहचान देती है।

सारनाथ का महत्व केवल वैचारिक नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी दूरगामी है। विश्व धरोहर का दर्जा आध्यात्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था और वेलनेस आधारित विकास के नए द्वार खोलेगा। इससे स्थानीय कारीगरों, पर्यटन मार्गदर्शकों, होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाओं और युवा उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। यह केवल रोजगार नहीं बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय परंपराओं और शिल्प को भी नया जीवन देगा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि विकास प्रकृति और संस्कृति के संतुलन के साथ आगे बढ़ेगा। सारनाथ बताता है कि सतत विकास केवल आधारभूत ढाँचे का विस्तार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत और मानवीय मूल्यों के संरक्षण के साथ आर्थिक प्रगति का संतुलित मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में देश के अन्य ऐतिहासिक स्थलों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है।

सारनाथ का संदेश किसी एक राष्ट्र या धर्म तक सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिक चुनौतियाँ, सामाजिक ध्रुवीकरण और वैश्विक अविश्वास के दौर में बुद्ध का अनित्य, संतुलन और करुणा का दर्शन पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यूनेस्को की मान्यता इस सत्य को वैश्विक स्वीकृति देती है कि प्राचीन सभ्यताएँ समय के साथ पुरानी नहीं पड़तीं, बल्कि नए युग को नए समाधान देती हैं। सारनाथ अब केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत है।

इसलिए उसका संरक्षण केवल स्मारकों की सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक मूल्यों के संरक्षण का भी दायित्व है।

सारनाथ की यह उपलब्धि भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है-ऐसा आत्मविश्वास, जो अपनी जड़ों से शक्ति लेकर भविष्य की दिशा तय करता है। यह सम्मान किसी स्मारक या स्तूप का नहीं, बल्कि उस विचार का है जिसने हिंसा के बीच करुणा, विभाजन के दौर में संवाद और निराशा के समय आशा का मार्ग दिखाया। आज भारत विश्व मंच पर केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति से नहीं, बल्कि अपनी सभ्यतागत चेतना और नैतिक दृष्टि के कारण भी सुना जा रहा है। यूनेस्को में सारनाथ का स्थान इसी नई वैश्विक भूमिका की औपचारिक स्वीकृति है। यह उपलब्धि स्पष्ट करती है कि इक्कीसवीं सदी का नेतृत्व केवल शक्ति से नहीं, बल्कि विचार, संस्कृति और विश्वास से तय होगा।

प्राचीन भारत की यह धरोहर आधुनिक भारत की कूटनीति को नई ऊँचाई देती है और सिद्ध करती है कि भविष्य उसी का होगा, जो इतिहास को बोझ नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य का आधार बना सके।

तकनीक के युग में भी सबसे बड़ी शक्ति है गुरु

योगेश कुमार गोयल

मानव सभ्यता के इतिहास में यदि किसी एक शक्ति ने मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, भ्रम से सत्य और सीमित चेतना से आत्मबोध तक पहुंचाने का सबसे बड़ा कार्य किया है तो वह है गुरु। गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं बल्कि वह चेतना है, जो मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को जागृत करती है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में गुरु को केवल सम्मान ही नहीं, ईश्वर से भी उच्च स्थान प्रदान किया गया है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा इसी दिव्य गुरु-परंपरा के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और आत्मसमर्पण का महापर्व है। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को मनाई जा रही है। भारतीय पंचांग के अनुसार आषाढ़ वर्ष का चौथा मास है और इसकी पूर्णिमा का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक महत्व है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार इसी काल से वर्षा ऋतु का आरंभ माना जाता है। प्रकृति जहां तपती धरती को शीतलता प्रदान करती है, वहीं गुरु का ज्ञान मानव जीवन की तपती हुई चेतना को शांति और प्रकाश से भर देता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य, ध्यान, योग-साधना तथा अपने गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का विशेष विधान है।

भारतीय दर्शन में गुरु की महिमा को एक प्रसिद्ध श्लोक में अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त किया गया है, गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश हैं और गुरु ही साक्षात परब्रह्म हैं। ऐसे सद्गुरु को बार-बार प्रणाम है। यह केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि भारतीय चिंतन की वह गहन अनुभूति है, जिसमें गुरु को सृष्टि के समस्त ज्ञान का माध्यम माना गया है। गुरु पूर्णिमा का संबंध भारतीय ज्ञान-परंपरा के महानतम ऋषि महर्षि वेद व्यास से है। मान्यता है कि इसी दिन उनका अवतरण हुआ था, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। महर्षि श्रीकृष्ण द्वैपायन वेद व्यास ने भारतीय ज्ञान-संपदा को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने एक वेद को चार भागों (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद) में विभाजित किया, जिससे सामान्य जन भी वैदिक ज्ञान तक पहुंच सके। उन्होंने महाभारत जैसे विश्व के सबसे विशाल महाकाव्य की रचना की, जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता जैसा अमर ग्रंथ समाहित है। उनके द्वारा रचित ब्रह्मसूत्र, श्रीमद्भागवत तथा अठारह पुराण भारतीय दर्शन, संस्कृति और अध्यात्म की अमूल्य धरोहर हैं। इसीलिए वे केवल एक महर्षि नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय ज्ञान-परंपरा के आदि-गुरु माने जाते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु केवल ज्ञान देने वाला शिक्षक नहीं बल्कि चरित्र निर्माण करने वाला जीवन-मार्गदर्शक है। प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था इसी आदर्श पर आधारित थी, जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्या अर्जित करना नहीं बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का समग्र विकास करना था। गुरु शिष्य को केवल शास्त्र नहीं पढ़ाता था बल्कि जीवन जीने की कला, अनुशासन, संयम, सेवा, त्याग और राष्ट्रधर्म का भी संस्कार देता था। गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका पूजन करते थे और आज भी यह परंपरा अनेक आश्रमों, मठों तथा शिक्षण संस्थानों में जीवित है। 'गुरु' शब्द की व्युत्पत्ति भी उसके महत्व को स्पष्ट करती है। संस्कृत में 'गु' का अर्थ है अंधकार तथा 'रु' का अर्थ है उसे दूर करने वाला अर्थात जो अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाए, वही गुरु है। इसी भाव को शास्त्रों में इन शब्दों में व्यक्त किया गया है,

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया।

चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः॥

अर्थात जो गुरु ज्ञान रूपी अंजन से अज्ञान के अंधकार में डूबे शिष्य की आंखें खोल देता है, उसे प्रणाम है। संत साहित्य में भी गुरु की महिमा अनंत कही गई है। कबीरदास का प्रसिद्ध दोहा,

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय।

बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥

भारतीय संस्कृति के मूल दर्शन को अभिव्यक्त करता है। कबीर का आशय है कि यदि गुरु और भगवान दोनों सामने खड़े हों तो पहले गुरु को प्रणाम करना चाहिए क्योंकि गुरु ही वह माध्यम है, जिसने भगवान तक पहुंचने का मार्ग दिखाया। एक अन्य दोहे में कबीर कहते हैं,सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार। लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावण हार॥ अर्थात्सद्गुरु ने अज्ञान के पर्दे हटाकर सत्य का दर्शन कराया। गुरु का सबसे बड़ा उपकार यही है कि वह मनुष्य को स्वयं से परिचित कराता है। गुरु पूर्णिमा का महत्व केवल हिन्दू धर्म तक सीमित नहीं है। बौद्ध धर्म में यह दिन इसलिए विशेष है क्योंकि इसी तिथि पर भगवान बुद्ध ने सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को प्रथम उपदेश देकर धर्मचक्र प्रवर्तन किया था। जैन धर्म में यह पर्व भगवान महावीर के प्रथम गणधर गौतम स्वामी के स्मरण तथा वर्षावास (चौमासा) के आरंभ से जुड़ा है। सिख परंपरा में भी गुरु को ईश्वर तक पहुंचने का सर्वोत्तम माध्यम माना गया है। गुरु ग्रंथ साहिब में गुरु की महिमा का व्यापक वर्णन मिलता है।इस प्रकार गुरु पूर्णिमा भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की साझा सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है।आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन ज्ञान के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी गुरु की आवश्यकता समाप्त नहीं हुई है।

कंजूस कैसे बनें?

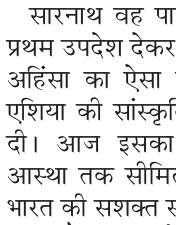

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

पड़ोस के गुप्ता जी जब मुस्कुराते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे उनके चेहरे का हर मसल अपनी मेहनत की दिहाड़ी मांग रहा हो। वैसे तो गुप्ता जी इंसान भले हैं, पर अपनी जेब के मामले में वे मुग़ल सल्तनत के उन बादशाहों जैसे हैं जो एक-एक अठन्नी का हिसाब रखने के लिए पूरे वज़ीर की फ़ौज खड़ी कर दें। शहर में जब भी किसी को 'बचत' पर कोई रिसर्च करनी होती, तो वो सीधे गुप्ता जी की बैठक में आकर टहलने लगता। उनके घर में जब नया टूथपेस्ट आता है, तो पुराने वाले के साथ वो-वो यातनाएं होती हैं जिन्हें देखकर किसी का भी कलेजा कांप जाए। बेलन से पछाड़ने के बाद उसे बीच से काटा जाता है, फिर उसकी हर दीवार को ऐसे खुरचा जाता है जैसे किसी पुरातत्व विभाग वाले को हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा खजाना मिल गया हो। जब वो टूथपेस्ट एकदम रूह की तरह हवा हो जाता है, तब कहीं जाकर नए वाले का सील टूटने की नौबत आती है। और ये तो बस शुरुआत है, क्योंकि गुप्ता जी की नज़र में दुनिया का सबसे बड़ा अपराध है - किसी भी चीज़ का मुफ़्त में न मिलना या किसी चीज़ का इस्तेमाल किए बिना फेंक दिया जाना।

गर्मियों के दिनों में जब पूरा मोहल्ला पंखे और कूलर की हवा के लिए बिल के पन्ने पलट-पलटकर रोता है, गुप्ता जी की गणित अलग ही तल पर चल रही होती है। उनके घर में मेहमान आ जाए, तो चाय बनने से पहले गुप्ता जी खिड़की का पर्दा थोड़ा खिसकाकर सूरज की दिशा देखते हैं। अगर धूप ढल रही हो, तो मेहमान को इतनी सहजता से बालकनी में ले जाकर बिठाते हैं कि मेहमान को लगता है कि उसे दुनिया का सबसे हसीन नज़ारा दिखाया जा रहा है, जबकि असल में गुप्ता जी पंखे की बिजली का आधा यूनिट बचा रहे होते हैं। रसोई में अगर चाय उबल जाए, तो बची हुई पत्ती को दोबारा सुखाकर 'शाम की चाय' के लिए सहेज लेना उनके लिए किसी महान उपलब्धि से कम नहीं होता। जब वो बाज़ार जाते हैं, तो सब्जी वाले से धनिया और हरी मिर्च मांगने का उनका अंदाज़ इतना कातिलाना होता है कि सब्जी वाला अपनी जेब से दो रुपये निकालकर देने को तैयार हो जाए, पर गुप्ता जी बिना मिर्च-धनिया लिए एक कदम पीछे नहीं हटते। शादी-ब्याह के माहौल में गुप्ता जी का अवतार देखने लायक होता है। उनका जो लिफ़ाफ़ा शादी के स्टेज पर दूल्हे के हाथ में जाता है, उस लिफ़ाफ़े की अपनी एक अलग कहानी होती है। वो लिफ़ाफ़ा कम से कम चार अलग-अलग शादियों से घूमता हुआ गुप्ता जी तक पहुँचा होता है, जिसे उन्होंने बड़ी नज़ाकत से बिना फाड़े संभालकर रखा था। अंदर रखे नोट का कुरकुरापन देखकर लगता है जैसे वो नोट नोटपैड से नहीं, सीधे बैंक के लॉकर से ख़ास इसी शुभ अवसर के लिए निकाला गया हो। प्लेट में खाना लेते वक्त गुप्ता जी का संयम किसी समाधिलीन साधु से कम नहीं दिखता, पर नज़र हर उस स्टॉल पर होती है जहाँ मुफ़्त का मीठा या पाचक बंट रहा हो। तीन बार आइसक्रीम खाने के बाद भी जब वो वेटर से चौथी बार 'जरा एक चम्मच और देना' कहते हैं, तो उनके चेहरे पर एक ऐसी मासूमियत होती है जिसे देखकर वेटर भी अपनी पूरी नौकरी दांव पर लगाने को तैयार हो जाता है। गाड़ी चलाने के मामले में गुप्ता जी का दर्शन तो सीधे नोबेल पुरस्कार का हकदार है। उनकी पुरानी बजाज चेतक जब सड़क पर निकलती है, तो ढलान आते ही उसका इंजन बंद हो जाता है।

गुरु पूर्णिमा : महाभारत- सत्यवती और ऋषि पाराशर के हैं महर्षि वेद व्यास

वेदों का संपादन करने की वजह से कहलाए वेद व्यास

आषाढ़ मास की पूर्णिमा है। इस तिथि पर गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। परंपरा के अनुसार द्वापर युग में इसी तिथि पर महर्षि वेद व्यास का जन्म माना जाता है। उन्होंने वैदिक ज्ञान को लोगों तक पहुंचाने का बड़ा काम किया। इसलिए गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। वेद व्यास को पुराणिक मान्यता के अनुसार चिरंजीवी माना जाता है। महाभारत के मुताबिक, जानिए वेद व्यास के जन्म की कथा...

मछुआरे की बेटी सत्यवती से शुरू होती है कथा

कथा की शुरुआत होती है एक मछुआरे की बेटी सत्यवती से। सत्यवती नाव चलाने का काम करती थीं। वह लोगों को नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुंचाती थीं। कहा जाता है कि उनके शरीर से मछली जैसी गंध आती थी, इसलिए लोग उन्हें मत्स्यगंधा भी कहते थे।

ऋषि पराशर से भेंट और वेद व्यास के जन्म की कथा

एक दिन ऋषि पराशर नदी पार करना चाहते थे। सत्यवती उन्हें नाव से नदी पार कराने लगीं। यात्रा के दौरान ऋषि पराशर ने सत्यवती के भीतर छिपे तेज और विशेष गुणों को पहचाना। उन्होंने सत्यवती से कहा कि उनके संयोग से एक ऐसे पुत्र का जन्म होगा, जो आगे चलकर दुनिया के सबसे बड़े विद्वानों में गिना जाएगा।

सत्यवती इस बात को लेकर चिंतित थीं। उन्हें समाज और अपने परिवार की प्रतिष्ठा की चिंता थी।

तब ऋषि पराशर ने उन्हें विश्वास दिलाया कि उनकी मर्यादा पर कोई आंच नहीं आएगी। इसके बाद उन्होंने अपने तप के प्रभाव से चारों ओर घना कोहरा कर दिया, ताकि किसी की नजर उन पर न पड़े।

द्वीप पर जन्म से पड़ा नाम द्वैपायन

सत्यवती ने एक पुत्र को जन्म दिया। यह जन्म नदी के बीच बने एक छोटे से द्वीप पर हुआ था। इसी कारण उस बालक का नाम द्वैपायन पड़ा, जिसका अर्थ है- द्वीप पर जन्म लेने वाला।

उनका रंग सांवला था, इसलिए उन्हें कृष्ण द्वैपायन भी कहा गया। आगे चलकर यही कृष्ण द्वैपायन वेद व्यास के नाम से प्रसिद्ध हुए।

कृष्ण द्वैपायन जन्म लेते ही सामान्य बच्चों की तरह नहीं रहे। कहा जाता है कि उन्होंने बहुत कम समय में ही ज्ञान प्राप्त कर लिया और अपनी माता से कहा कि जब भी उन्हें उनकी जरूरत होगी, वह तुरंत उनके पास आ जाएंगे। इसके बाद वह तप और अध्ययन के लिए चले गए।

वेदों के संपादन से कहलाए वेद व्यास

आगे चलकर महर्षि वेद व्यास ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा वैदिक ज्ञान को व्यवस्थित करने में लगाया। उन्होंने वेदों का संपादन किया और कई पुराणों के संकलन का श्रेय भी उन्हें दिया जाता है। महाभारत की रचना भी उन्होंने ही की है। इसी काम के कारण उन्हें वेद व्यास कहा जाने लगा। यहां व्यास का अर्थ है- किसी विषय को व्यवस्थित करने वाला या उसका संकलन करने वाला।

गणेश जी ने लिखी महाभारत

जब वेद व्यास महाभारत की रचना करना चाहते थे, तब उन्होंने भगवान गणेश से इसे लिखने का आग्रह किया। गणेशजी ने एक शर्त रखी कि वे बिना रुके लिखेंगे, इसलिए व्यास जो भी बोलेंगे, उसे लगातार बोलना होगा। इसके जवाब में व्यास ने भी शर्त रखी कि गणेश हर श्लोक का अर्थ समझने के बाद ही उसे लिखेंगे।

कहा जाता है कि जब भी व्यास को सोचने के लिए समय चाहिए होता था, वे गूढ़ अर्थ वाले श्लोक बोल देते थे।

महाभारत के महत्वपूर्ण पात्र भी रहे वेद व्यास

महाभारत में वेद व्यास केवल लेखक ही नहीं, बल्कि कहानी के महत्वपूर्ण पात्र भी हैं। हस्तिनापुर के राजवंश को आगे बढ़ाने में उनकी अहम भूमिका बताई गई है। धृतराष्ट्र, पांडु और विदुर का जन्म भी उनकी वजह से हुआ। यही तीनों आगे चलकर महाभारत की पूरी कथा के केंद्र में रहे।

आषाढ़ पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त - 04:17 एएम से 04:59 एएम
अमृत काल - 08:34 एएम से 10:20 एएम
प्रातः सन्ध्या - 04:38 एएम से 05:41 एएम
विजय मुहूर्त - 02:43 पीएम से 03:37 पीएम
गोधूलि मुहूर्त - 07:14 पीएम से 07:35 पीएम
सायाह्न सन्ध्या - 07:14 पीएम से 08:17 पीएम

पूर्णिमा व्रत विधि

पूर्णिमा व्रत के दिन प्रातःकाल उठकर किसी पवित्र नदी में स्नान कर तर्पण करना चाहिए।

अगर नदी स्नान संभव न हो तो घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

इसके बाद व्रत का संकल्प लें - मैं अपने परिवार की कुशलता और सुख-समृद्धि की कमाना से पूर्णिमा का व्रत करूंगा। व्रत के निर्विघ्न रूप से पूर्ण होने हेतु मैं भगवान गणपति की पूजा और कलश पूजन भी करूंगा या करूंगी।

संकल्प लेने के बाद सबसे पहले कलश स्थापना करें। फिर भगवान गणेश का पूजन करें। इसके बाद भगवान शिव और देवी पार्वती की षोडशोपचार विधि से पूजा-अर्चना करें।

जो लोग पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं वे उनकी विधिवत पूजा-अर्चना करें।

रात में चन्द्रदेव का पूजन भी जरूर करें।

पूरे दिन व्रत रहें। फिर शाम में श्रद्धापूर्वक पूर्णिमा व्रत की कथा का पाठ करें।

रात में चन्द्रदेव को अर्घ्य अर्पित कर उनका पूजन करें।

पूर्णिमा व्रत में क्या खाना चाहिए?

पूर्णिमा उपवास में जल, फल और दूध से बने सात्विक पदार्थों जैसे खीर, पनीर इत्यादि का सेवन किया जाता है। वहीं कई लोग इस दिन सिर्फ जल पर उपवास रहते हैं।

पूर्णिमा व्रत का पारण कब किया जाता है?

पूर्णिमा व्रत का पारण ज्यादातर लोग चन्द्रमा को अर्घ्य अर्पित करने के बाद करते हैं। पारण के लिए किसी ब्राह्मण को यथाशक्ति अन्न, तिल, चावल, वस्त्र, घी आदि का दान करना चाहिये।

3 दुर्लभ योगों में मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

स्नान-दान का शुभ मुहूर्त

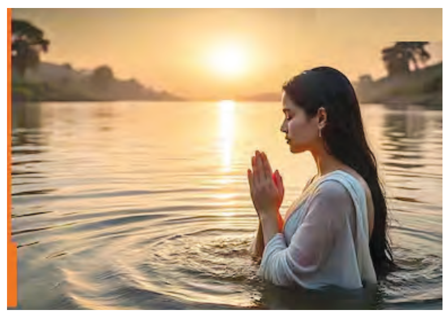

आषाढ़ पूर्णिमा यानी गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व कल देशभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस बार गुरु पूर्णिमा का दिन ज्योतिषीय दृष्टिकोण से बेहद खास माना जा रहा है। ग्रहों की विशेष चाल की वजह से इस दिन एक साथ तीन दुर्लभ और शुभ योगों का महासंगम बन रहा है।

आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को हर साल गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। इस बार गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई 2026, बुधवार को मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में इस दिन का विशेष महत्व माना गया है। गुरु पूर्णिमा के दिन शिष्य अपने गुरु की पूजा करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि गुरु के आशीर्वाद से जीवन में सही मार्ग मिलता है और व्यक्ति को ज्ञान, सफलता और उन्नति की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस साल गुरु पूर्णिमा का पर्व इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि इस दिन तीन शुभ योगों का संयोग बन रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के दिन गजकेसरी योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का निर्माण होगा। ऐसे में इस दिन पूजा-पाठ, गुरु सेवा, स्नान और दान का महत्व और भी बढ़ जाता है।

गुरु पूर्णिमा पर क्यों की जाती है गुरु की पूजा?

हिंदू धर्म में गुरु को जीवन में अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला माना गया है। गुरु ही व्यक्ति को सही और गलत का फर्क समझाते हैं और जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं।

यही वजह है कि गुरु पूर्णिमा के दिन लोग अपने आध्यात्मिक, धार्मिक और शिक्षा देने वाले गुरु के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आषाढ़ पूर्णिमा के दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। महर्षि वेदव्यास को वेदों का विभाजन करने और उनके ज्ञान को लोगों तक पहुंचाने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने वेदों को चार भागों में बांटा था। इसी वजह से गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है।

गुरु पूर्णिमा पर बनेंगे ये 3 शुभ योग

गजकेसरी योग

गुरु पूर्णिमा के दिन गजकेसरी योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष में गुरु और चंद्रमा की विशेष स्थिति से बनने वाले इस योग को शुभ माना जाता है। मान्यता है कि गजकेसरी योग व्यक्ति के मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि करने वाला होता है। इस योग में गुरु की पूजा और उनका आशीर्वाद लेना विशेष फलदायी माना जाता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

गुरु पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं में इस योग को शुभ कार्यों के लिए अच्छा माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस योग में शुरू किए गए कई शुभ कार्यों में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है। गुरु पूर्णिमा के दिन इस योग में गुरु पूजन, धार्मिक कार्य, मंत्र जाप और दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है।

रवि योग

इस दिन रवि योग का भी संयोग बन रहा है। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं में रवि योग को शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस योग में किए गए शुभ कार्यों से नकारात्मकता दूर होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है। रवि योग में भगवान सूर्य की पूजा, स्नान और दान करना भी शुभ माना जाता है।

गुरु पूर्णिमा 2026 की तिथि

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि 28 जुलाई 2026 को शाम 6 बजकर 18 मिनट से शुरू हुई और 29 जुलाई 2026 को रात 8 बजकर 5 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि के अनुसार गुरु पूर्णिमा का पर्व 29 जुलाई 2026, बुधवार को मनाया जाएगा। यानी 29 जुलाई को सुबह स्नान करके गुरु पूजन और दान-पुण्य करना शुभ माना जाएगा।

गुरु पूजा का शुभ मुहूर्त

गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु पूजन के लिए सुबह का समय शुभ माना गया है। 29 जुलाई 2026 को गुरु पूजा का शुभ समय सुबह 5 बजकर 41 मिनट से 9 बजकर 5 मिनट तक रहेगा।

गुरु पूर्णिमा पर क्या करें?

गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद सूर्य देव को जल अर्पित करके अपने गुरु का स्मरण करें। गुरु की तस्वीर या चरण पादुका पर फूल चढ़ाएं और दीपक जलाएं। इसके बाद गुरु मंत्र का जाप करें और अपने गुरु से जीवन में सही मार्ग पर चलने की प्रार्थना करें। अगर हो सके तो इस दिन अपने गुरु से मिलकर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। गुरु के प्रति सम्मान जताने के लिए उन्हें वस्त्र, फल, मिठाई या अपनी श्रद्धा के अनुसार कोई उपहार भी दे सकते हैं।

प्रेरक कथा- संत की शिष्य को सीख

बचपन में जो आदतें डाली जाती हैं, वे जीवनभर साथ रहती हैं इसलिए छोटी उम्र से ही बच्चों को अच्छे संस्कार दें

पुराने समय की लोक कथा है। एक संत अपने शिष्य के साथ गांव-गांव जाकर भिक्षा मांगते थे। वे लोगों को धर्म, सेवा और अच्छे कर्मों का महत्व भी समझाते थे। एक दिन चलते-चलते वे एक छोटे से घर के बाहर पहुंचे। संत ने भिक्षा के लिए आवाज लगाई।

आवाज सुनकर एक छोटी बच्ची घर से बाहर आई। उसने संत को प्रणाम किया और बोली, बाबा, हम बहुत गरीब हैं। हमारे घर में ऐसा कुछ नहीं है जो मैं आपको दे सकूं। आप कृपया आगे चले जाइए।

संत ने बच्ची की बात सुनी और मुस्कुराते हुए बोले, बेटी, ऐसा मत कहो। अगर तुम्हारे पास हमें देने के लिए कुछ नहीं है, तो अपने आंगन की थोड़ी-सी मिट्टी ही दे दो। बच्ची ने बिना सोचे तुरंत आंगन में जाकर एक मुट्ठी मिट्टी उठाई और संत के भिक्षा पात्र में डाल दी। संत ने प्रसन्न होकर उसे आशीर्वाद दिया और अपने रास्ते पर आगे बढ़ गए।

कुछ दूर चलने के बाद शिष्य ने संत से पूछा, ₹गुरुदेव, मैं समझ नहीं पाया। आपने भिक्षा में मिट्टी क्यों स्वीकार की? मिट्टी का क्या उपयोग होगा?

संत ने शांत भाव से जवाब दिया, तुम्हें यह मिट्टी दिखाई दे रही है, लेकिन मैं इस बच्ची के संस्कार देख रहा हूं। आज यह छोटी है। अगर आज इसे किसी की मदद करने से मना करना सीखने को मिल गया, तो भविष्य में भी यह दूसरों की सहायता करने से बच सकती है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन आज इसने अपनी क्षमता के अनुसार कुछ देने की कोशिश की है। भले ही वह केवल एक मुट्ठी मिट्टी है, लेकिन इसके मन में दान और सेवा की भावना का बीज बो दिया गया है। जब यह बड़ी होगी और इसके पास धन-संपत्ति होगी, तब यही भावना इसे जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित करेगी।

शिष्य को गुरु की बात समझ आ गई। उसे एहसास हुआ कि अच्छे संस्कार बचपन से ही दिए जाते हैं। छोटी उम्र में सीखी गई आदतें ही आगे चलकर व्यक्ति के स्वभाव का हिस्सा बन जाती हैं।

इस कहानी की सीख यह है कि बच्चों को बचपन से ही दया, सेवा, सहयोग और अच्छे कामों के लिए प्रेरित करना चाहिए। छोटी-छोटी अच्छी आदतें ही उन्हें भविष्य में बेहतर इंसान बनाती हैं।

प्रसंग की सीख

अच्छे काम करने की आदत बचपन से ही डालें

बच्चों का मन कच्ची मिट्टी की तरह होता है। बचपन में जो आदतें डाली जाती हैं, वे जीवनभर साथ रहती हैं। इसलिए उन्हें छोटी उम्र से ही दूसरों की मदद करने, सम्मान देने और सहयोग करने की सीख देनी चाहिए।

बच्चों को देने की भावना सिखाएं

दान का मतलब केवल धन देना नहीं होता। किसी की मदद करना, समय देना, अपनी चीजें साझा करना भी सेवा का हिस्सा है। बच्चों को सिखाएं कि अपनी क्षमता के अनुसार दूसरों के काम आना चाहिए।

खुद उदाहरण बनें

बच्चे अपने माता-पिता और परिवार के व्यवहार से सबसे ज्यादा सीखते हैं। यदि घर में बड़े लोग जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, दूसरों का सम्मान करते हैं और अच्छे व्यवहार का पालन करते हैं, तो बच्चे भी वही सीखते हैं।

छोटी कोशिशों की भी सराहना करें

बच्चे जब कोई अच्छा काम करें, तो उनकी तारीफ जरूर करें। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे भी अच्छे काम करने के लिए प्रेरित होते हैं।

गलतियों से सीखने का मौका दें

बच्चों को केवल डांटने के बजाय समझाएं कि कौन-सा व्यवहार सही है और कौन-सा गलत। प्यार और धैर्य से समझाई गई बातें बच्चों के मन पर ज्यादा प्रभाव डालती हैं।

दया और संवेदना का महत्व बताएं

बच्चों को बताएं कि हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं। दूसरों की परेशानियों को समझना और उनकी मदद करना इंसानियत की पहचान है।

अच्छे संस्कार समय के साथ मजबूत होते हैं

एक छोटी-सी अच्छी आदत भविष्य में बड़े बदलाव ला सकती है। जैसे कहानी में बच्ची ने केवल मिट्टी दी, लेकिन उसके मन में देने और सेवा करने की भावना विकसित हुई।

बच्चों को जिम्मेदारी सौंपें

छोटे-छोटे कामों की जिम्मेदारी देने से बच्चों में आत्मनिर्भरता और दूसरों के प्रति जिम्मेदारी का भाव बढ़ता है। अच्छे संस्कार एक दिन में नहीं आते। लगातार प्रयास, सही मार्गदर्शन और परिवार के अच्छे वातावरण से बच्चे ऐसे इंसान बनते हैं जो समाज के लिए उपयोगी और संवेदनशील होते हैं।

राहु की अशुभ महादशा और अंतर्दशा से हैं परेशान तो सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं काला तिल

सावन माह में पूजा-पाठ के समय शिवलिंग पर कुछ विशेष चीजें अर्पित करना बहुत शुभ माना गया है। सावन में शिविलिंग पर काला तिल अर्पित करना बहुत लाभकारी माना जाता है। सावन में शिविलिंग पर काला तिल अर्पित करने से शनि और राहु की महादशा या अंतर्दशा का अशुभ प्रभावों से मुक्ति मिलती है।

सावन सोमवार 2026

पहला सावन सोमवार – 3 अगस्त 2026
दूसरा सावन सोमवार – 10 अगस्त 2026
तीसरा सावन सोमवार – 17 अगस्त 2026
चौथा सावन सोमवार – 24 अगस्त 2026

सावन शिव जी की भक्ति का महीना है। इस माह में विधि-विधान से महादेव की पूजा करने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। सावन के महीने महादेव के जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने से महादेव का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यता है कि सावन माह में जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने से महादेव जल्दी प्रसन्न होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण कर देते हैं।

सावन माह में पड़ने वाले सोमवार के दिन शिव जी की अराधना विशेष फलदायी मानी गई है। सावन सोमवार के दिन व्रत करने पर कई गुना अधिक पुण्य प्राप्त होता है। सावन माह में पूजा-पाठ के समय शिवलिंग पर कुछ विशेष चीजें अर्पित करना बहुत शुभ माना गया है। सावन में शिविलिंग पर काला तिल अर्पित करना बहुत लाभकारी माना जाता है। आइए जानते हैं सावन में शिवलिंग पर तिल अर्पित करने के लाभ।

सावन में शिवलिंग पर रोज काला तिल करें अर्पित

भगवान शिव काल का स्वामी यानी महाकाल कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार विधि-विधान से शिव जी का पूजन करने पर बड़े से बड़ा ग्रह दोष समाप्त हो जाता है। ज्योतिषीय मान्यता है कि अगर किसी की कुंडली में राहु की महादशा या अंतर्दशा का अशुभ प्रभाव हो तो उसको सावन में अवशय शिव पूजन करना चाहिए। माना जाता है कि सावन में शिव जी का पूजन करना चाहिए। साथ ही शिवलिंग पर रोज काला तिल अर्पित करना चाहिए।

मान्यता है कि सावन के महीने में रोजाना शिवलिंग पर काला तिल अर्पित करने से राहु की अशुभ महादशा, अंतर्दशा है छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं शिवलिंग पर काला तिल अर्पित करने से राहु के साथ-साथ शनि की अशुभ महादशा से भी मुक्ति मिलती है। इसके अलावा शिव जी मंत्रों का जाप करना बहुत ही लाभदायक साबित होता है।

सावन की शुरुआत में बनेगा 'त्रिग्रही योग', 4 राशि वालों के लिए खुलेगा सौभाग्य का दरवाजा

अगस्त की शुरुआत में ही एक अत्यंत दुर्लभ और शुभ घटना घटित होने वाली है। दरअसल, अगस्त के पहले सप्ताह में कर्क राशि में त्रिग्रही योग बनने जा रहा है। वर्तमान में सूर्य और बृहस्पति कर्क राशि में हैं, वहीं 5 अगस्त को बुधदेव भी कर्क राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। ऐसे में सूर्य-बृहस्पति-बुध का त्रिग्रही योग बनेगा।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए त्रिग्रही योग का बनना शुभ हो सकता है क्योंकि यह योग आपके चौथे भाव में बनेगा, जिसे सुख का भाव कहा जाता है। सूर्य-बुध के प्रभाव से आपको करियर में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर मिल सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो सकता है। यदि आपने निवेश किया है, तो अच्छे प्रतिफल मिलने की संभावना है। कुछ लोग जमीन, घर या वाहन खरीद सकते हैं।

कर्क राशि

कर्क राशि में त्रिग्रही योग बनेगा। इस योग के कारण आपका ज्ञान और आत्मविश्वास बढ़ सकता है। ऐसे में, जो लोग लंबे समय से नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें मनचाही जगह पर नौकरी मिलने की संभावना है। कहीं फंसा हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। अगर आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं, तो किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेकर आगे बढ़ सकते हैं।

तुला राशि

तुला राशि से दसवें भाव में त्रिग्रही योग बनेगा, जो कर्म का भाव है। आपको अपने करियर में बहुत अनुकूल परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। वरिष्ठों की ओर से आपके काम की सराहना होने की संभावना है, कुछ लोगों को प्रमोशन भी मिल सकता है। विदेश जाकर काम करने की सोच रहे लोगों की इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। आर्थिक स्थिति में भी मजबूती आ सकती है। कुछ लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों को जीवन में प्रगति के अवसर मिलेंगे। आपके सातवें भाव में बन रहा त्रिग्रही योग आपको समाज में प्रसिद्धि दिला सकता है। इस राशि के जो जातक लोक प्रबंधन या राजनीति के क्षेत्र में हैं, उन्हें मनचाहा परिणाम प्राप्त हो सकता है। आपको धन संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलने की संभावना है। यदि आप अगस्त महीने में बुद्धिमानी से धन का निवेश करते हैं, तो भविष्य में आपको लाभ मिल सकता है।

निहारिका एनएम का खुलासा, इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम 'बिग माउथ सीजन 7' में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया। उनके एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म 'पेरुसु' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने 'मित्रा मंडली' और 'इधयम मुरली' में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं।

इंटीमेट सीन को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल लीड रोल में हैं और निहारिका उनकी लव-इंटरेस्ट के रोल में हैं। फिल्म 30 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। निहारिका का कहना है कि उनके लिए फिल्मी सफर आसान नहीं था। उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा।

हीरो की शर्त के चक्कर में छोड़नी पड़ी फिल्म

निहारिका के मुताबिक, 'मुझे रिजेक्ट किए जाने के कई कारण थे। अब सोचने पर यह सब बहुत मजेदार लगता है'। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, 'एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था'। निहारिका ने आगे कहा, 'मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे। उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यह उनका फैसला था। फिर स्थिति ऐसी बन गई कि या तो यह करो या वह'। इसके बाद उन्होंने वह फिल्म छोड़नी पड़ी।

मुंबई में शुरुआती सफर कैसा रहा?

निहारिका एनएम ने मायानगरी में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की। फिल्मों में आने के बारे में न्यूज18 से बातचीत में उन्होंने बताया, 'जब मैं तीन-चार साल पहले मुंबई आई थी, तो मैंने एक प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन साल तक ट्रेनिंग की थी। मैं फिल्म स्कूल गई थी और मेरा थिएटर का बैकग्राउंड भी है। वे आगे कहती हैं, 'मैं एक्टिंग में हाथ आजमाना चाहती थी। मुझे नहीं पता था कि यह कहां तक जाएगा या मैं असल में क्या करना चाहती हूं। बस इतना पता था कि मुझे इसमें मजा आता है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं'। हालांकि, बाद में उन्होंने बॉलीवुड में करियर बनाने का विचार छोड़ दिया और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में ऑडिशन देने पर फोकस किया। इसके पीछे की वजह उन्होंने हिंदी सिनेमा में अवास्तविक ब्यूटी स्टैंडर्ड्स को बताया।

इस बात का अब तक है अफसोस

निहारिका ने कहा, 'मैंने पहले हिंदी फिल्मों में कोशिश की थी, लेकिन मुझे महिलाओं के लिए तय किए गए मानक पसंद नहीं आए। जैसे कि उन्हें कैसा दिखना चाहिए या उनकी स्किन टोन कैसी होनी चाहिए'। निहारिका कहती हैं, 'मुझे लगा कि यह वह जगह नहीं है, जहां मुझे मुकाबला करना चाहिए। यह बहुत भीड़-भाड़ वाली जगह भी थी'। इसके बाद उन्होंने कार्तिक सुब्बाराज के प्रोडक्शन हाउस, 'स्टोन बेंच फिल्म्स' के साथ तीन फिल्मों का करार किया।

निहारिका बताती हैं, 'लेकिन उनके साथ ट्रेनिंग के दौरान, मैंने साउथ की कुछ बहुत अच्छी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की। मुझे तो यकीन ही नहीं हुआ। मैं कॉन्ट्रैक्ट से बंधी हुई थी। मुझे इसका बहुत अफसोस रहेगा, लेकिन जिन लोगों ने वे फिल्में कीं, उनके लिए मैं खुश हूं। फिर, एक बार जब कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया, तो मुझे कोई रोक नहीं पाया। फिर तो मैंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में जमकर काम किया'।

'बंटवारा 1947' में सनी पाजी उड़ायेंगे गर्दा

फिल्म 'बंटवारा 1947' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें सनी देओल लीड रोल में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जानिए फैंस को फिल्म का ट्रेलर कैसा लगा।

यूजर्स को कैसा लगा ट्रेलर?

आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल लीड रोल में हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। ट्रेलर को लेकर दर्शकों का रिएक्शन भी सामने आने लगे हैं। ज्यादातर फैंस को ट्रेलर काफी दमदार लगा। एक यूजर ने कमेंट किया- 'रौंगटे खड़े हो गए।' वहीं दूसरे ने लिखा- 'दूसरी गदर आने वाली है।'

सनी देओल की एक्टिंग की तारीफ

वहीं कुछ लोगों ने सनी देओल के एक्टिंग की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा- 'सनी पाजी ने तो गर्दा उड़ा दिया।' दूसरे ने लिखा- सनी देओल एक बार फिर ब्लॉकबस्टर लाएंगे। वहीं कुछ यूजर्स ने इसके रिलीज डेट को लेकर कहा कि अब बस 14 अगस्त का इंतजार है।

किस पर आधारित है फिल्म 'बंटवारा 1947'

सनी देओल की यह फिल्म असगर वजाहत के मशहूर नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई' पर बनी है, जो 1947 भारत-पाकिस्तान विभाजन के दर्द की कहानी दिखाती है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, जावेद अख्तर ने गाने लिखे हैं।

फिल्म की स्टार कास्ट और रिलीज डेट

'बंटवारा 1947' में सनी देओल ने सिकंदर मिर्जा का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सनी के अलावा प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी नजर आएंगे। 'बंटवारा 1947' इस साल 14 अगस्त को रिलीज होगी।

अभिनेत्री पावला श्यामला का 75 साल की उम्र में निधन, संघर्ष से भरा था जीवन

अभिनेत्री पावला श्यामला का सोमवार रात निधन हो गया। वह 75 वर्ष की थीं और काफी समय से बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों से परेशान थीं। इसके अलावा वह आर्थिक तंगी का भी सामना कर रही थीं। उस्मानिया जनरल अस्पताल के डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पवन कल्याण, साई दुर्गा तेज, दिल राजू समेत कई फिल्म हस्तियों ने अभिनेत्री पावला श्यामला के इलाज के लिए आर्थिक मदद की थी।

इन फिल्मों में पावला श्यामला नजर आईं

पावला श्यामला का जन्म 1951 में आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के अमरावती में हुआ था। उनका नाम पहले नेथी श्यामला था। सिनेमा में कदम रखने से पहले वह थिएटर में अभिनय करती थीं। साल 1985 में उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। उनके करियर की पहली फिल्म 'बाबाई अब्बाई' थी, जिसमें लीड रोल में नंदमुरी बालकृष्ण थे। इसके बाद उन्होंने 'स्वर्णकमलम', 'आंध्रावाला' और 'खड्गम' जैसी हिट फिल्में कीं।

मुश्किलों से भरा था अभिनेत्री का जीवन

थिएटर करने की शौकीन पावला की 13 साल की उम्र में शादी हो गई थी। लेकिन तीन साल बाद पति का निधन हो गया। उन्होंने एक विधवा का सख्त जीवन जीना शुरू किया। उन पर परिवार की तरफ से पांबदियां थीं। उनके शादी के बाद एक बेटी भी हुई थी, जो अब तक उनकी देखरेख कर रही थीं। लेकिन अभिनय से प्यार और अपनी स्थिति को बेहतर करने के लिए उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू किया। वह अपनी मेहनत और संघर्ष से तेलुगु सिनेमा का जाना-माना नाम बन गईं।

'मुझे अन्ना कोनिडाला कहें', पवन कल्याण की पत्नी ने सरनेम से बुलाने का अनुरोध किया

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण की पत्नी अन्ना ने एक भावुक इंस्टाग्राम पोस्ट लिखकर लोगों से उन्हें अन्ना कोनिडाला कहकर बुलाने का आग्रह किया है। अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि 2013 में शादी के बाद उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपने पति का सरनेम अपना लिया था।

अपनी पोस्ट में अन्ना ने क्या लिखा?

अन्ना कोनिडाला अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'नाम बहुत ही निजी चीज होती है। जल्द ही मेरा जन्मदिन आने वाला है। मुझे लगा कि अब यह बात लिखने का सही समय है। जब से मैंने यह इंस्टाग्राम अकाउंट शुरू किया है, तभी से मैं ऐसा करना चाह रही थी। मैंने इसे लिखा और डिलीट किया। मुझे यह कहने का सही तरीका नहीं मिल रहा था। ज्यादातर लोग मुझे सबसे पहले अन्ना लेजनेवा के नाम से जानते थे क्योंकि हमारी शादी की खबर आने पर यही नाम हर जगह छाया हुआ था। मजेदार बात यह है कि हमारा मैरिज सर्टिफिकेट ही वह आखिरी आधिकारिक दस्तावेज है जिसमें वह सरनेम दिखता है। उस दिन मैंने अपने पति का सरनेम अपना लिया और अन्ना कोनिडाला बन गई। तो अगर आपने यहां तक पढ़ा है तो मेरी बस एक छोटी सी गुजारिश है। कृपया मुझे अन्ना कोनिडाला कहें। यही मेरा नाम है और इसी नाम के साथ मैं खुद को सहज महसूस करती हूं। समझने के लिए धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'

पवन कल्याण के साथ पुरानी तस्वीर भी अन्ना ने साझा की

अन्ना ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग की यात्रा के दौरान पवन कल्याण के साथ एक पुरानी तस्वीर भी साझा की। वह आगे पोस्ट में लिखती हैं, 'यह तस्वीर रूस के सेंट पीटर्सबर्ग की हमारी साथ में पहली वेकेशन की है।'

'वाइल्ड और बेबाक है' 'टॉक्सिक' 'फिल्म सबका दिमाग हिला देगी' : यश

यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर सामने आने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। फिल्म को लेकर यश ने कहा कि यह 'वाइल्ड' और 'बेबाक' है और इसे देखने के बाद लोग हैरान और कहेंगे- 'ये आखिर था क्या?''

मुझे एक्शन बहुत पसंद है

यश ने फिल्म के एक्शन सीन्स के बारे में भी बात की और बताया कि उन्हें एक्शन फिल्में हमेशा से पसंद रही हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे एक्शन बहुत पसंद है। मैं खुद एक्शन फिल्मों का फैन हूं और जब भी एक्शन होता है, मेरे अंदर का बच्चा खुश हो जाता है। मैं मॉनिटर पर ऐसे देखता हूं जैसे कोई फिल्म देख रहा हूं। एक्शन कोरियोग्राफर JJ ने शानदार काम किया है। 26 तारीख को जब 'टॉक्सिक' रिलीज होगी, तब आप देखेंगे हमने कैसा एक्शन किया है।'

रह जाएंगे।

फिल्म सबका दिमाग हिला देगी

यश ने एक इंटरव्यू में बताया कि पहली नजर में 'टॉक्सिक' एक बड़ी एक्शन फिल्म लग सकती है, लेकिन इसके पीछे गहरी भावनाएं छुपी हुई हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे पता है यह फिल्म सबका दिमाग हिला देगी। यह एक रोलर-कोस्टर राइड जैसी है – बहुत वाइल्ड और बेबाक। लेकिन इसके साथ ही यह काफी गहरी भी है। ऊपर से यह बड़ी और अलग दिखेगी, जो फिल्म की खासियत है।

लेकिन अंदर से यह बहुत इमोशनल फिल्म है। जो भी इसे थिएटर में देखने जाएगा, बाहर निकलते वक्त हैरान रह जाएगा

'टॉक्सिक' के बारे में

इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरेशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

क्या इस क्रिकेटर को डेट कर रही हैं मृणाल ठाकुर?

मुंबई के एक कैफे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने दोनों के डेटिंग रूमर्स को हवा दे दी है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बांद्रा वेस्ट के एक कैफे का है, जहां दोनों एक ही समय पर नजर आए।

वीडियो में दिखता है कि यशस्वी कैफे से बाहर निकलते हैं, जबकि मृणाल अंदर ही मौजूद रहती हैं। हालांकि दोनों के बीच किसी भी तरह की रोमांटिक बातचीत या क्लोज मोमेंट वीडियो में नहीं दिखता, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, फैन पेजेस ने इसे 'डेटिंग' से जोड़कर शेयर करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह एक बड़ा टॉपिक बन गया। खास बात यह है कि इससे पहले दोनों को कभी साथ नहीं देखा गया था, इसलिए फैंस के लिए यह काफी सरप्राइजिंग था।

क्या सच में डेट कर रहे हैं?

फिलहाल ऐसा कोई पक्का सबूत नहीं है कि मृणाल और यशस्वी रिलेशनशिप में हैं।

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने भी लोगों से जल्दबाजी में नतीजा न निकालने की अपील की है। कुछ का मानना है कि दोनों किसी काम, शूट या प्रोफेशनल मीटिंग के लिए मिले हो सकते हैं। अब तक ना मृणाल और ना ही यशस्वी ने इन अफवाहों पर कोई बयान दिया है।

उम्र का फर्क भी बना चर्चा का विषय

इस खबर के साथ दोनों की उम्र का अंतर भी चर्चा में आ गया। मृणाल ठाकुर 33 साल की हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 24 साल के हैं। यानी दोनों के बीच करीब 9 साल का अंतर है। सोशल मीडिया पर लोग इस पर भी अलग-अलग राय दे रहे हैं।

करियर की बात करें तो

यशस्वी जायसवाल 2023 में इंटरनेशनल डेब्यू के बाद से भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे बन चुके हैं। वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई और IPL में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं। वहीं मृणाल ठाकुर बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में वह फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में वरुण धवन और पूजा हेग्डे के साथ नजर आई थीं।

साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर को लगी कंधे में चोट

जूनियर एनटीआर की टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी किया है, जिसमें अभिनेता की कंधे की चोट का जिक्र किया है। जूनियर एनटीआर को एक एक्टिविटी के दौरान कंधे पर चोट लगी। उन्हें तुरंत डॉक्टर के पास लेकर जाया गया। डॉक्टर्स ने जांच की और उन्हें लगभग छह से आठ हफ्ते का आराम बताया।

अभिनेता की टीम ने बताई पूरी स्थिति

जूनियर एनटीआर की टीम ने एक बयान जारी किया, जिसमें लिखा, 'हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि मिस्टर एनटीआर के कंधे में चोट लग गई है। पूरी मेडिकल जांच के बाद, डॉ. जे. मधुसूदन राव और डॉ. आर.ए. पूर्णचंद्र तेजस्वी की अगुवाई वाली डॉक्टरों की टीम ने उन्हें छह से आठ हफ्ते तक पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। जिससे वह पूरी तरह ठीक हो सकें।'

आगे भी फैंस को दिया जाएगा हेल्थ अपडेट

अभिनेता की टीम ने अपने बयान में आगे लिखा, 'हम सभी को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। हम उनकी सेहत और ठीक होने के बारे में सही समय पर आधिकारिक जानकारी देते रहेंगे। आपके सपोर्ट के लिए धन्यवाद।'

करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं जूनियर एनटीआर

अभिनेता जूनियर एनटीआर के करियर फ्रंट की बात करें तो वह एक फिल्म 'ड्रैगन' में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। इस फिल्म के डायरेक्टर प्रशांत नील हैं। पिछले साल जूनियर एनटीआर फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे, इस बॉलीवुड फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन भी दिखाई दिए।

'मेरी चुप्पी का मतलब...', रैपर बादशाह की पत्नी ने की क्रिप्टिक पोस्ट; क्या रिश्ते में आई दूरी?

सिंगर और रैपर बादशाह की पत्नी ईशा रिखी की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने हंगामा मचा दिया है। अभी सिंगर की शादी को छह महीने भी नहीं हुए, लेकिन इनके रिश्ते में खटास आ चुकी है। जानिए, अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में ईशा ने बादशाह संग अपने रिश्ते को लेकर क्या लिखा है?

ईशा रिखी ने रिश्ते को लेकर क्या कहा?

सोमवार शाम को इंस्टाग्राम पर ईशा रिखी ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'कुछ लड़ाइयां ऐसी होती हैं जिनके कोई बाहरी निशान नहीं दिखते हैं। मैं लंबे समय तक चुप रही क्योंकि मुझे डर था। मुझे अपने पति के रुतबे, ताकत और संसाधनों से घबराहट होती थी। मैंने खुद को यकीन दिला लिया था कि चुप रहना ही सबसे सुरक्षित है।

मेरी चुप्पी का मतलब यह नहीं था कि मैंने सब स्वीकार कर लिया था। वह तो बस हालात से निपटने का एक तरीका था। आज मैं डर के बजाय हिम्मत चुन रही हूं। हो सकता है कि मैं पूरी कहानी बताने के लिए अभी तैयार न हूं, लेकिन आखिरकार मैं यह दिखावा बंद करने के लिए तैयार हूं कि सब कुछ ठीक था।'

क्या टूट गई रैपर बादशाह की शादी?

कौन है ईशा रिखी?

बादशाह जहां म्यूजिक की दुनिया का बड़ा नाम हैं, वहीं उनकी पत्नी ईशा रिखी का सिक्का अभिनय की दुनिया में चलता है। वह मॉडल और एक्ट्रेस हैं। ईशा रिखी का जन्म 9 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। उनकी स्कूलिंग चंडीगढ़ से ही हुई है। उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री हासिल की। 12वीं क्लास में ईशा ने मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद पंजाबी फिल्मों से करियर की शुरुआत की।

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में ईशा रिखी बड़ा नाम हैं। उन्होंने सिप्पी गिल के साथ पंजाबी फिल्म 'जट्ट बॉयज पुट जट्टान डे' (2013) से अपने करियर की शुरुआत की थी। ईशा पंजाबी एक्टर अमरिंदर गिल के साथ 'हैप्पी गो लकी' (2014) में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य चर्चित पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

बादशाह की पत्नी ने बॉलीवुड में भी किया अभिनय

ईशा रिखी फिल्मों के अलावा कई विज्ञापनों में नजर आ चुकी हैं। ईशा अक्षय कुमार और सोनम कपूर के साथ विज्ञापन कर चुकी हैं। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन के साथ भी वह एक ज्वैलरी ब्रांड के विज्ञापन में नजर आ चुकी हैं। ईशा रिखी ने साल 2018 में फिल्म 'नवाबजादे' से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया।

टूटते रोमांटिक रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए क्या करें

भागदौड़ भरी जिंदगी में एक बदलाव यह भी आया है कि आजकल रिश्ते तेजी से टूटने लगे हैं। दुनिया भर में तलाक के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत जैसे देश में जहां तलाक के केस न के बराबर होते थे, वहां भी मिलने-बिछड़ने का चलन आया है। रोमांटिक रिश्तों का टूटना तो अब बड़ी खबर भी नहीं मानी जाती है। लेकिन ऐसा क्यों होता है। प्यार करने वाले या शादी के बंधन में बंधे दो लोग इतनी आसानी से अलग क्यों हो जाते हैं। अमेरिका की नॉर्थ कैरोलाइना यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर सारा एल्गो ने लंबी स्टडी के बाद इसके कुछ कारण बताए हैं। अगर इनसे बचा जाए तो रिश्ते में टूट की आशंका काफी हद तक कम भी हो सकती है।

रिश्ता टूटने की सबसे बड़ी वजह 'धोखा'

सारा एल्गो के मुताबिक मौजूदा वक्त में रोमांटिक या वैवाहिक रिश्तों के टूटने की सबसे बड़ी वजह धोखा देना या कमिटमेंट की कमी है। धोखा सिर्फ फिजिकल नहीं होता, जब एक पार्टनर दूसरे की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता है तो दूसरा पार्टनर इमोशनली ठगा हुआ महसूस करता है। उसे लगता है कि प्यार के बदले में उसे प्यार नहीं मिला।

इमोशनल चीटिंग की ये भावना रिश्ते को कमजोर कर देती है। जो आगे चलकर तलाक या टूट की वजह भी बन सकती है।

इसके अलावा कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जिनकी कमी होते ही रिश्ता टूटकर बिखरने लगता है।

फिजिकल टच और साथ हंसने के मौके हैं जरूरी

रिश्ते की गाड़ी सही दिशा में संतुलित होकर चलती रहे, इसके लिए जरूरी है कि पार्टनर्स आपस में खूब सारा वक्त बिताएं, साथ हंसने-हंसाने के मौके ढूंढें।

सारा एल्गो और उनकी टीम ने दुनिया भर के सैकड़ों रोमांटिक पार्टनर्स से बातचीत की और उनकी गतिविधियों का बारीक अध्ययन किया।

उन्होंने नतीजे में पाया कि जिन रोमांटिक जोड़ों को साथ में हंसने के मौके मिलते थे, उनका नजरिया एक-दूसरे से काफी मेल खाता था। वे अलग-अलग मुद्दों पर एक जैसी राय रखते थे। किसी टॉपिक पर साथ हंसने से उनमें एक-दूसरे से सहमत होने का भाव आता है। दोनों दुनिया को एक ही तरीके से देख पाते हैं। नतीजतन उनका रिश्ता भी मजबूत होता जाता है।

दूसरी ओर, जिन पार्टनर्स को आपस में हंसने के मौके कम मिलते थे, उनका रिश्ता अपेक्षाकृत कमजोर पाया गया।

बिना टीम भावना रिश्ते को चलाना नामुमकिन

रिश्ते की टूटने की एक बड़ी वजह पार्टनर्स के बीच टीम भावना की कमी भी है। किसी भी रिश्ते को सही दिशा देने और उसे लंबा टिकाए रखने के लिए जरूरी है कि उसमें कुछ साझे लक्ष्य निर्धारित हों।

साझी जिम्मेदारी, लक्ष्य और सपने पार्टनर्स के मन में एक मनोवैज्ञानिक असर पैदा करते हैं, जिसके बाद उनमें साथ और टीम भावना आती है।

उन्हें लगता है कि फलां-फलां काम हमें साथ में करना और लक्ष्य तक पहुंचना है। और इसके लिए रिश्ते का बना रहना भी जरूरी है। कॉमन जिम्मेदारी, लक्ष्य और सपने ही रिश्ते को स्थायित्व देते हैं और ऊब को कम करते हैं।

क्या है इमोशनल इमैच्योरिटी, जो रिश्ते के लिए है खतरनाक

'साइकोलॉजी टुडे' की एक रिपोर्ट बताती है कि जब इंसान की उम्र और उसके सोचने-समझने की क्षमता में अंतर आ जाए यानी वह अपनी उम्र के मुकाबले परिपक्वता न दिखा पाए तो ऐसी स्थिति को इमोशनल इमैच्योरिटी कहते हैं।

ऐसी स्थिति में शख्स अपनी पार्टनर की भावनाओं को समझ पाने में असमर्थ होता है। वह सिर्फ अपने शॉर्ट टर्म फायदों को ही देखता है। रिश्ते की जिम्मेदारियों से पीछा छुड़ाने की कोशिश करता है।

इमोशनल इमैच्योरिटी की स्थिति में शख्स यह फैसला नहीं कर पाता कि उसे कहां और कितना इमोशन दिखाना है। उसका अपने इमोशन पर कंट्रोल नहीं रहता। ऐसी स्थिति में रोमांटिक या वैवाहिक रिश्ता मुश्किल में आ जाता है।

अभी तक हमने रिश्ते में टूट की वजहों की बात की। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इनमें से किसी एक कारण के सामने आते ही रिश्ता टूटकर बिखर जाएगा। शुरुआत में ये लक्षण रिलेशनशिप फटीग यानी रिश्ते में थकान की वजह बनते हैं। अगर समय रहते पार्टनर्स इससे न उबरें तो ही रिश्ते के टूटने की आशंका होती है।

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए ध्यान रखें ये बातें

अपने पार्टनर को हर सिचुएशन में प्राथमिकता दें।

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की इज्जत करें।

स्ट्रॉन्ग बॉन्डिंग के लिए पार्टनर के परिवार से भी अच्छा मेल-जोल बनाएं।

रिश्ते में बेवजह शक न करें।

अपनों का भरोसा कभी न तोड़ें।

हर समय रोक-टोक न करें।

पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की कोशिश करें। रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप न आने दें। एक-दूसरे से खुलकर बात करें। सिर्फ अपनी न चलाएं, दूसरों को भी अपनी बात कहने का मौका दें। आर्थिक कारणों से झगड़े न हों, इसलिए फ्यूचर प्लानिंग करें। एक-दूसरे का अच्छे कामों के लिए आभार जताएं।पार्टनर का मनोबल बढ़ाएं। इससे रिश्ते को नई ऊर्जा मिलती है। हर वक्त पार्टनर को नीचा न दिखाएं, बल्कि तारीफ करें। पार्टनर को खुश करने के लिए छोटे-छोटे काम करें। हर रिश्ते में झगड़े होते हैं, उसे बढ़ाए नहीं, खत्म करें।

आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया पाठ : 'मैं हूँ अपनी धनलक्ष्मी'

'मैं हूँ अपनी धनलक्ष्मी'
संस्मरण
लेखिका आरती गुप्ता
प्रकाशक : पेंगुइन रैंडम हाउज इंडिया

पुस्तक समीक्षा

किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक विकास दर से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि उस समाज के नागरिक विशेषकर महिलाएँ आर्थिक निर्णयों में कितनी सक्रिय और आत्मविश्वासी भागीदारी निभाती हैं। विडंबना यह है कि भारतीय परिवारों में महिलाएँ अक्सर घर का पूरा आर्थिक संतुलन संभालती हैं, लेकिन बचत, निवेश और संपत्ति से जुड़े अंतिम निर्णयों से स्वयं को दूर पाती हैं।

इसी सामाजिक यथार्थ को केंद्र में रखकर **आरती गुप्ता** ने अपनी पुस्तक **'मैं हूँ अपनी धनलक्ष्मी'** की रचना की है। यह केवल व्यक्तिगत वित्त पर लिखी गई पुस्तक नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के माध्यम से महिला सशक्तीकरण का एक गंभीर वैचारिक दस्तावेज़ भी है।

पुस्तक की भूमिका में डॉ. किरण बेदी आर्थिक आत्मनिर्भरता को महिला सशक्तीकरण की अनिवार्य शर्त मानते हुए इस विषय की सामाजिक आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। वहीं **लेखिका आरती गुप्ता** अपनी प्रस्तावना में भारतीय संस्कृति में देवी लक्ष्मी के सम्मान और महिलाओं की वास्तविक आर्थिक भागीदारी के बीच मौजूद विरोधाभास की ओर ध्यान आकर्षित करती हैं। यही प्रश्न आगे चलकर पूरी पुस्तक का केंद्रीय विचार बन जाता है कि यदि समाज महिलाओं को लक्ष्मी का स्वरूप मानता है, तो उन्हें आर्थिक निर्णयों का समान अधिकार और आवश्यक वित्तीय ज्ञान से क्यों दूर रखा जाता है?

पंद्रह अध्यायों में विभाजित यह पुस्तक क्रमशः पाठक को आर्थिक जागरूकता की यात्रा पर ले जाती है। प्रारंभिक अध्यायों में लेखिका उन मानसिक और सामाजिक कारणों का विश्लेषण करती हैं, जिनकी वजह से अनेक शिक्षित और सफल महिलाएँ भी धन संबंधी विषयों पर आत्मविश्वास से निर्णय नहीं ले पातीं। लेखिका इस स्थिति के लिए महिलाओं की क्षमता को नहीं, बल्कि वित्तीय शिक्षा और संवाद की कमी को जिम्मेदार मानती हैं। यही दृष्टिकोण पुस्तक को उपदेशात्मक होने से बचाता है और इसे एक सकारात्मक सामाजिक विमर्श का रूप देता है।

पुस्तक का सबसे उल्लेखनीय पक्ष इसका व्यावहारिक स्वरूप है। बचत, आपातकालीन निधि, ऋण, बीमा, निवेश, एसेट क्लास, पब्लिक इक्विटी, पोर्टफोलियो निर्माण तथा निवेश की निरंतर समीक्षा जैसे विषयों को लेखिका ने अत्यंत सरल और सहज भाषा में प्रस्तुत किया है। विशेष बात यह है कि पुस्तक में कहीं भी तकनीकी शब्दावली का अनावश्यक बोझ नहीं है। जटिल वित्तीय अवधारणाएँ वास्तविक जीवन के अनुभवों, छोटे प्रसंगों और सहज उदाहरणों के माध्यम से इस प्रकार समझाई गई हैं कि विषय पाठक के लिए बोझिल नहीं, बल्कि आत्मीय बन जाता है। विशेषकर 'पब्लिक इक्विटी : बचत से मालिक बनने तक' जैसा अध्याय शेयर बाजार को केवल मुनाफे का माध्यम नहीं, बल्कि देश की विकास यात्रा में भागीदारी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित करता है।

आरती गुप्ता की लेखन शैली इस पुस्तक की सबसे बड़ी शक्ति है। उनकी भाषा न तो अत्यधिक साहित्यिक होकर पाठक को कठिनाई में डालती है और न ही अत्यधिक तकनीकी होकर विषय को सीमित कर देती है। संवादात्मक शैली, छोटे-छोटे उदाहरण, आत्मीय संबोधन और प्रत्येक अध्याय के अंत में आत्ममंथन के लिए दिए गए व्यावहारिक सुझाव पुस्तक को सामान्य वित्तीय पुस्तकों से अलग पहचान प्रदान करते हैं। लेखिका का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि पाठक के भीतर आर्थिक विषयों के प्रति झिझक समाप्त कर आत्मविश्वास विकसित करना है, और इस उद्देश्य में वे बिलकुल सफल दिखाई देती हैं।

पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह आर्थिक स्वतंत्रता को केवल आय अर्जित करने तक सीमित नहीं रखती। लेखिका बार-बार इस बात पर बल देती हैं कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का अर्थ अपने भविष्य से जुड़े निर्णय स्वयं लेने की क्षमता विकसित करना है। बच्चों के सामने वित्तीय अनुशासन का उदाहरण प्रस्तुत करना, परिवार में आर्थिक संवाद को सहज बनाना और निवेश को जीवनशैली का हिस्सा बनाना ये विचार पुस्तक को केवल निवेश संबंधी मार्गदर्शिका नहीं रहने देते, बल्कि इसे सामाजिक चेतना से जोड़ देते हैं।

आज जब वित्तीय साक्षरता राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है और हिंदी में इस विषय पर सरल, प्रामाणिक तथा व्यावहारिक साहित्य अपेक्षाकृत कम उपलब्ध है, तब **'मैं हूँ अपनी धनलक्ष्मी'** इस कमी को प्रभावी ढंग से पूरा करती है। यह पुस्तक विशेष रूप से महिलाओं के लिए लिखी गई है, किंतु इसकी उपयोगिता केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है। आर्थिक अनुशासन, निवेश की प्रारंभिक समझ और वित्तीय निर्णयों को सहज रूप में समझने का इच्छुक प्रत्येक पाठक इससे लाभान्वित हो सकता है।

समग्र रूप में देखें तो **'मैं हूँ अपनी धनलक्ष्मी'** आर्थिक साक्षरता, सामाजिक संवेदनशीलता और व्यावहारिक जीवन-दृष्टि का संतुलित समन्वय प्रस्तुत करने वाली एक महत्त्वपूर्ण कृति है। यह पाठक को केवल धन का प्रबंधन करना नहीं सिखाती, बल्कि आर्थिक निर्णयों के प्रति जागरूक, आत्मविश्वासी और उत्तरदायी बनने की प्रेरणा भी देती है। सरल भाषा, क्रमबद्ध प्रस्तुति, जीवन से जुड़े उदाहरण और सकारात्मक दृष्टिकोण इस पुस्तक को समकालीन हिंदी साहित्य में वित्तीय साक्षरता पर लिखी गई उल्लेखनीय कृतियों की श्रेणी में स्थापित करते हैं।

आर्थिक आत्मनिर्भरता को सामाजिक परिवर्तन का आधार मानने वाले प्रत्येक पाठक के लिए यह पुस्तक निश्चित रूप से पठनीय और उपयोगी है। फिर चाहे वह स्त्री हो या पुरुष-सबके लिए संग्रहणीय पुस्तक है।

बच्चे करेंगे मजे से होमवर्क
अभिभावक पढ़ाते समय अपनाएं ये टिप्स

बच्चों के लिए होमवर्क मजेदार हो तो वे उसे खुशी-खुशी पूरा कर लेंगे और समय भी बचेगा। क्या आपको ऐसा लगता है कि आप अपने बच्चों को होमवर्क करने के लिए लगातार परेशान कर रही हैं? आप का ऐसा करना स्वाभाविक है, क्योंकि आप यही चाहती हैं कि आपके बच्चे आगे बढ़ें और स्कूल में अच्छा परफॉर्म करें, लेकिन पूरे दिन कागज, पेंसिल और किताबों से खेलने के बाद बच्चे अपना होमवर्क करने से कतराते हैं। इसलिए आपको अपने बच्चों के इस बोरिंग होमवर्क को मजेदार और रोचक बनाने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि वे बस होमवर्क को निपटाएं नहीं, बल्कि सीखें भी।

सहयोग है जरूरी

होमवर्क करने के लिए बच्चों को शांत और सुव्यवस्थित स्थान प्रदान करें। उन्हें होमवर्क से जोड़ने के लिए वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करें। छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें। अगर होमवर्क ज्यादा हो तो टुकड़ों में पढ़ाने की कोशिश करें। अगर वे गलतियां करें, तब भी उन्हें प्रोत्साहित करें। धैर्य रखें और जब वे प्रयास करें तो उनकी सराहना करें, उन्हें पुरस्कार दें। साथ ही यह याद रखना सबसे महत्वपूर्ण है कि हर बच्चा अलग होता है। कुछ बच्चों को दूसरों की तुलना में अधिक प्रेरणा और सहायता की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए थोड़े प्रयास और रचनात्मकता से आप उनके हर विषय को मजेदार और रोचक बनाने का प्रयास करें।

गणित

इस विषय को मजेदार बनाने के लिए आप खाने-पीने वाली चीजों का उपयोग कर सकती हैं। ये उन्हें सीखने में मदद करेंगे और भरपूर पोषण भी देंगी। संख्या आधारित बोर्ड गेम खेलना भी अच्छा साबित हो सकता है। इसलिए आप गणितीय समस्याओं को सुलझाने के लिए उन्हें पहेलियों और ब्रेन टीजर का उपयोग करना सिखाएं।

विज्ञान

घर पर विज्ञान के प्रयोग करें, जैसे कि ज्वालामुखी बनाना, बादलों का अध्ययन करना या खुद का स्लाइम बनाना। पार्क में जाएं और विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों का निरीक्षण कराएं। आप बच्चों को विज्ञान संग्रहालय या प्रदर्शनी में ले जाएं और विज्ञान मेलों या प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

इतिहास

आप अपने बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों या संग्रहालयों की यात्रा कराएं। ऐतिहासिक अवधियों और घटनाओं के बारे में जानने के लिए शॉर्ट फिल्में और डॉक्यूमेंट्री दिखाएं, खुद भी साथ में देखें और बीच-बीच में उन्हें जानकारी देती रहें।

भाषा-कला

कहानी लिखें, कविता बनाएं या गाना गाएं। विभिन्न प्रकार की किताबें और कहानियां पढ़ें। भाषा के खेल में बच्चों के साथ शब्द वाले खेल और पहेलियां खेलें। इन गतिविधियों को अधिक मजेदार बनाने के लिए विभिन्न पुरस्कारों और प्रोत्साहनों का उपयोग करें।

प्रशंसा के दो बोल

बाल मनोवैज्ञानिक गार्गी मालगुडी बताती हैं, होमवर्क घर के लिए ही होता है, इसलिए इसमें माता-पिता खुद-ब-खुद शामिल हो जाते हैं। ऐसे में यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उसे मजेदार बनाएं। बच्चा अपना होमवर्क तभी खुशी से करेगा, जब उसे लगेगा कि वो मजेदार है। इसलिए आपको उसके होमवर्क को व्यवहारिक बनाना होगा।

टीवी और स्क्रीन की सफाई कैसे करें ? ये आसान तरीके आएंगे काम

टीवी और स्क्रीन की सफाई करना एक महत्वपूर्ण कार्य है जो हमें अपने टीवी को स्वच्छ और अच्छे स्वास्थ्य के लिए बनाए रखने में मदद करता है। एक साफ और धूल मुक्त टीवी स्क्रीन देखने का अनुभव बेहतर बनाता है और उसके द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले चित्र और वीडियो की गुणवत्ता को बढ़ाता है।

माइक्रोफाइबर क्लोथ का उपयोग करें

टीवी और स्क्रीन की सफाई के लिए सबसे अच्छा तरीका है माइक्रोफाइबर क्लोथ का उपयोग करना। यह एक छोटा, नरम और आपके टीवी स्क्रीन पर कोई कठोरता नहीं लाने वाला कपड़ा होता है। माइक्रोफाइबर क्लोथ को धूल और धूल में भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे आपके टीवी और स्क्रीन को गहरी सफाई मिलती है। इसे धीरे-धीरे और हल्के हाथों से साफ करें और ध्यान दें कि आप इसे गीला न करें।

धूल को हटाएं

टीवी और स्क्रीन की सफाई करते समय, धूल और धूल को हटाना महत्वपूर्ण है। आपके टीवी की स्क्रीन पर जमी हुई धूल और धूल उसकी गुणवत्ता को कम कर सकती है और उसे कमजोर बना सकती है। इसलिए, सबसे पहले, एक सूखी और नरम ब्रश का उपयोग करके अपने टीवी और स्क्रीन पर धूल और धूल को हटाएं। ब्रश को हल्के हाथों से चलाएं और याद रखें कि आपको गहरी दबाव नहीं डालना है।

छाया और उजाले को ध्यान में रखें

जब आप अपने टीवी और स्क्रीन की सफाई कर रहे होते हैं, तो ध्यान दें कि आप उन्हें छाया और उजाले से दूर रखें। वहां बड़ी रोशनी या ऊँची छाया होने से आपको टीवी और स्क्रीन की सफाई करने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए, एक धूप में खड़े होकर अपने टीवी और स्क्रीन को सफाई करें और उन्हें धूप से दूर रखें।

टीवी स्क्रीन को गीला न करें

टीवी स्क्रीन को साफ करते समय, ध्यान दें कि आप उसे गीला नहीं करें। ज्यादा मात्रा में पानी टीवी स्क्रीन को नुकसान पहुंचा सकता है और उसे बिगाड़ सकता है। इसलिए, सबसे पहले अपने माइक्रोफाइबर क्लोथ को सूखा करें और फिर उसे टीवी स्क्रीन पर उपयोग करें। यदि आपको अधिक सफाई की आवश्यकता है, तो आप एक बौनी और सूखी कपड़े को थोड़ा सा गीला करके उसे उपयोग कर सकते हैं।

टीवी को मॉइस्चर से बचाएं

टीवी को मॉइस्चर से बचाना भी महत्वपूर्ण है। जब आप अपने टीवी की सफाई कर रहे होते हैं, तो ध्यान दें कि आप उसे बहुत गीला न करें और उसे नमी से दूर रखें। मॉइस्चर टीवी के लिए हानिकारक हो सकता है और उसे नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, सफाई करते समय उपयोग किए जाने वाले कपड़ों को हमेशा सूखा रखें और टीवी की सफाई के बाद उन्हें सुरक्षित रखें। इन आसान तरीकों का उपयोग करके आप अपने टीवी और स्क्रीन को स्वच्छ और मुक्त धूल से रख सकते हैं। ध्यान दें कि आप इन तरीकों को नियमित रूप से अपनाएं ताकि आपका टीवी हमेशा चमकदार और मुक्त धूल रहे।

खाने में ज्यादा हो गई है मिर्च तो अपनाएं ये तरीके, सही हो जाएगा स्वाद

भारतीय खाना पूरे विश्व में काफी फेमस है। दूर के देशों से लोग आकर यहां का खाना खाते हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि भारत में सबसे ज्यादा चटाकेदार खाना मिलता है। लोग यहां रोजाना के खाने में तीखा और मजेदार भोजन खाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि ज्यादा तीखा खाना बनाने के चक्कर में लोग गलती से ज्यादा मिर्च डाल देते हैं।

अगर हरी मिर्च ज्यादा डल जाए तो इसका तीखापन परेशानी नहीं देता, लेकिन अगर लाल मिर्च खाने में ज्यादा डल जाए तो ये मुश्किल बढ़ा देती है। लाल मिर्च ज्यादा डलने के बाद लोग उस खाने को फेंकना ही पसंद करते हैं। अगर आपके साथ भी अक्सर इस तरह की परेशानी हो जाती है तो हम आपको इस तीखेपन को कम करने के लिए कुछ तरीके बताने जा रहे हैं। कुछ चीजों के इस्तेमाल से आप इस तीखेपन को कम कर सकते हैं।

सब्जी में मिलाएं टमाटर पेस्ट

कई बार गलती से सब्जी में लाल मिर्च ज्यादा हो जाती है। ऐसे में आप तत्काल टमाटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस एक पैन में हल्का का तेल गर्म करना है और उसमें टमाटर के पेस्ट को सही से भूनना हैं। जब ये सही से भुन जाए तो इसमें सब्जी डाल दें। इससे मिर्च का स्वाद कम हो जाएगा।

देसी घी

हर घर में देसी घी तो पाया ही जाता है। ऐसे में अगर आपकी सब्जी में लाल मिर्च ज्यादा हो गई है तो देसी घी डालकर आप उसका स्वाद सही कर सकती हैं। देसी घी से मिर्च का तीखापन कम हो जाएगा।

मलाई

हर भारतीय घर के फ्रिज में आपको मलाई रखी तो मिल ही जाएगी। ऐसे में अगर आपकी सब्जी ज्यादा तीखी हो गई है, तो इसमें मलाई डालकर हल्का कुक कर लें। इससे सब्जी का तीखापन कम हो जाएगा।

मैदा

सब्जी में तीन से चार चम्मच मैदा मिलाकर आप इसके तीखेपन को दूर कर सकते हैं। अगर सब्जी में पानी ज्यादा हो गया है, तब भी आप मैदा डालकर उसे सही कर सकते हैं।

पार्टनर के इशारों को समझें नजरों की भाषा बढ़ाएगी प्यार

पति-पत्नी के रिश्ते में एक-दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं को जानने के लिए नजरों की भाषा को समझना भी बहुत जरूरी है। क्या आप दोनों एक-दूसरे की इस भाषा को समझते हैं?पति-पत्नी का रिश्ता दुनिया के सबसे अनूठे और महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। इसमें एक-दूसरे को जानना-समझना सबसे ज्यादा जरूरी होता है, जिसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है एक-दूजे की भावनाओं को पढ़ना। यह एक ऐसा बंधन है, जिसमें विश्वास, प्यार, सम्मान और समझदारी की आवश्यकता होती है। इस रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे की भावनाओं को महसूस करना भी बहुत जरूरी होता है, खासकर नजरों की भाषा को समझना, जो शब्दों से अधिक प्रभावी हो सकती है।

भाषा का महत्व

नजरें अक्सर हमारे दिल की बात कह देती हैं, जो पति-पत्नी के बीच संचार का एक महत्वपूर्ण साधन हो सकती हैं। पति-पत्नी का रिश्ता एक ऐसा बंधन है, जिसमें एक-दूसरे की भावनाओं और इच्छाओं को समझना बहुत जरूरी है। नजरों की भाषा इस संचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो कभी-कभी शब्दों से भी अधिक प्रभावी हो जाती है। इसको समझने से आपसी समझ, विश्वास, संवेदनशीलता और संवाद में सुधार आता है। नजरों के साथ-साथ शरीर की अन्य भाव-भंगिमाएं भी एक-दूसरे को बिना कहे कुछ कहने का माध्यम होती हैं।

फायदे हैं अनेक

नजरों की भाषा को समझने से कई लाभ होते हैं। यह न केवल आपके संचार को सुधारती है, बल्कि रिश्ते को भी मजबूत बनाती है। नजरों की इस भाषा से पता चलता है कि आप दोनों में कितना अच्छा तालमेल है। कई बार आप परिवार के बीच होती हैं या सार्वजनिक स्थानों पर होती हैं तो वहां आपके पास शब्दों का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होता। ऐसे में नजरें ही संवाद का माध्यम बनती हैं।

नजरों की भाषा को समझना एक कला है, जो समय के साथ विकसित होती है। इसके लिए भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से जुड़े रहना जरूरी होता है। अगर आप अपने साथी की भावनाओं को समझती हैं तो उनकी नजरों से कही गई बातों को भी आसानी से समझ सकती हैं। जब आप बिना शब्दों के ही एक-दूसरे को समझ पाती हैं तो आपका संवाद अधिक प्रभावी और कारगर हो जाता है। इससे गलतफहमियां कम होती हैं और आपसी संबंधों में सुधार होता है।

कैसे करें इस्तेमाल

अपनी नजरों के माध्यम से साथी को प्रेम और स्नेह का अहसास दिलाएं। जब आपका साथी किसी मुश्किल परिस्थिति में हो तो नजरों के माध्यम से उन्हें यह एहसास दिलाएं कि आप उनके साथ हैं। जब आप अपने साथी से बात कर रही हों तो उनकी आंखों में देखें। इससे एक गहरा संपर्क बनता है और आपके बीच की समझ बढ़ती है। नजरें आपको यह जानने में भी मदद करेंगी कि आपका साथी कब खुश होता है, कब परेशान होता है और कब कुछ कहना चाहता है।

सकारात्मक सोच बहुत जरूरी

मनोवैज्ञानिक मेघा शर्मा बताती हैं, नजरों की भाषा, जिसे हम बॉडी लैंग्वेज या नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन भी कहते हैं, किसी भी शादीशुदा रिश्ते के लिए अहम है।

खासकर आज के समय में यह भाषा बहुत मायने रखती है, क्योंकि आज के समय ज्यादातर युगल एक-दूसरे के प्रति नेगेटिव अप्रोच ज्यादा रखते हैं। कई बार अनजाने में ही हम अपने साथी को नीचा दिखा देते हैं या उसका दिल दुखा देते हैं, जिससे वह भावनात्मक रूप से टूटने लगता है। इसलिए दोनों के बीच संवाद होना बेहद जरूरी है।

भारत की फैक्ट्रियों ने जून में लगा दी दौड़

दनादन रफ्तार से उत्पादन 7 .3% पहुंचा

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जून 2026 में भारत का औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर बढ़ा है। यह बढ़कर 7.3% हो गया। मई में यह 5.1% की संशोधित ग्रोथ रेट से ज्यादा है। इस ग्रोथ में मैन्युफैक्चरिंग में तेज विस्तार और बिजली-गैस सप्लाई में मजबूत बढ़ोतरी का अहम योगदान रहा। मंगलवार को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से इसका पता चलता है।

इस ग्रोथ में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान सबसे ज्यादा रहा। इसमें 7.8% का विस्तार हुआ। जबकि बिजली और गैस सप्लाई में 10.6% की बढ़ोतरी हुई। माइनिंग और क्वारींग (खनन और उत्खनन) में 1% की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। साथ ही जलापूर्ति, सीवरेज और कचरा प्रबंधन में 6.1% की ग्रोथ हुई। जून 2026 में आईआईपी का क्विक एस्टीमेट 123.1 रहा, जबकि जून 2025 में यह 114.7 था।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का शानदार प्रदर्शन

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जून में 23 में से 19 इंडस्ट्री ग्रुप्स ने पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की।

मैन्युफैक्चरिंग में ग्रोथ में योगदान देने वाले टॉप तीन सेक्टर थे- 'इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट का निर्माण' (34% की ग्रोथ), 'मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर का निर्माण' (17.5% का विस्तार) और 'खाद्य उत्पादों का निर्माण' (10.8% की बढ़ोतरी)। मंत्रालय के अनुसार, इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट सेगमेंट में ग्रोथ में योगदान देने वाली प्रमुख चीजों में इलेक्ट्रिकल सर्किट को स्विच या सुरक्षित करने वाले उपकरण, यूपीएस और सॉलिड-स्टेट ड्राइव के साथ ऑप्टिकल फाइबर और केबल के लिए एंड-फेस कनेक्टर शामिल थे।

मोटर व्हीकल सेगमेंट में ऑटो कंपोनेंट्स, स्पेयर पार्ट्स और एक्सेसरीज, पैसेंजर कारें और कमर्शियल वाहन ग्रोथ में मुख्य कॉन्ट्रिब्यूटर थे।

फूड प्रोडक्ट कैटेगरी में सबसे बड़े कॉन्ट्रीब्यूटर

खाद्य उत्पाद श्रेणी में चाय, चावल (बासमती के अलावा) और स्टार्च इस सेक्टर के विस्तार में मुख्य कॉन्ट्रिब्यूटर थे।उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, कैपिटल गुड्स के उत्पादन में 14.2% की सबसे तेज ग्रोथ दर्ज की गई। यह लगातार निवेश गतिविधि का संकेत है। इंटरमीडिएट गुड्स का उत्पादन 9.3% बढ़ा। इंफ्रास्ट्रक्चर और कंस्ट्रक्शन गुड्स में 7.5% की बढ़ोतरी हुई।

एक्सपोर्ट का महारथी बना गुजरात! पूरे देश में नंबर 1; भेजा 863 अरब डालर का सामान

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात भारत का एक प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्र ही नहीं है, बल्कि आज देश के एक्सपोर्ट सेक्टर का ग्रोथ इंजन भी बन गया है। दरअसल, भारत ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में 863 अरब डॉलर का रिकॉर्ड एक्सपोर्ट किया है और इसमें 110 अरब डॉलर (10.53 लाख करोड़ रुपये) की हिस्सेदारी के साथ गुजरात सभी राज्यों में नंबर वन है। इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, पेट्रोलियम उत्पाद, केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर्स ने गुजरात के एक्सपोर्ट को मजबूती प्रदान की है। बिजनेस जगत से जुड़े लोगों के मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में सरकार द्वारा लागू की गई औद्योगिक, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़ी नीतियों की वजह से निर्यात में गुजरात का योगदान लगातार बढ़ रहा है।

खास पॉलिसी का नतीजा

राजकोट इंजीनियरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र पंचानी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ गुजरात ने भी एक्सपोर्ट में अग्रणी भूमिका निभाई है। ऐसा इसलिए, क्योंकि राज्य की अलग-अलग नीतियां, जैसे गुजरात की इंडस्ट्रियल पॉलिसी, पहले नंबर पर रही हैं और हाल ही में जो नई पॉलिसी आई है, वह भारत में आने वाली पहली ऐसी पॉलिसी है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, गुजरात को एक्सपोर्ट सेक्टर में अव्वल बनाने में कम लॉजिस्टिक कॉस्ट और बेहतरीन ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर की भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। देश के अग्रणी और अत्याधुनिक बंदरगाह गुजरात में है, साथ ही राज्य में कई स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) भी स्थापित हैं, जो

एक्सपोर्ट ग्रोथ के एक बड़े हब के तौर पर उभरे हैं।

सेमीकंडक्टर और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में इन्वेस्टमेंट

वहीं, सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने आईएएनएस से कहा कि गुजरात अब पारंपरिक सेक्टरों से आगे निकलकर सेमीकंडक्टर और फाइनेंशियल एक्सपोर्ट जैसे न्यू एज सेक्टरों की ओर भी मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। राज्य में सेमीकंडक्टर और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में व्यापक स्तर पर इन्वेस्टमेंट हो रहा है, साथ ही गुजरात ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग व इंडस्ट्री मैप पर भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में गुजरात की एक्सपोर्ट कैपेसिटी में और ज्यादा वृद्धि की संभावना है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), अहमदाबाद के ज्वाइंट डायरेक्टर राहुल सिंह के अनुसार मजबूत पोर्ट सिस्टम, डेवलप्ड इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड नीतियों और ग्लोबल मार्केट के साथ सशक्त कनेक्टिविटी की वजह से गुजरात आज जहां देश का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट करने वाला राज्य बन गया है।वहीं 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में भी अपनी अहम भूमिका निभा रहा है।

उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 70 अंक गिरा, निफ्टी सपाट

वैश्विक बिकवाली का बाजार पर दबाव

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 70 अंक की गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी लगभग सपाट रहकर 24 हजार के स्तर से नीचे आ गया। निवेशकों ने वैश्विक तकनीकी शेयरों में तेज बिकवाली के बीच सतर्कता बरती। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदों ने बाजार को कुछ सहारा दिया।

हालांकि, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले बाजार प्रतिभागियों में सावधानी बनी रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 9.5 फीसदी गिरकर पिछले अप्रैल के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। चिप बनाने वाली कंपनियां सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स के शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई। भारतीय बाजार में बीईएल और आईसीआईसीआई के शेयर चार फीसदी तक गिरे। विभिन्न क्षेत्रों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने बढ़त बनाई। प्रौद्योगिकी शेयरों में मजबूत खरीदारी से इसे समर्थन मिला। रियल एस्टेट और एफएमसीजी क्षेत्र के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। यह रक्षात्मक और घरेलू-उन्मुख क्षेत्रों में निवेशकों की चुनिंदा रुचि को दर्शाता है। हालांकि, बैंकिंग, धातु, ऑटो और वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र दबाव में रहे। इन क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन ने बाजार की व्यापक बढ़त को सीमित कर दिया। यह बताता है कि निवेशक वृद्धि वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रहे हैं। वहीं, चक्रीय क्षेत्रों को लेकर वे अभी भी सतर्क हैं।टोक्यो समय के अनुसार सुबह 11:04 बजे तक एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.2 फीसदी की गिरावट आई। जापान का निक्केई 225 फ्यूचर्स 4.7 फीसदी नीचे रहा। जापान का टोपीक्स सूचकांक भी 2.9 फीसदी गिर गया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक 0.3 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.7 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। शंघाई कंपोजिट में 0.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स में बहुत कम बदलाव आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के पहली तिमाही के राजस्व में सालाना आधार पर 10 फीसदी की वृद्धि हुई। यह बढ़कर 17,149 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, एकमुश्त कर क्रेडिट के कारण कंपनी का लाभ 3 फीसदी गिर गया। विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 0.07 फीसदी मजबूत हुआ। रुपया 95.8450 प्रति अमेरिकी डॉलर पर बंद हुआ। इसका पिछला बंद स्तर 95.91 था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त 18-49
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष बुधवार 29 July 2026
तिथि - पूर्णिमा 20-05 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 15-37 तक उप श्रवण
योग - प्रीति 23-57 रात्रि तक उप आयुष्मान
करण - विष्टी 07-14 तक उप बव
गुरु पूर्णिमा
पूर्णिमा व्रत चातुर्मास प्रा

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	कर्क	मे	कर्क--- 05-06	बजे
चंद्र	मकर	मे	सिंह--- 07-22	बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-- 09-28	बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला----- 11-34	बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक--13-44	बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु---- 15-58	बजे
शनि	मीन	मे	मकर-- 18-03	बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ--- 19-54	बजे
केतु	सिंह	मे	मीन--- 21-32	बजे
			मेष---- 23-08	बजे
			वृष----- 00-53	बजे
			मिथुन-- 02-54	बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-23 से 13-59 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ 05-56 - 07-32 शुभ	उत्पात18-48 - 20-13 अशुभ
अमृत 07-32 - 09-09 शुभ	शुभ. 20-13 - 21-36 शुभ
काल 09-09 - 10-46 अशुभ	अमृत 21-36 - 22-59 शुभ
शुभ 10-46 - 12-23 शुभ	चंचल 22-59 - 00-23 शुभ
रोग 12-23 - 13-59 अशुभ	रोग 00-23 - 01-46 अशुभ
उत्पात13-59 - 15-36 अशुभ	काल 01-46 - 03-09 अशुभ
चंचल 15-36 - 17-13 शुभ	लाभ 03-09 - 04-33 शुभ
लाभ 17-13 - 18-48 शुभ	उत्पात04-33 - 05-56 अशुभ

ई20 पेट्रोल इस्तेमाल करने पर इंश्योरेंस क्लेम खारिज हो सकता है? सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल करने पर इंश्योरेंस क्लेम को खारिज नहीं किया जा सकता है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। ऐसे पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिला होता है। यह क्लैरिफिकेशन तब आया है जब हाल ही में बीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया। ऐसा करके ग्राहकों से 'बिना किसी चिंता के ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल करने' की अपील की। इसमें कहा गया कि यह दावा सरासर गलत है कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से इंश्योरेंस क्लेम खारिज हो जाएगा। सिर्फ ई20 के इस्तेमाल के आधार पर कोई इंश्योरेंस क्लेम खारिज नहीं किया जा सकता।'

सरकार ने दूर की हैं कई गलतफहमियां

इसके पहले पेट्रोलियम मंत्रालय ने इथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल से जुड़ी कई गलतफहमियों को दूर करने के लिए एक डिटेल्ड प्रेस रिलीज जारी की थी। इसमें व्हीकल इंश्योरेंस, इंजन खराब होने और ईंधन की क्वालिटी से जुड़े दावों पर बात की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि ई20 फ्यूल से व्हीकल इंश्योरेंस पॉलिसी अमान्य हो सकती है, इस चिंता की जांच की गई और

इसे गलत पाया गया। सरकार ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि इथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल से इंजन को बड़े पैमाने पर नुकसान होता है या कीड़े आकर्षित होते हैं। सरकार ने कहा कि ऐसी बातों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित

मंत्रालय के अनुसार, इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। इसे ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स और फ्यूल-टेस्टिंग एजेंसियों के साथ सलाह-मशविरा करके लागू किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि 2023 में ई20 पेट्रोल की शुरुआत के बाद से इथेनॉल ब्लेंडिंग के कारण इंजन खराब होने या वाहन के बंद पड़ने की कोई व्यापक रिपोर्ट नहीं मिली है।मंत्रालय ने आगे कहा कि ईंधन ब्लेंडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला इथेनॉल स्थापित औद्योगिक प्रक्रियाओं के जरिये बनाया गया है।

चांदी 6,543 गिरकर 2.18 लाख पर आई

इस साल 12 हजार सस्ती हो चुकी, सोने के दाम में आज 1,907 की गिरावट

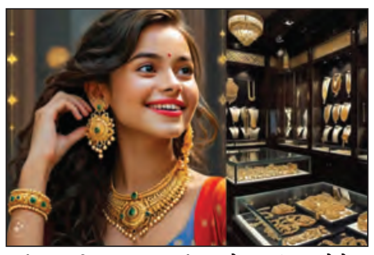

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में 28 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 6,543 रुपए सस्ती होकर 2.18 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,907 रुपए गिरकर 1.43 लाख रुपए पर आ गया है।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 12 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.18 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोना इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

जॉनसन एंड जॉनसन ने दिया 5.5 अरब डालर का ऑफर

बेबी पाउडर से कैंसर होने का है आरोप

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की मल्टीनेशनल कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने हजारों मुकदमों को निपटाने के लिए 5.5 अरब डॉलर तक देने की पेशकश की है। इन मुकदमों में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के बेबी पाउडर और टैल्कम वाले दूसरे उत्पादों से ओवेरियन कैंसर (अंडाशय का कैंसर) होता है। हालांकि कंपनी ने इन आरोपों से इनकार किया है। साथ ही कंपनी ने अपने मशहूर बेबी पाउडर का फॉर्मूला भी बदल दिया है। न्यू जर्सी की यह हेल्थकेयर कंपनी पिछले कई साल से कानूनी पचड़ों में फंसी है। कंपनी के लिटिगेशन मामलों के वाइस प्रेसिडेंट एरिक हास ने सोमवार को कहा कि जॉनसन एंड जॉनसन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं और कंपनी मुकदमेबाजी को हमेशा के लिए सुलझाने के मकसद से समझौता करने को तैयार है। इस समझौते में लगभग 76,000 मामले शामिल होंगे, जो टैल्क से जुड़े ज्यादातर दावों को कवर करेंगे।

कैंसर होने का दावा

कंपनी ने कहा कि प्रस्ताव को अंतिम रूप देने से पहले उसे उन कानूनी फर्मों की मंजूरी मिलनी चाहिए जो ओवेरियन कैंसर के 95% दावों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। हास ने उम्मीद जताई कि प्रस्तावित समाधान से कंपनी इस मामले को पीछे छोड़ सकेगी और जीवन रक्षक दवाएं और उपकरण विकसित करने के अपने मिशन पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी। कंपनी के टैल्क-बेस्ड बेबी पाउडर के खिलाफ मुकदमे 2009 में ही शुरू हो गए थे। टैल्क एक प्राकृतिक मिनरल है जो मैग्नीशियम, सिलिकॉन, ऑक्सीजन और हाइड्रोजन से बना होता है। यह छूने में साबुन जैसा महसूस होता है और अक्सर बेबी पाउडर में इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी को उन ग्राहकों और उनके परिजनों की तरफ से मुकदमों का सामना करना पड़ा है, जिनका दावा है कि एस्बेस्टस की मिलावट के कारण कंपनी के टैल्क प्रोडक्ट से कैंसर हुआ।

अमेरिका में बिक्री

टैल्क जमीन से निकाला जाता है और यह अक्सर एस्बेस्टस के पास ही पाया जाता है। एस्बेस्टस एक ऐसा मटीरियल है जिससे कैंसर होने का खतरा होता है। हालांकि कंपनी ने बार-बार इन आरोपों को नकारा है। 2022 में कंपनी ने दुनिया भर में अपने टैल्क-बेस्ड बेबी पाउडर का उत्पादन और बिक्री बंद कर देगी। उससे दो साल पहले ही कंपनी अमेरिका में इसकी बिक्री बंद कर दी थी।

अमेरिका से टैरिफ जंग में भारत की लगी लॉटरी

भारतीय दवाओं के लिए यूरोप ने खोले दरवाजे; निर्यात को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के साथ टैरिफ तनाव के बीच यूरोप ने भारतीय दवा कंपनियों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने कई भारतीय कंपनियों को यूरोपीय संघ (ईयू) में दवाओं के कच्चे पदार्थ यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) के निर्यात के लिए लिखित मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि ये कंपनियां अब यूरोप के सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए कैंसर, एंटीबायोटिक और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाले एपीआई का निर्यात कर सकेंगी।

भारतीय कंपनियों को किन शर्तों पर मिली मंजूरी

सीडीएससीओ ने स्पष्ट किया है कि

मंजूरी मिलने के बाद भी सभी कंपनियों को लगातार गुणवत्ता मानकों का पालन करना होगा। यदि निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलती है, दवा की गुणवत्ता मानकों से कम पाई जाती है या स्थानीय अथवा अंतरराष्ट्रीय नियामकों की रिपोर्ट में कोई अनियमितता सामने आती है, तो इसकी जानकारी सात दिनों के भीतर देनी होगी। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में यह मंजूरी तत्काल निलंबित या रद्द की जा सकती है।

इस समझौते से भारत और यूरोप को क्या होगा फायदा

दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर लगने वाले कर समाप्त होने से भारतीय जेनेरिक दवाएं यूरोप में और अधिक सस्ती तथा प्रतिस्पर्धी बनेंगी। साथ ही, प्रशासनिक लागत कम होगी और नियमों के सरल होने से दवाओं को यूरोप में मंजूरी मिलने की प्रक्रिया भी पहले की तुलना में तेज हो जाएगी।

किन भारतीय कंपनियों को मिली यूरोप में निर्यात की मंजूरी

यूरोपीय संघ में एपीआई निर्यात की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में ऑनर लैब लिमिटेड (तेलंगाना), रवि बायोलाइफ प्राइवेट लिमिटेड (महाराष्ट्र) और यूनीमैक्स केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड (महाराष्ट्र) शामिल हैं।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले,लो, अ,
आपका स्वाभाविक आकर्षण और दृढ़ संकल्प आपके पेशेवर जीवन में ध्यान आकर्षित करता है। फोकस और प्रेरणा मजबूत है, और आप अपने आस-पास के माहौल को सुंदर बनाते हैं। फिर भी, एक सतर्क मानसिकता आपके दृष्टिकोण को परिष्कृत करने में मदद करती है। आशावाद को जिम्मेदारी के साथ संतुलित करें, और आज आप अपने रचनात्मक प्रयासों और पेशेवर उपलब्धियों दोनों में प्रगति पाएंगे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वु, वे, वो
आपका काम और पढ़ाई स्पष्ट सोच और व्यावहारिक कदमों के साथ आगे बढ़ती है। आत्मविश्वास दूसरों को आपकी ओर आकर्षित करता है, जबकि आपकी जमीनी मानसिकता स्थिर प्रगति सुनिश्चित करती है। रचनात्मक विचार आसानी से प्रवाहित होते हैं, जिससे आपको दूरदर्शिता और प्रतिभा के साथ कार्यों को पूरा करने में मदद मिलती है।

मिथुन का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आपका कार्यदिवस गर्मजोशी और रचनात्मकता से भरा हुआ महसूस करने वाला है। आपके आस-पास की पोषण ऊर्जा मजबूत संबंधों का समर्थन करती है, जबकि आपका अंतर्ज्ञान निर्णय लेने में मदद करता है। संचार सहजता से प्रवाहित होता है, जिससे बातचीत सुखद और उत्पादक बनती है। भावुक क्षण आ सकते हैं, खासकर टीम की गतिशीलता में।

कर्क ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज नेतृत्व स्वाभाविक रूप से आता है, और भावनात्मक अंतर्दृष्टि के माध्यम से आपके काम में तीव्रता आती है। आपकी ताकत मामूली आत्मविश्वास और एक अनोखी जागरूकता में निहित है जिसे दूसरे गलत समझ सकते हैं। चुनौतियों से निपटने के लिए अपने अनुशासन और दूरदर्शिता पर भरोसा करें। धैर्य, संरचना और सहज अंतर्दृष्टि के प्रति खुलापन आपको अपने करियर में सार्थक प्रगति दिलाता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प आपके कार्यदिवस को परिभाषित करते हैं। तार्किक सोच और निरंतर प्रयास परिणाम लाते हैं। आपको धीमी प्रगति का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अनुकूलनशीलता चुनौतियों को कदम में बदल देती है। संयमित और आविष्कारशील बने रहने की अपनी क्षमता पर भरोसा करें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपका सावधान और रणनीतिक दृष्टिकोण स्थिर प्रगति की ओर ले जाता है। आत्मविश्वास आपके प्रयासों को बढ़ावा देता है, जबकि ध्यान आपको ट्रैक पर रखता है। मानसिक स्पष्टता योजना बनाने में मदद करती है, लेकिन आंतरिक तनाव से अवगत रहें जो आपकी भलाई को प्रभावित कर सकता है। आज उत्पादकता और मन की शांति दोनों को बनाए रखने के लिए महत्वाकांक्षा को आत्म-देखभाल के साथ संतुलित करें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी रचनात्मकता बढ़ रही है, जो प्रभावशाली लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। भावनात्मक उतार-चढ़ाव आपके संतुलन की परीक्षा ले सकते हैं, इसलिए स्थिर रहें। आप उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने में सक्षम हैं, लेकिन खुद को अलग-थलग करने से बचें। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहें और अपने पेशेवर जीवन में आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ने के लिए इस गतिशील ऊर्जा का उपयोग करें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,
ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
सिंह राशि में सूर्य के प्रभाव में आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ती है, जो आपको करियर और पढ़ाई दोनों में जिम्मेदारी संभालने के लिए सशक्त बनाती है। सिंह राशि में चंद्रमा आपकी आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ाता है, जिससे समूह में आपकी उपस्थिति महसूस होती है। बृहस्पति का व्यापक प्रभाव आशाजनक अवसर लाता है।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने करियर में दृढ़ संकल्प की भावना महसूस कर सकते हैं, हालांकि हिचकिचाहट के क्षण आपकी गति को धीमा कर सकते हैं। विनम्र और केंद्रित रहें - निरंतर प्रयास से चुनौतियों पर काबू पाया जा सकता है। आपकी पढ़ाई में, कभी-कभी प्रगति असमान लग सकती है, लेकिन दृढ़ता से सार्थक समझ और मूल्यवान सफलताएँ मिलेंगी।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
आपकी उपलब्धियों के लिए मान्यता बढ़ने से आपका करियर और पढ़ाई आगे बढ़ सकती है, आत्मविश्वास बढ़ेगा और सफलता के नए अवसर खुलेंगे। अच्छे स्वास्थ्य में वृद्धि की उम्मीद करें, जिससे आप चुनौतियों का डटकर सामना कर सकेंगे। यह दिन आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को उजागर करता है, जिससे सहकर्मियों को समझने में मदद मिलती है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

फिर कायम हुई ऐप्पल की बादशाहत! एनवीडिया और स्पेसएक्स की वजह से बदला मार्केट कैप का गणित

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सोमवार को एपल, एनवीडिया को पीछे छोड़कर दुनिया की सबसे वैल्यूएबल पब्लिकली ट्रेडेड कंपनी बन गई। कंपनी के शेयरों में 1 परसेंट की बढ़ोतरी से इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 4.95 ट्रिलियन डॉलर हो गया।सेशन के दौरान एनवीडिया के शेयर 4.99 परसेंट गिरे, जिससे एआई चिपमेकर की वैल्यूएशन लगभग 4.77 ट्रिलियन डॉलर रह गई। इससे इस महीने दोनों कंपनियों के बीच जो कड़ी टक्कर चल रही थी, वह और बढ़ गई है।ऐप्पल ने 17 जुलाई को एनवीडिया को कुछ समय के लिए पीछे छोड़ दिया था, जब दोनों कंपनियों की वैल्यू क्रमशः \$4.88 ट्रिलियन और \$4.86 ट्रिलियन थी। एनवीडिया लगभग एक साल तक टॉप पर थी, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल को ट्रेन और ऑपरेट करने के लिए इस्तेमाल होने वाले ग्राफिक्स प्रोसेसर की डिमांड का सपोर्ट मिला था। यह अक्टूबर 2025 में 5 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन पार करने वाली पहली कंपनी बन गई।सोमवार को एनवीडिया में गिरावट एआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के स्केल और फाइनेंसिंग की नई जांच के बीच आई। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया कि कंपनी ओहियो में ओपनएआई डेटा-सेंटर प्रोजेक्ट के लिए लगभग 250 बिलियन डॉलर की फाइनेंशियल गारंटी देने के लिए बातचीत कर रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित गारंटी से प्रोजेक्ट को फाइनेंसिंग पाने में मदद मिलेगी। बातचीत अभी भी जारी है, और शर्तें बदल सकती हैं।

ऐप्पल की कम खर्च वाली एआई स्ट्रैटेजी

ऐप्पल के टॉप पर वापस आने से उसकी कैपिटल-स्पेंडिंग स्ट्रैटेजी और कई दूसरी बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों की स्ट्रैटेजी के बीच के अंतर पर ध्यान गया है। याहू फाइनेंस अल्फासेंस डेटा के मुताबिक, आईफ़ोन बनाने वाली कंपनी का

कैपिटल खर्च पिछली तीन तिमाहियों में कम हुआ है। ऐप्पल ने डेटा सेंटर, कंप्यूटिंग कैपेसिटी और दूसरे एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न और मेटा प्लेटफ़ॉर्म्स के खर्च के बराबर खर्च नहीं किया है।उदाहरण के लिए, अल्फ़ाबेट ने पिछले हफ्ते एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा खर्च की रिपोर्ट के बाद अपने अनुमानित 2026 कैपिटल खर्च को 195 बिलियन डॉलर और 205 बिलियन डॉलर के बीच बढ़ा दिया। कंपनी ने इस तिमाही के लिए 5.9 बिलियन डॉलर का नेगेटिव फ्री कैश फ्लो भी दर्ज किया। ऐप्पल के तुलनात्मक रूप से कम खर्च की वजह से पहले यह आलोचना हुई थी कि वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अपने कॉम्पिटिटर से पीछे रह रहा है।फ्रीडम कैपिटल मार्केट्स के चीफ मार्केट स्ट्रैटेजिस्ट जे वुड्स ने याहू फाइनेंस को बताया कि एक समय एआई पर ज्यादा खर्च न करने के लिए आलोचना झेलने के बाद, वे उन कुछ कैपेक्स नुकसानों से बचने में कामयाब रहे हैं। ऐप्पल ने सबसे बड़े क्लाउड-कंप्यूटिंग प्रोवाइडर्स के बराबर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए बिना एआई प्रोडक्ट्स बनाना जारी रखा है। जून में अपने वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में, कंपनी ने सिरी एआई पेश किया, जो इसके वॉयस असिस्टेंट का एक नया डिजाइन किया गया वर्जन है जिसमें बातचीत की क्षमताएं, पर्सनल कॉन्टेक्स्ट तक पहुंच और डिवाइस की स्क्रीन पर दिखाई गई जानकारी का इस्तेमाल करने की क्षमता है।

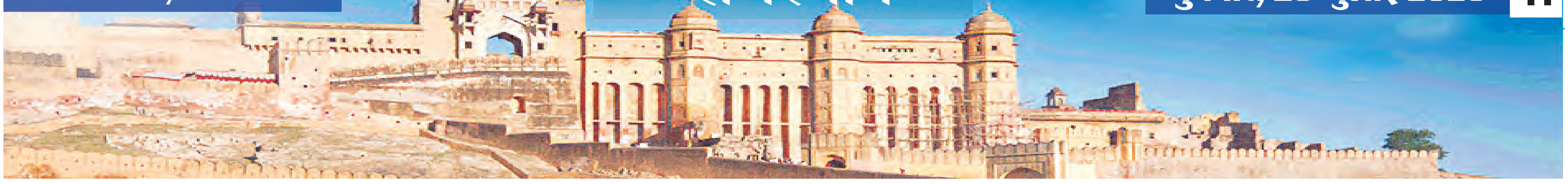

सोनम वांगचुक की तर्ज पर जयपुर में भी अनशन

लगातार छठे दिन भूख हड़ताल जारी, आखिर किन मांगों पर अड़ा है आंदोलन?

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर करीब एक महीने चला प्रोटेस्ट काफी चर्चा में रहा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मुख्य मांग को लेकर इस प्रोटेस्ट की शुरुआत हुई थी।आंदोलन की अगुवाई करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर रहे थे। 26 दिन के बाद उन्होंने अपनी भूख हड़ताल समाप्त की थी। दिल्ली में चले इस प्रोटेस्ट के समर्थन में देशभर के कई राज्यों में छात्रों और युवाओं ने प्रदर्शन किया। इधर, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जयपुर में एक प्रोटेस्ट जारी है। राजस्थान यूनिवर्सिटी कैंपस में जारी इस प्रोटेस्ट में छात्र नेता शुभम रेवाड़ पिछले 6 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

इस आंदोलन में मुख्यतः दो मांगें रखी जा रही हैं। शुभम रेवाड़ की पहली मांग है कि राजस्थान यूनिवर्सिटी में राजस्थानी भाषा के लिए स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर का अलग विभाग शुरू किया जाए। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय में फ्रेंच और स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाओं के नियमित कोर्स उपलब्ध हैं, लेकिन राजस्थानी भाषा अभी भी सिर्फ सेल्फ-फाइनेंस कोर्स के रूप में पढ़ाई जाती है। इस कोर्स की फीस करीब 50 हजार रुपये है, जबकि विदेशी भाषा के कोर्स की फीस 2 से 4 हजार रुपये के बीच है। उनका कहना है कि जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा रही है, तो राज्य की मातृभाषा को प्राथमिकता क्यों नहीं दी जा रही। रेवाड़ का कहना है कि राजस्थानी भाषा में मास्टर्स, पीएचडी और रिसर्च करना चाहने वाले कई छात्रों को मौका नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि इसके लिए अलग विभाग ही नहीं है।

इसके अलावा उनकी दूसरी मांग छात्रसंघ चुनाव को लेकर है। साल 2022 से सरकार ने छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा रखी है। उनकी मांग है कि चुनाव दोबारा शुरू किए जाने चाहिए ताकि छात्रों को उनका प्रतिनिधि मिल सके।

दिल्ली में करीब दो महीने तक आंदोलन करने के बाद सीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष रांका आज जयपुर आ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी साझा करते हुए बताया कि वह सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीपक बलियान के साथ शाम 5 बजे राजस्थान यूनिवर्सिटी पहुंचेंगे।

यहां वे आंदोलन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेंगे। अपने पोस्ट में आशुतोष रांका ने यह भी लिखा कि जब तक देश की शिक्षा व्यवस्था को ठीक नहीं कर देते, तब तक सीजेपी चुप नहीं बैठेगी।

क्या फिर खुलेगी गहलोत सरकार में 17 बार पेपर लीक की 'बंद फ़ाइल'?

मंत्री किरोड़ी की शिकायत- अमित शाह लेंगे फैसला

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्तर पर नीट परीक्षा धांधली को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच राजस्थान में वर्ष 2021 की रीट परीक्षा पेपर लीक का मामला एक बार फिर राजनीति के केंद्र में आ गया है। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक अत्यंत संवेदनशील पत्र भेजकर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए तमाम पेपर लीक मामलों की केंद्रीय एजेंसियों से व्यापक जांच कराने की मांग की है। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अपने इस पत्र में पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग का नाम लेते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों, आरपीएससी के पूर्व पदाधिकारियों और राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े बड़े नामों पर गंभीर आरोप मढ़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्री को भेजे गए पत्र में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने आरोप लगाया है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ संस्थागत खिलवाड़ किया गया।

मंत्री किरोड़ी मीणा ने दावा किया कि कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल के दौरान आयोजित कुल 18 प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं में से 17 के प्रश्नपत्र सुनियोजित तरीके से लीक कराए गए थे। पत्र में गंभीर खुलासा करते हुए लिखा गया है कि कांग्रेस सरकार के एक पूर्व मंत्री ने सीकर में अपने बेटे के राजनीतिक और व्यक्तिगत प्रोजेक्ट्स के लिए पेपर लीक गिरोह के माध्यम से लगभग 40 करोड़ रुपये की अकूत राशि एकत्र की थी। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने पत्र के साथ कई गोपनीय दस्तावेज, संदिग्ध तस्वीरें और प्रमाण संलग्न कर केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंपे हैं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि राजीव गांधी स्टडी सर्किल की स्थापना कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की प्रेरणा से हुई थी। इसके शीर्ष पदाधिकारियों के तार सीधे कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से जुड़े हुए हैं और रीट सहित कई पेपर लीक की कड़ियां इसी संस्था के कारिंदों तक पहुंचती हैं। रीट-2021 परीक्षा की गोपनीयता पर सवाल उठाते हुए मीणा ने लिखा कि तत्कालीन शिक्षा मंत्री, आरपीएससी अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारियों के दबाव में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने नियम ताक पर रखकर प्रश्नपत्र छपाई का कार्य कोलकाता की 'सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस' को दिया। आरोप है कि यह प्रेस इस प्रकार के गोपनीय कार्य के लिए अधिकृत ही नहीं थी, फिर भी नियमों को दरकिनार कर उसे लगातार दूसरी बार भी काम सौंपा गया। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने पत्र में इस बात पर भी निराशा जताई कि पर्याप्त सबूत होने के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। किरोड़ी मीणा ने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस पूरे फर्जीवाड़े को लेकर पूर्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्यक्तिगत मुलाकात की थी। पीएमओ के कड़े निर्देशों के बाद ही यह मामला जांच के लिए ईडी तक पहुंचा था।

उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया है कि चूंकि अब ठोस सबूत, कागजात और तस्वीरों की फाइल केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दी गई है, इसलिए ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों को निर्देश देकर इस पूरे सिंडिकेट के आकाओं को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

दुबई- कुवैत बांग्लादेश, सीजेपी प्रोटेस्ट फंडिंग की जांच हो, राजस्थान बीजेपी चीफ कर रहे मांग

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए आंदोलन के पीछे विदेशी फंडिंग की आशंका जताते हुए एक बार फिर राजस्थान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने अपनी बात रखी है। उन्होंने सरकार से इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए राठौड़ ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को विदेश से वित्तीय मदद मिल रही है। मदन राठौड़ ने सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों के लिए दुबई, कुवैत, बांग्लादेश और अन्य देशों से खाने के ऑर्डर बुक किए गए थे। उन्होंने एक चौंकाने वाला उदाहरण देते हुए कहा, ₹एक व्यक्ति जो मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता है, उसने रोजाना 10-10 लाख रुपये का खाना भिजवाया। यह पैसा कहां से आया? यह एक जायज सवाल है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राठौड़ ने पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव करते हुए कहा कि इसमें उनका कोई दोष नहीं था। पूरा 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर अपनी राजनीति चमका रहा था। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के रूप में शानदार काम किया और स्वेच्छा से अपना इस्तीफा सौंपा।

अंत में मदन राठौड़ ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं के मुद्दों और पेपर लीक को लेकर बेहद गंभीर हैं। केंद्र सरकार नकल रोकने के लिए सख्त कानून लाने और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने जैसे ऐतिहासिक कदम उठा रही है।

पंजाब के हरिके बैराज से तैरकर जैसलमेर पहुंचा घड़ियाल!

मोहनगढ़ में पहली बार देख ग्रामीणों में फैली दहशत

जैसलमेर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र में पहली बार एक दुर्लभ घड़ियाल दिखाई देने से किसानों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद घड़ियाल को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। फिलहाल घड़ियाल को वन विभाग के रेस्क्यू सेंटर में निगरानी के लिए रखा गया है। वन विभाग का मानना है कि यह घड़ियाल हरिके बैराज की ओर से नहर के पानी के साथ यहां तक पहुंचा हो सकता है। वन विभाग को सूचना मिली कि मोहनगढ़ नहरी क्षेत्र के लेरिका माइनर के 19 आरडी पर एक विशाल घड़ियाल धूप सेंकता हुआ दिखाई दिया है। घड़ियाल को देखते ही आसपास के किसानों और ग्रामीणों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेंजर हनुमान राम के नेतृत्व में रावतराम सहायक वनपाल, राजू सिंह सहायक वनपाल, मेहराराम, राकेश और पृथ्वीराज वनरक्षक की टीम मौके पर पहुंची। घड़ियाल आरएनडी नहर से होते हुए एलकेएम माइनर तक पहुंच चुका था। टीम ने पूरी सावधानी के साथ करीब एक घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया और आखिरकार घड़ियाल को सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू के दौरान सबसे पहले घड़ियाल के मुंह को सुरक्षित तरीके से बांधा गया और उसकी आंखों पर कपड़ा बांधा गया ताकि वह शांत रहे। इसके बाद उसे सुरक्षित रूप से मोहनगढ़ वन विभाग के रेंज कार्यालय स्थित रेस्क्यू सेंटर लाया गया, जहां उसकी निगरानी की जा रही है।

भरतपुर बांके बिहारी मंदिर: दान में दिए हीरे के साथ रसीद भी गायब; सरकार ने जांच बैठाई

भरतपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भरतपुर के बांके बिहारी मंदिर में चढ़ाए गए करीब चार लाख रुपये मूल्य के हीरे के गायब होने का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ गया है। कांग्रेस के विरोध और आरोपों के बाद राजस्थान सरकार ने मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। देवस्थान विभाग इस पूरे प्रकरण की जांच करेगा और यह भी पता लगाएगा कि दान में दिया गया हीरा मंदिर के रिकॉर्ड में क्यों नहीं है तथा दानकर्ता को रसीद क्यों नहीं दी गई। जानकारी के अनुसार भरतपुर के रंजीतनगर निवासी मीरा बंसल ने दिसंबर 2024 में दिल्ली से करीब चार लाख रुपये का हीरा खरीदकर बांके बिहारी मंदिर में भगवान को अर्पित किया था। परिवार का आरोप है कि उस समय मंदिर प्रबंधन ने रसीद बाद में देने की बात कही, लेकिन करीब 20 महीने बीतने के बाद भी रसीद जारी नहीं की गई।

दानकर्ता के परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने मंदिर प्रशासन से हीरे के बारे में जानकारी मांगी तो उन्हें हीरे की जगह कांच का एक टुकड़ा दिखाया गया। उनका कहना है कि मंदिर में वह हीरा मौजूद नहीं है और मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मामले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि मंदिरों में चढ़ावे की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे मामलों से श्रद्धालुओं का भरोसा प्रभावित होता है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि दान में दिया गया हीरा मंदिर के रिकॉर्ड में है या नहीं, दानकर्ता को रसीद क्यों नहीं दी गई और यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जेल में शराब, शबाब और 23 लाख की संदिग्ध लेनदेन

खुलासे के बाद भी अफसरों पर क्यों मेहरबान है सिस्टम?

चित्तौड़गढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। सुरक्षा के तमाम दावों और सख्त पहरे के बावजूद चित्तौड़गढ़ जिला जेल में डांस पार्टी, नशाखोरी और धड़ल्ले से चल रहा मोबाइल का इस्तेमाल जेल प्रबंधन को कटघरे में खड़ा कर रहा है। पुलिस में बाकायदा मामला दर्ज होने और डीजी जेल तक जांच रिपोर्ट पहुंचने के बाद भी अब तक न तो किसी जिम्मेदार जेल प्रहरी पर कार्रवाई हुई है और न ही जेल अधीक्षक की जवाबदेही तय की गई है। हत्या के दोषियों की बैरक में हुई पार्टी, धूम्रपान और धड़ल्ले से चले मोबाइल के वायरल वीडियो ने आमजन को चौंका दिया है। लेकिन नींद नहीं टूटी तो सिर्फ जेल प्रबंधन की। प्रतिबंध के बावजूद जेल की चारदीवारी के भीतर यह सब सामान पहुंचना सीधे तौर पर प्रहरियों की मिलीभगत और लापरवाही की ओर इशारा करता है, जिसकी कमान जेल अधीक्षक नरेंद्र स्वामी के हाथों में है। कई तरह के सवालों का जवाब अब विभागीय जांच में मिलेगा, जो मंगलवार को जोधपुर डीआईजी के नेतृत्व में शुरू होने वाली है। हाल ही में जिला जेल की बैरक के भीतर बंदियों के नाच-गाने, मोबाइल इस्तेमाल और नशे के वीडियो वायरल हुए थे। महकमे में हड़कंप मचने पर हुई जांच में जेल से 2 मोबाइल बरामद किए गए। इसके बाद जेल प्रहरी की रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में 8 नामजद बंदियों के खिलाफ राजस्थान कारागार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। जेल में भ्रष्टाचार की जड़ें बेहद गहरी हैं। जनवरी 2022 से जनवरी 2023 के दौरान बंदियों के परिजनों के खातों से करीब 23 लाख रुपए का यूपीआई व नकद लेन-देन हुआ।

50 लाख की डिमांड- 30 लाख में सौदा

10 महीने से फरार पटवारी नरेंद्र मीणा को एसीबी ने दबोचा

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जयपुर के हाथोज इलाके में जमीन के नामांतरण के बदले 50 लाख रुपये की घूस मांगने और 30 लाख रुपये में सौदा करने वाले मुख्य आरोपी पटवारी नरेंद्र मीणा को एसीबी ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। यह आरोपी पिछले लगभग 10 महीने से एसीबी की टीम को चकमा देकर लगातार फरार चल रहा था। इस कार्रवाई को डीआईजी एसीबी डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में DSP विजय सिंह ने अंजाम दिया। गिरफ्तारी के बाद अब एसीबी की टीम आरोपी पटवारी से गहन पूछताछ कर रही है ताकि भ्रष्टाचार के इस पूरे नेटवर्क और फरारी के दौरान उसकी मदद करने वालों का पर्दाफाश किया जा सके।

यह पूरा मामला जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित हाथोज क्षेत्र में सितंबर 2025 का है। यहां पर 10 बीघा जमीन का नामांतरण खोलने की एवज में तत्कालीन पटवारी नरेंद्र मीणा ने 50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। जब परिवादी ने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई, तो आपस में मोलभाव के बाद सौदा 30 लाख रुपये में तय हुआ।

परिवादी भ्रष्टाचार के खिलाफ था, इसलिए उसने चुपचाप इसकी शिकायत जयपुर एसीबी की टीम से कर दी। एसीबी ने मामले की प्राथमिक जांच की, जिसमें घूस मांगने की बात पूरी तरह सही और प्रामाणिक पाई गई। इसके बाद एसीबी के अधिकारियों ने जाल बिछाया और आरोपी पटवारी को रंगे हाथों ट्रैप किया। एसीबी की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया था। ट्रैप के दिन आरोपी पटवारी नरेंद्र मीणा ने घूस की रकम लेने के लिए अपने दलाल विकास शर्मा को भेजा था। एसीबी की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए दलाल विकास को 5 लाख रुपये असली कैश और 25 लाख रुपये के डमी नोटों के साथ रंगे हाथों दबोच लिया था।

लेकिन जैसे ही दलाल पकड़ा गया, मुख्य आरोपी पटवारी नरेंद्र मीणा को कार्रवाई की भनक लग गई। वह मौके पर नहीं आया और वहां से तुरंत फरार हो गया। तभी से एसीबी की अलग-अलग टीमें उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थीं, लेकिन पटवारी अपना ठिकाना बदल-बदल कर छिप रहा था।

फरार रहने के दौरान पटवारी नरेंद्र मीणा ने गिरफ्तार होने से बचने के लिए शातिर तरीका अपनाया था। एसीबी के अधिकारियों के मुताबिक, फरारी के 10 महीनों में पटवारी ने किसी भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना पूरी तरह से बंद कर दिया था।

पाक गैंगस्टर शहजाद भट्टी गैंग का मोहरा

एटीएस ने दबोचा, एक्टिवेट करके देता था भारतीय सीम

बीकानेर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के बज्जू थाना क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जयपुर एटीएस से मिले सटीक इनपुट के आधार पर बज्जू पुलिस ने राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में गौड़ू गांव निवासी अनिल कुमार विश्नोई पुत्र महावीर डेलू को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के गैंग को भारतीय मोबाइल सिम एक्टिवेट कराने के लिए ओटीपी उपलब्ध कराया, जिसके बाद वह सिम पाकिस्तान में इस्तेमाल होने लगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बीकानेर जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में एक विशेष रणनीति बनाई गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और कोलायत वृत्ताधिकारी के सुपरविजन में बज्जू थाना प्रभारी चंद्रजीत सिंह भाटी (चंद्रवीर सिंह) की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अनिल कुमार को उसके गांव गौड़ू से दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और टेलीकॉम नियमों के तहत राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी गैंग के सदस्यों ने अनिल को अपनी बातों के जाल में फंसाया था। गैंग के सदस्य 'उज्जेर' और उसके गुर्गे 'अजान' ने अनिल से लगातार संपर्क बनाए रखा। 17 जुलाई को अनिल ने एक भारतीय सिम कार्ड को चालू कराने के लिए जरूरी ओटीपी सीमा पार बैठे गैंग के सदस्यों को मुहैया कराया।

कजाकिस्तान से एमबीबीएस, एमएमजीई में फेल

10 लाख में बनवाया फर्जी सर्टिफिकेट, सरकारी अस्पताल में इलाज कर रहा डॉक्टर अरेस्ट

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेकर लौटने वाले छात्रों के लिए भारत में प्रैक्टिस करने से पहले फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन पास करना अनिवार्य होता है। लेकिन इस परीक्षा में लगातार असफल होने के बाद शार्टकट अपनाने वाले एक फर्जी डॉक्टर को राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान दिल्ली के शाहदरा निवासी 27 वर्षीय नितिन कुमार के रूप में हुई है। एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल के अनुसार, आरोपी नितिन कुमार ने साल 2022 में कजाकिस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी। भारत लौटने के बाद उसने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा आयोजित की जाने वाली एफएमजीई स्क्रीनिंग परीक्षा कई बार दी, लेकिन वह हर बार फेल हो गया। बिना इस परीक्षा को पास किए भारत में डॉक्टरी का लाइसेंस या इंटर्नशिप की अनुमति मिलना नामुमकिन था।

परीक्षा पास करने में नाकाम रहने पर नितिन ने फर्जीवाड़े का रास्ता चुना। उसने दौसा निवासी बिचौलिए शुभम गुर्जर से संपर्क किया और 10 लाख रुपए देकर एफएमजई पास होने का एक फर्जी सर्टिफिकेट बनवा लिया। इस फर्जी दस्तावेज के आधार पर उसने राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की और राजकीय मेडिकल कॉलेज, करौली में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर दिया। हद तो तब हो गई, जब उसने फर्जी कागजातों के दम पर करौली के सरकारी अस्पताल में अपनी मेडिकल इंटर्नशिप भी पूरी कर ली।

इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश तब हुआ, जब एसओजी ने बिचौलिए शुभम गुर्जर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। शुभम से कड़ाई से की गई पूछताछ में नितिन कुमार का नाम सामने आया। तकनीकी साक्ष्यों और गोपनीय सूचनाओं के आधार पर एसओजी की टीम ने दिल्ली के शाहदरा में दबिश देकर नितिन को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल एसओजी उससे पूछताछ कर रही है। एसओजी की जांच में सामने आया है कि यह कोई छिटपुट मामला नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ा संगठित गिरोह है। फर्जी दस्तावेजों और सरकारी मिलीभगत के इस खेल में अब तक कुल 29 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पकड़े गए लोगों में शामिल हैं 24 फर्जी डॉक्टर, जिन्होंने विदेश से एमबीबीएस किया और फर्जी एफएमजीई सर्टिफिकेट के सहारे इंटर्नशिप और प्रैक्टिस हासिल की। राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर और एलडीसी फरहान हसन। इस रैकेट का मुख्य सरगना भानाराम माली, उसका साथी शुभम गुर्जर और इंद्रराज गुर्जर हैं।

फरार आरोपी बॉयफ्रेंड गिरफ्तार

बीच सड़क पर मारपीट कर कपड़े फाड़ने का था आरोप

जयपुर, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में कॉलेज छात्रा के साथ मारपीट और कपड़े फाड़ने के चर्चित मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने एक आरोपी बॉयफ्रेंड को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मामले में आरोप है कि कॉलेज छात्रा के के दो एक्स बॉयफ्रेंड्स ने मिलकर उसके साथ बीच सड़क में पहले मारपीट की और फिर वहीं पर उसके कपड़े भी फाड़ दिए। शुरुआती जांच में यह सामने आया कि उन दोनों ने बदला लेने की नीयत से यह सब प्लान किया था। पुलिस के अनुसार 23 साल की युवती जयपुर के एक निजी कॉलेज में पढ़ाई करती है। कॉलेज के दौरान उसकी एक छात्र से दोस्ती हुई, जो बाद में रिश्ते में बदल गई। कुछ समय तक दोनों साथ भी रहे, लेकिन बाद में युवक का व्यवहार बदलने लगा और वह हर दिन मारपीट करने लगा। लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर छात्रा ने उससे दूरी बना ली। इसके बाद उसकी एक दूसरे युवक से दोस्ती हुई, लेकिन वह भी उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करने लगा।

पांच मिनट में की-लेस सिस्टम हैक कर उड़ाते थे कारें

अंतरराज्यीय हाईटेक कार चोर गिरोह का भंडाफोड़

चित्तौड़गढ़, 28 जुलाई (एजेंसियां)। जिला विशेष टीम (डीएसटी) और कोतवाली थाना पुलिस ने क्रेटा कार चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया है। गिरोह का मास्टर माइंड कार का शीशा तोड़कर उसके की-लेस सिस्टम को हैक कर देता था। महज पांच मिनट में कार का स्टार्टिंग सिस्टम हैक कर आरोपी वाहन लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का सरगना अब भी फरार है।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के पास क्रेटा कार के पुश-बटन स्टार्ट सिस्टम से संबंधित विशेष सॉफ्टवेयर मौजूद था। आरोपी केवल पुश-बटन स्टार्ट वाली क्रेटा कारों को निशाना बनाते थे। की-लेस सिस्टम हैक करने के बाद कुछ ही मिनटों में कार चोरी कर ली जाती थी।

पुलिस के अनुसार 11 जुलाई की रात शहर में एक मकान के बाहर खड़ी करीब 20 लाख रुपये कीमत की टॉप मॉडल क्रेटा कार चोरी हुई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने अहमदाबाद से सरफराज और दीपक को गिरफ्तार किया, वहीं गिरोह का सरगना मोहसिन उर्फ सोनू अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह पूरी प्लानिंग के साथ वारदात को अंजाम देता था। मुख्य आरोपी मोहसिन अपने दो साथियों के साथ अलग-अलग शहरों में जाकर क्रेटा कार चोरी करता था। चोरी के तुरंत बाद वह अपने अन्य साथियों सरफराज और दीपक को रास्ते में बुलाकर कार उनके हवाले कर देता था। इसके बदले उन्हें पैसे मिलते थे और मोहसिन अपने साथियों के साथ अगली वारदात के लिए दूसरे शहर रवाना हो जाता था।

इसी कड़ी में पुलिस चोरी की गाड़ियों की खरीद-फरोख्त करने वाले सरफराज और दीपक तक पहुंची। चित्तौड़गढ़ से चोरी हुई क्रेटा कार इंदौर से बरामद कर ली गई है। जांच में पता चला कि दोनों आरोपी चोरी की कारें खरीदकर आगे बेचने का काम करते थे। सरफराज कबाड़ का कारोबार करता है, जबकि दीपक डिफॉल्टर वाहनों की खरीद-फरोख्त का काम करता है।

पूछताछ में आरोपियों ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात में क्रेटा कार चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़, कोटा और टोंक, जबकि मध्यप्रदेश के उज्जैन और देवास सहित विभिन्न स्थानों से अब तक छह क्रेटा कार चोरी करने की बात सामने आई है। इनमें से तीन कारें पुलिस बरामद कर चुकी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और जांच एजेंसियों को इस गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों के खुलासे की भी उम्मीद है।

चलती बस में युवती से छेड़छाड़

आरोपी एसआइ सस्पेंड, एससी-एसटी एक्ट की धाराएं भी जोड़ी

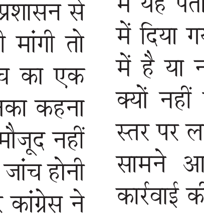

कोटा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में चलती बस में युवती से कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इस मामले में कोटा ग्रामीण पुलिस के कनवास थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर सुरेश चंद शर्मा को निलंबित कर दिया गया है। ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल प्रभाव से यह कार्रवाई की। आरोपी एसआइ के खिलाफ शहर के एक थाने में छेड़छाड़ और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। डीएसपी पूनम चौहान ने बताया कि 24 जुलाई को 57 वर्षीय सुरेश चंद शर्मा अपने गांव से बस के जरिए कोटा आ रहा था। यात्रा के दौरान बूंदी में एक युवती अपनी परिजन महिला के साथ बस में सवार हुई और दोनों आरोपी एसआइ के पास वाली सीट पर बैठ गई। आरोप है कि पहले एसआइ ने युवती से बातचीत शुरू की और बाद में उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। युवती ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो आरोपी उससे उलझ पड़ा। इस दौरान बस स्टैंड पर भी हंगामा हुआ था। घटना के बाद पीड़िता ने 24 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/ वर्क्स/बीजेडए/26/2026, दि.24-07-2026

PUB/SCoR-097

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

(क्रम सं.1) निविदा संख्याः ई-19-पूर्व-बीजेडए-2026, **कार्य विवरणः** एसडब्ल्यू-।-विजयवाडा डिवीजन-बीजेडए-जीडीवी-बीवीआरएम सेक्शन (अप&डाउन)-डीइएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत पीक्यूआरएस सहित 23.237 किमी की टीएसआर (पी) कार्य & चौडी या वाइडर पीएससी स्लीपर्स 1660 नंबर्स/किमी सहित पीएससी 6 स्लीपर्स 1540 नंबर्स/किमी घनत्व पर इएक्सजी.60 केजी/90 युटीएस रेल्स का टीआरटी कार्य तथा तत्संबंधित विभिन्न स्थानों पर बाल्लास्ट कुशन की 35 सेमी तक वृध्दि एवं रिकुपमेन्ट और बाल्लास्ट की स्क्रीनिंग। एसडब्ल्यू-॥-गुडीवाडा-मछलीपट्नम सेक्शन (डाउन) —(i)पीएससी 5 स्लीपर्स 1540 नंबर्स/किमी घनत्व या डेन्सीटी पर इएक्सजी.52 केजी/90 युटीएस रेल्स की पीक्यूआऱएस सहित सीटीआऱ (पी) कार्य के साथ नये चौडे पीएससी स्लीपर्स 1660 नंबर्स/किमी पर नई 60केजी आर260 ग्रेड रेल्स (एलडब्ल्यूआर) कार्य सहित डीइएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार में कुल लम्बाई 18.817 किमी के लिए रिकुपमेन्ट एवं 35 सेमी. तक बाल्लास्ट कुशन की वृध्दि तथा बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग। एसडब्ल्यू-॥।-विजयवाडा डिवीजनः गुडीवाडा-मछलीपट्नम सेक्शनः —(i)14.478 से 25.479=10.601 किमी (डाउन) तक सीटीआऱ (पी) कार्य सहित पीएससी 5 स्लीपर्स 1540 नंबर्स/किमी घनत्व पर इएक्सजी.52केजी/90युटीएस रेल्स का पीक्यूआरएस कार्य के साथ न्यू वाइडर पीएससी स्लीपर्स 1660 नंबर्स/किमी पर नई 60केजी आर260 ग्रेड रेल्स (एलडब्ल्यूआर) सहित रिकुपमेन्ट तथा 35 सेमी. तक बाल्लास्ट कुशन की वृध्दि। (ii)बीजेडए-केआई सेक्शन-डीइएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार में पीएससी 60 केजी स्लीपर्स 1660/किमी घनत्व पर ईएक्सजी.60केजी/90 युटीएस रेल्स का टीआऱआऱ (पी) कार्य सहित पीएससी 60 केजी स्लीपर्स 1660/किमी घनत्व संबंधित लंबाई 0.833 किमी की अप लाइन 581.381-582.214 पर न्यू 60केजी/आर260 रेल्स का तत्संबंधित कार्य। एसडब्ल्यू-IV -विजयवाडा डिवीजनः केआई-बीजेडए सेक्शनः डीइएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार में जीजे-27 नंबर्स, टीडब्ल्यूएसइजे-3नंबर्स कार्य, बीजेडए-जीडीवीबीवीआऱएम & जीडीवी-एमटीएम सेक्शन्स में लंबाई 48.811 किमी का टीएफआऱ (सीजीआऱएसपी) कार्य & बीजेडए-जीडीवी सेक्शन में कुल लंबाई 1.000 किमी का टीएफआऱ (ए/एफ) कार्य। **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 (बारह) महिने, **निविदा मूल्य रु.7,30,96,556.00**, अग्रधन रु.14,61,900.00, **बंद करने की तिथिः** 11-08-2026

(क्रम सं.2) निविदा संख्याःई-12-दक्षिण-बीजेडए-2026, **कार्य विवरणः** एसआऱ. डीइएन/दक्षिण/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/ओजीएल सब-डिवीजन में अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत ओजीएल पर 3 नंबर्स लिफ्ट्स तथा एसकेएम पर 3 नंबर्स एस्केलेटर्स का प्रावधान। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, **निविदा मूल्य रु.2,74,38,259.00, अग्रधन रु.5,48,800.00, बंद करने की तिथिः** 13-08-2026

(क्रम सं.3) निविदा संख्याः ई-11-दक्षिण-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू ।- कावली-केवीजेड सेक्शनः एसआऱ. डीइएन/दक्षिण क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/ओजीएल सब-डिवीजन में युपीडी तथा टीटीयु स्टेशनों पर पीएफ 2&3 को रेल स्तर पर प्लेटफार्म्स को उच्च स्तर पर का उठाना। एसडब्ल्यू ॥-कावली-केवीजेड सेक्शनः एसआऱ. डीइएन/दक्षिण/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/ओजीएल सब-डिवीजन में एसएसइ/डब्ल्यू/केवीजेड सेक्शन में केवीजेड स्टेशन पर पार्किंग शेड्स का सुधार कार्य। **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.3,04,04,488.00, अग्रधन रु.6,08,100.00, **बंद करने की तिथिः 13-08-2026**

(क्रम सं.4) निविदा संख्याःई-09-मध्य-बीजेडए-2026, **कार्य विवरणःविजयवाडा डिवीजनः** गुडूर-विजयवाडा & विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शन्सः डीइएन/मध्य/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी & एडीइएन/ईई सब-डिवीजन में पेन्टिंग इन-सर्विस रेल्स द्वारा कोरोसन की रोकथाम। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.3,52,74,881.00, अग्रधन रु.7,05,500.00, **बंद करने की तिथिः 14-08-2026**

(क्रम सं.5) निविदा संख्याः ई-21-पूर्व-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः-एसडब्ल्यू-।-बीजेडए पर एयरकंडीशनींग व रसोई सहित न्यू रनिंग रूम का प्रस्तावित निर्माण कार्य-100 बिस्तरों की क्षमता। एसडब्ल्यू-॥- जी. पेट सेक्शन क्षेत्राधिकार पर टाईप- V क्वार्टर्स (4 युनिट्स) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 18 (अठारह) महिने, **निविदा मूल्य रु.9,87,43,161.00**, अग्रधन रु.19,74,900.00, **बंद करने की तिथिः** 14-08-2026

(क्रम सं.6) निविदा संख्याः ई-20-पूर्व-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः डीइएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीइएन/लाइन्स/बीजेडए सब-ड़िवीजन के तहत एसएसइ/पी.वे/एनबीजेडए& एसएसइ/पी.वे/जीडीवी सेक्शन्स में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य तथा अन्य ट्रैक का छिटपुट कार्य। **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 (बारह) महिने, **निविदा मूल्य रु.1,75,88,137.00**, अग्रधन रु.3,51,800.00, **बंद करने की तिथिः 14-08-2026**

(क्रम सं.7) निविदा संख्याःई-22-पूर्व-बीजेडए-2026, **कार्य विवरणः** बीजेडए डिवीजनः बीजेडए एनडीडी सेक्शनः एसडब्ल्यू-।- डीइएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन के अंतर्गत एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन में अमृत भारत स्टेशन योजना के भाग के अनुसार, बीवीआरटी स्टेशन पर 2 एस्केलेटर्स का प्रावधान (नई 12एम. चौडी एफओबी के लिए हरेक पीएफ पर 1 एस्केलेटर))। एसडब्ल्यू-॥- डीइएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीवीआरएम सब-डिवीजन के अंतर्गत एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम सेक्शन के तहत अमृत भारत स्टेशन योजना के भाग के अनुसार, बीवीआरटी स्टेशन पर 3 लिफ्ट्स का प्रावधान (हरेक पीएफ पर 1 लिफ्ट तथा पीएफ 2 से जोडनेवाला 1 लिफ्ट तत्संबंधित परिसंचरण क्षेत्र के पीएफ स्तर पर)। **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 (बारह) महिने, **निविदा मूल्य रु.1,81,10,295.00, अग्रधन रु.3,62,200.00, बंद करने की तिथिः 14-08-2026**

(क्रम सं.8) निविदा संख्याःई-23-पूर्व-बीजेडए-2026, **कार्य विवरणः** एसएसइ/वर्क्स/बीजेडए सेक्शन के तहत आरवाईपी-तत्संबंधित आऱवाईपी स्टेशन पर पीएफ 2&3 के सीओपी & प्लेटफार्म सतहों या सरफेसेज तथा तत्संबंधित परिसंचरण क्षेत्र के विकास का प्रस्ताव। **कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.9,43,64,033.00, अग्रधन रु.18,87,300.00, बंद करने की तिथिः 18-08-2026**

(क्रम सं.9) निविदा संख्याःई-11-मध्य-बीजेडए-2026, कार्य विवरणःएसडब्ल्यू।-बीजेडए डिवीजनः बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः डीइएन/मध्य/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी सब-डिवीजन के एसएसइ/वर्क्स/बीपीपी & टीइएल सेक्शन्स में सीओपी & एफओबी कान्क्रीट फ्लूर स्लैब्स, रूफिंग, लैन्डिंग, मोल्डींग स्टेप्स, बेस फाउंडेशंस की मरम्मत सहित स्टील ब्रेसेज, प्लेट एन्गल्स, स्क्रीन्स, जंग लगे या रस्टेड क्लीट्स, एंगल मेम्बर्स को हटाना आदि के साथ पेन्टिंग कार्य। एसडब्ल्यू ॥-बीजेडए डिवीजनः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः डीइएन/मध्य/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/ईई सब-डिवीजन के एसएसइ/वर्क्स/ईई सेक्शन्स में सीओपी & एफओबी कान्क्रीट फ्लूर स्लैब्स, रूफिंग, लैन्डिंग, मोल्डींग स्टेप्स, बेस फाउंडेशंस की मरम्मत सहित स्टील ब्रेसेज, प्लेट एन्गल्स, स्क्रीन्स, जंग लगे या रस्टेड क्लीट्स, एंगल मेम्बर्स को हटाना आदि के साथ पेन्टिंग कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) **महिने, निविदा मूल्य रु.2,68,42,031.00, अग्रधन रु.5,36,900.00, बंद करने की तिथिः 19-08-2026**

(क्रम सं.10) निविदा संख्याःई-10-मध्य-बीजेडए-2026, कार्य विवरणःएसडब्ल्यू।-बीजेडए डिवीजनः बीजेडए-जीडीआर सेक्शनः डीइएन/मध्य/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/बीपीपी सब-डिवीजन के एसएसइ/डब्ल्यू/बीपीपी सेक्शन्स में-बापटलाः बीपीपी स्टेशन पर सुपरवायजर्स या पर्यवेक्षकों तथा आभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों के लिए नये स्टाफ क्वार्टर्स (टाइप IV- सं.1, टाइप ॥।- सं.4 तथा टाइप ॥- सं.4) का निर्माण कार्य। आ ई आ र प ी ए स ए म आईडीः11.06.51.25.3.55.010 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.4,28,91,347.00, **अग्रधन रु.8,57,800.00, बंद करने की तिथिः 19-08-2026**

1 वेबसाइटः**www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।
2- भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर जाएं।
3- यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, दक्षिण तट रेलवे -दतरे, विजयवाडा पर रखे हुए नोटिस बोर्ड पर दर्शायी गयी है तथा विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल आफिसों पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।
4- रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को कैंसल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

—विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

लायन इंटरनेशनल 320 ए ने 2026 के पद्म पुरस्कार विजेताओं को लाइफ अवॉर्ड से सम्मानित किया

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लायन क्लब इंटरनेशनल 320 ए ने 26 जुलाई 2026 को आयोजित सालाना इंस्टॉलेशन समारोह में तेलंगाना के 2026 के पद्म पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस समारोह में लगभग 800 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। लायन इंटरनेशनल के 3,600 से ज़्यादा सदस्य हैं और यह संस्था समुदाय की ज़रूरतों को पूरा करने और सामाजिक ज़िम्मेदारी के क्षेत्रों में बहुत सक्रिय है।

तेलंगाना राज्य के 2026 के पद्म पुरस्कार विजेताओं के बेहतरीन योगदान को मान्यता देने के लिए, लायन इंटरनेशनल-320 ए ने इस बड़े कार्यक्रम में उनको सम्मानित करने की अपनी ज़िम्मेदारी निभाई। लाइफ एवार्ड 2026 के चेयरमैन और पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर सुनील कुमार आर ने पुरस्कार विजेताओं, उनकी उपलब्धियों और योगदान पर एक शानदार प्रस्तुति दी। उन्होंने उनकी उपलब्धियों की सराहना की और लायंस परिवार की ओर से उनके बेहतरीन योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, जिससे देश और मानवता को बहुत फ़ायदा हुआ है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले और सम्मानित किए गए पांच पद्मश्री पुरस्कार विजेता इस प्रकार हैं: 1- डॉ. पाल्कोंडा विजय आनंद रेड्डी, चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता-ऑन्कोलॉजी और कैंसर देखभाल। 2- डॉ. गुड्डु वेंकट राव, चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता-गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी। 3 डॉ. कुमारस्वामी थंगराज, विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्टता। 4-डॉ. दीपिका रेड्डी, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता। 5- डॉ. कृष्णस्वामी बालासुब्रमण्यन, विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किए गए। आयोजकों ने पुरस्कार विजेताओं को लाइफ ट्रॉफ़ी (लायन इंटरनेशनल फेलो आफ एक्सीलेंस और प्रशस्ति-पत्र भेंट किए। पुरस्कार देने वाले लायन लीडर्स में शामिल थे-पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर प्रेमचंद बाफना (पुणे); पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर सुनील कुमार; पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर डॉ. जी. बाबू; डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुरेश जगनानी और एसोसिएशन के अन्य प्रमुख पदाधिकारी। सभी पुरस्कार विजेताओं ने बड़ी संख्या में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए अपने विचारों से प्रतिनिधियों को प्रेरित किया और इस शानदार मौके पर सम्मानित किए जाने के लिए आयोजकों का धन्यवाद किया।

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल-320 ए के लिएसुरेश जगनानी, सुनील कुमार, सुशील जेजानी की विशेष उपस्थिति रही।

सौ प्रतिशत मतदाता सूची अद्यतन सुनिश्चित करने का किया आह्वान

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की प्रगति को लेकर गांधी भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं चेवेल्ला लोकसभा क्षेत्र प्रभारी जगदीश्वर राव, तेलंगाना राज्य मुदिराज निगम के अध्यक्ष बोरा ज्ञानेश्वर मुदिराज, चेवेल्ला विधायक काला यादैया के पुत्र श्रीकांत, चुनाव में प्रत्याशी रहे विधायक भीम भरत, मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष, सरपंच और वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। बैठक में अब तक वितरित किए गए गणना प्रपत्रों की प्रगति की समीक्षा की गई।

नेताओं ने निर्देश दिया कि प्राप्त प्रत्येक प्रपत्र का अनिवार्य रूप से डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जिन पात्र मतदाताओं तक अभी तक गणना प्रपत्र नहीं पहुंचे हैं, उनकी पहचान कर उन्हें प्रपत्र उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। नेताओं ने कहा कि 3 अगस्त को एसआईआर प्रक्रिया समाप्त होने जा रही है। इसे देखते हुए प्रत्येक गांव और प्रत्येक मतदान केंद्र का गहन निरीक्षण किया जाए तथा मतदाता सूची को 100 प्रतिशत अद्यतन करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ), बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए), बूथ स्तर के कार्यकर्ता और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची जारी होने के बाद बीएलए पूरी सतर्कता बरतें और प्रत्येक योग्य मतदाता का नाम सूची में शामिल सुनिश्चित करें। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि एक व्यक्ति का नाम केवल एक ही स्थान पर मतदाता के रूप में दर्ज होना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति का मताधिकार शहर या उसके मूल गांव में है तो उसी स्थान पर उसका नाम दर्ज रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा मृत मतदाताओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाकर मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन कराने के निर्देश दिए गए। नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र और जनकल्याण के लिए वोट सबसे बड़ा अधिकार है।

दिव्यांगजनों का कल्याण ही सभ्य और प्रगतिशील समाज की वास्तविक पहचान : राज्यपाल

> स्वीकार पुनर्वास केंद्र का स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि दिव्यांगजनों का कल्याण ही किसी सभ्य और प्रगतिशील समाज की वास्तविक प्रगति का पैमाना है। उन्होंने मंगलवार को सिकंदराबाद स्थित स्वीकार बहु-विशेषज्ञ पुनर्वास केंद्र के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। राज्यपाल ने स्वीकार संस्था की सेवाओं की सराहना करते हुए इसे एक आदर्श संस्थान बताया, जो एक ही स्थान पर चिकित्सा सुविधा, पुनर्वास, विशेष शिक्षा, परामर्श और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी समग्र सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को समान अवसर उपलब्ध कराना पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी वर्गों से अधिक समावेशी समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया, ताकि शारीरिक या बौद्धिक सीमाओं के कारण कोई भी व्यक्ति पीछे न रह जाए। भगवान बुद्ध के संदेश करुणा मानवता का हृदय है का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने सभी से भारतीय आदर्श सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः को अपनाने और ऐसे समाज के निर्माण के लिए कार्य करने की अपील की, जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर मिल सके। राज्यपाल ने स्वीकार केंद्र द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बनाकर दिव्यांगजनों को सेवाएं उपलब्ध कराने और पुनर्वास विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष ओलंपिक में भारत के खिलाड़ियों द्वारा जीते गए 33 पदकों का उल्लेख करते हुए कहा कि उचित अवसर, सहयोग और प्रोत्साहन मिलने पर दिव्यांग व्यक्ति असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने संस्था के लिए लोक भवन की ओर से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग केंद्र के लिए आवश्यक उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराने में किया जाएगा। उन्होंने संस्था की गतिविधियों के लिए भविष्य में भी हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने संस्था के प्रबंधन, चिकित्सकों, शिक्षकों, दानदाताओं और स्वयंसेवकों को उनकी समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

इस अवसर पर स्वीकार बहु-विशेषज्ञ पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष डॉ.पी. हनुमंत राव, संस्थापक सदस्य डॉ.वी.वी.एस. शर्मा, बोर्ड सदस्य, संरक्षक, दानदाता, प्रशिक्षक, चिकित्सक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानसभा समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण : स्पीकर

विधानसभा की आश्वासन और नैतिक मूल्य समितियों की पहली बैठक आयोजित

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा भवन स्थित स्पीकर कक्ष में मंगलवार को विधानसभा की सरकारी आश्वासन कार्यान्वयन समिति, नियम समिति और नैतिक मूल्य समिति की पहली बैठक आयोजित की गई।

बैठकों में विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार और विधानसभा कार्य मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू सहित संबंधित समितियों के अध्यक्ष और सदस्य उपस्थित रहे। विधानसभा आश्वासन कार्यान्वयन समिति की बैठक में समिति के अध्यक्ष पटोला संजीव रेड्डी, सदस्य जे. अनिरुद्ध रेड्डी और जारे आदिनारायण ने भाग लिया। नियम समिति की बैठक विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें समिति के सदस्य दानम नागेंद्र, तूड़ी मेघा रेड्डी और भूक्या मुरली नायक उपस्थित रहे। नैतिक मूल्य समिति की बैठक समिति अध्यक्ष रेवूरी प्रकाश रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें सदस्य जी. मधुसूदन रेड्डी शामिल हुए। इस अवसर पर विधान परिषद सचिव डॉ.वी. नरसिंहा चार्युलु और विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति भी उपस्थित थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने आश्वासन कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष पटोला संजीव रेड्डी और नैतिक मूल्य समिति के अध्यक्ष रेवूरी प्रकाश रेड्डी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में समितियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। विधानसभा सत्रों के दौरान सरकार द्वारा दिए गए आश्वासनों को लागू करवाने की जिम्मेदारी आश्वासन समिति की होती है। उन्होंने समिति के सदस्यों से प्रभावी ढंग से कार्य करने का आह्वान किया। स्पीकर ने कहा कि नियम समिति विधानसभा के सुचारू, प्रभावी और लोकतांत्रिक संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का मूल्यांकन केवल उसके द्वारा बनाए गए कानूनों से ही नहीं, बल्कि कानून बनाने वाले सदस्यों के आचरण, प्रतिबद्धता और कार्यशैली से भी होता है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास को बनाए रखने और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति भरोसा मजबूत करने के उद्देश्य से विश्वभर की संसदीय व्यवस्थाओं में नैतिक मूल्य समितियों की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि सभी समितियों को बिना किसी पक्षपात और भेदभाव के निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। विधानसभा कार्य मंत्री श्रीधर बाबू ने समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विधानसभा में सदस्यों को सबसे पहले नियम पुस्तिका प्रदान की जाती है और उसी के अनुसार स्पीकर सदन का संचालन करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में नियम पुस्तिका में बदलाव किए गए थे। विधानसभा के प्रभावी संचालन के लिए समिति अध्यक्षों और सदस्यों को मिलकर नई परिस्थितियों के अनुरूप नियम पुस्तिका तैयार करनी चाहिए। मंत्री ने सुझाव दिया कि विधानसभा समितियों को अन्य राज्यों का अध्ययन दौरा कर वहां की विधानसभाओं में लागू नियमों और प्रक्रियाओं का अध्ययन करना चाहिए तथा उनके अनुभवों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ सदन की गरिमा बनाए रखने में नैतिक मूल्य समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि समिति के निर्णय पूरी तरह पारदर्शी होने चाहिए और तेलंगाना विधानसभा को एक आदर्श के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। बैठक के दौरान तीनों समितियों के अध्यक्षों ने कहा कि वे विधानसभा द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के अनुरूप कार्य करेंगे और सदन की गरिमा को और मजबूत करने के लिए प्रयास करेंगे।

निविदा सूचना संख्याः वीएसकेपी-टीआरएस-ओटी -06-2026-27, दि.24-07-2026

PUB/SCoR-098

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ टीआऱएस/ विशाखापट्नम द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

(।) कार्य विवरण तत्संबंधित स्थान सहितः 3 वर्ष की अवधि हेतु इलेक्ट्रिक लोको शेड पर 55 वर्क प्लेस मैनेजमेंट सिस्टम का सर्टिफिकेशन या प्रमाणन। (॥) निविदा मूल्य रु.79,296.00, (॥।) अग्रधन रु.1,600.00, (IV) निविदा प्रपत्र मूल्य रु.1,180.00, (V) कार्यालय का पताः इलेक्ट्रिक लोको शेड, दक्षिण तट रेलवे, एनएडी पोस्ट, विशाखापट्नम-530009, (VI) कार्य पूरा करने की अवधिः तीन वर्ष (36 महिने), (VII) बोली प्रणालीः सिंगल पैकेट प्रणाली (ई-टेंडरिंग), (VIII) निविदा बंद करने की तिथि व समयः 17-08-2026 के 15.00 बजे, (ix) वेबसाइट विवरणः http://www.ireps.gov.in

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआऱएस/ विशाखापट्नम

निविदा सूचना संख्याः जी/ई.29/टीआऱ./टेंडर नोटिस/10/2026-27, दि.24-07-2026

PUB/SCoR-100

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-32-2026-27, **कार्य विवरणः** जीटीएल डिवीजनःआरयु-जीवाई-डीएमएम सेक्शन में सुरक्षा से संबंध में नई ओएचइ स्ट्रक्चर सहित ट्रैक को उठाने के कारण लीनींग/क्रीटीकल तथा लेस्स कान्टैक्ट वायर हाइट ओएचइ स्ट्रक्चर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। **अनुमानित मूल्य** रु.1,66,77,604.00, अग्रधन रु.3,33,600.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-33-2026-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः तत्संबंधित जीटीएल डिवीजन में विश्वसनीयता तथा सुरक्षा के दृष्टिगत एर्थिंग स्टेशन, बैटरी सेट्स एवं पीएसआई उपकरण का उन्नयन। **अनुमानित मूल्य रु.1,27,22,645.22,** अग्रधन रु.2,54,500.00

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-35-2026-27, **कार्य विवरणः** जीटीएल डिवीजनः जीडीआर-टीपीटीवाय-केपीडी तथा एचएक्स-आरयु सेक्शंस में तत्संबंधित सुरक्षा सहित स्टोन पिच्चिंग, मिट्टी भरने या सायल फिल्लिंग द्वारा ओएचइ का मजबूतीकरण करना। **अनुमानित मूल्य रु.1,81,40,500.00, अग्रधन रु.3,62,800.00**

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआऱडी-29-ईटीएन-36-2026-27, **कार्य विवरणः** जीटीएल डिवीजनः गुंटकल (जीटीएल)-वाडी (वाडी) सेक्शन में कोसीगी (केओ) स्टेशन पर कामन लूप सुविधा सहित अतिरिक्त लूप लाइन के लिए ओएचइ परिवर्तन कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.1,66,12,201.50, अग्रधन रु.3,32,300.00**

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 17-08-2026 के 15.00 बजे
टिप्पणीः (1) निविदाकार, निविदा दस्तावेज को मुफ्त में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।
निविदा की बोली लगाने तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन/गुण्टकल

SCoR-A114

अतिरिक्त निविदा शर्तो/ विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

तेलंगाना में विशेषज्ञ चिकित्सकों के 500 पदों के परिणाम घोषित

सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर करने की दिशा में कदम

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड ने मंगलवार को तेलंगाना वैद्य विधान परिषद के अंतर्गत संचालित सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के 500 पदों पर भर्ती के अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिए। ये परिणाम सामान्य शल्य चिकित्सा के 174 पदों, सामान्य चिकित्सा के 166 पदों, अस्थि रोग विभाग के 89 पदों और रेडियोलॉजी विभाग के 71 पदों के लिए जारी किए गए हैं। अस्थायी योग्यता सूची जारी होने के बाद प्रमाण पत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद बोर्ड ने अंतिम चयन सूची जारी की। तेलंगाना सरकार ने इससे पहले सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से 24 विशेषज्ञ विभागों में सिविल सहायक शल्य चिकित्सक (विशेषज्ञ) के 1,616 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की थी।

भर्ती प्रक्रिया के तहत एनेस्थीसिया, स्त्री रोग, बाल रोग और अस्थि रोग विभागों के 692 पदों की चयन प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने हाल ही में चयनित चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए थे। अधिकारियों ने बताया कि नवनियुक्त चिकित्सकों का विवरण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। चयनित चिकित्सकों को बधाई देते हुए मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने विश्वास व्यक्त किया कि वे सरकारी अस्पतालों में आने वाले गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए समर्पण के साथ कार्य करेंगे। मंत्री ने कहा कि सरकार 24 विभागों में 1,616 विशेषज्ञ चिकित्सकों के पदों को भरकर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। नवीनतम भर्ती के साथ अब तक 1,192 पदों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने भर्ती बोर्ड के अधिकारियों को शेष रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरने के निर्देश दिए।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर रंगारेड्डी जिले के मैलारदेवपल्ली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हेपेटाइटिस के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोगों को रोग की रोकथाम, समय पर जांच और उपचार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वर्ण कुमारी ने कहा कि हेपेटाइटिस एक गंभीर बीमारी है, जो लीवर को प्रभावित करती है। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और उपचार से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से हेपेटाइटिस-बी का टीकाकरण कराने, स्वच्छ भोजन एवं पेयजल का उपयोग करने, सुरक्षित रक्त आधान तथा सुरक्षित इंजेक्शन अपनाने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से हेपेटाइटिस के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच कराने और आवश्यक चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

साथ ही, हेपेटाइटिस उन्मूलन अभियान को सफल बनाने के लिए सभी से जागरूकता फैलाने में सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम में डॉ. राकेश, डॉ. ज्योतिबाई, डॉ. समीना, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रेखा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। उन्होंने लोगों को हेपेटाइटिस की रोकथाम, लक्षण, उपचार और टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी।

इस दौरान प्रतिभागियों को सूचना पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों का पालन करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों, आशा कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर हेपेटाइटिस के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

नरेडमेट पुलिस स्टेशन में सीआई वेंकटेश के नये पदभार ग्रहण करने पर शॉल, पुष्प-माला, व पौधा भेंट कर शुभकामनाएं देते हुए भाग्यनगर तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन अध्यक्ष मदनलाल रावल, गणेशराम बर्फा, हेमन्त तातेड, हापूराम गहलोत, भेराराम लखावत, हुकमाराम सानपुरा, मोतीलाल काग, पारसनाथ, राम गहलोत व अन्य।

बीजेपी जामबाग डिवीज़न के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने आज पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का 'पाला अभिषेक' किया। उन्होंने पूरे भारत में विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों की समस्या को खत्म करने के लिए शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफ़ा देने का साहसी फ़ैसला लिया था। इस कार्यक्रम में राजू यादव, शंकर कुबेर, संदीप जैन, शब्बीर, नरसिंह, बाबू और बीजेपी के कई नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

जंक फ़ूड और मीठे ड्रिंक्स पर हेल्थ टैक्स लगाने की मांग

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियाँ और किशोरों में मोटापा तेज़ी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए, पब्लिक हेल्थ के समर्थक और प्रमुख संस्थान अनहेल्दी खान-पान को रोकने के लिए 'हेल्थ टैक्स' जैसे आर्थिक उपाय का इस्तेमाल करने पर ज़ोर दे रहे हैं।

हैदराबाद ही नहीं, बल्कि पूरे देश में बच्चों और युवाओं के लिए सुरक्षित फ़ूड माहौल सुनिश्चित करने के लिए, बड़े नीति-निर्माता अब ज़्यादा फ़ैट, नमक और चीनी वाले प्रोडक्ट्स और चीनी वाले ड्रिंक्स पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। हैदराबाद स्थित आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ न्यूट्रिशन की अगुवाई वाले 'लेट्स फिक्स अवर फ़ूड' कंसोर्टियम ने एक अहम पॉलिसी ब्रीफ़ जारी किया है। इसमें बच्चों और किशोरों में मोटापे और लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियों को रोकने के उपायों में आर्थिक हस्तक्षेप को मुख्य आधार बनाया गया है। पॉलिसी रिपोर्ट के अनुसार, अनहेल्दी खान-पान दुनिया भर में और देश में भी गंभीर बीमारियों का एक छिपा हुआ कारण बन गया है। ज़्यादा वज़न और मोटापे के कारण हर साल 40 लाख लोगों की मौत होती है, जिनमें से लगभग तीन-चौथाई मौतें कम और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। भारत में, पिछले दो दशकों में खान-पान के तरीकों में बदलाव से खान-पान की आदतों में खतरनाक बदलाव देखने को मिला है। प्रति व्यक्ति चीनी की खपत 2000-2010 के बीच 22 ग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 2021 तक अनुमानित 68 ग्राम प्रतिदिन हो गई है।

टेबल सॉल्ट (खाने का नमक) की खपत लगातार 9 ग्राम से बढ़कर 12 ग्राम प्रतिदिन (जो वैश्विक सीमा से कहीं ज़्यादा है) हो गई है, जबकि फ़ैट की खपत तेज़ी से 21 ग्राम से बढ़कर 54 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। चीनी, नमक और फ़ैट के ज़्यादा सेवन की वजह से बच्चों और किशोरों में गैर-संचारी रोग , टाइप-2 डायबिटीज़ और दांतों की सड़न जैसी समस्याएं बढ़ी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

सारांश जैन को मौका, जडेजा की वापसी, बुमराह पर फैसला फिटनेस के आधार पर

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की टीम में वापसी हुई है। सारांश जैन टीम में नया चेहरा हैं। शुभमन गिल कप्तान और केएल राहुल उपकप्तान होंगे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन को टीम में रखा गया है लेकिन उनका खेलना या ना खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। नीतीश कुमार रेड्डी अनफिट होने के कारण टीम में नहीं चुने गए हैं। वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग के चलते पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

मध्य प्रदेश के स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली है। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर इंडिया-ए के लिए दूसरे चार दिवसीय मैच में नाबाद 70 रन बनाने के अलावा 6 विकेट भी लिए थे। ऑफ स्पिनर सारांश ने अब तक 54 फर्स्ट क्लास मैचों में 31.75 की औसत से 2,223 रन बनाए हैं। उन्होंने 188 फर्स्ट क्लास विकेट भी लिए हैं।

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करेंगे। कप्तान शुभमन गिल नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे। साई सुदर्शन के साथ देवदत्त पडिक्कल भी टीम का हिस्सा हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत संभालेंगे। ध्रुव जुरेल रिजर्व विकेटकीपर होंगे।

स्पिन डिपार्टमेंट में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल टीम में शामिल हैं। टेस्ट डेब्यू में 7 विकेट लेने वाले मानव सुथार भी टीम में हैं। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं। इसे देखते हुए ऑफस्पिनर सारांश जैन भी चयनकर्ताओं की नजर में हैं।

तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह (फिट होने पर), मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा पर होगी। श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मुकाबले में 10 विकेट लेने वाले गुरनूर बराड़ भी प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के मजबूत दावेदार हैं।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो के SSC मैदान पर होगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में भारत की यह पहली विदेशी टेस्ट सीरीज होगी। भारत फिलहाल डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पांचवें, जबकि श्रीलंका छठे स्थान पर है।

शर्मिला धनखड़ ने शॉट पुट में गोल्ड मेडल जीता

हाई जंप में सिल्वर जीतने वाले सर्वेश कुशारे पहले भारतीय, अजय बाबू सिर्फ 1 किलो से गोल्ड चूके

ग्लासगो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की शर्मिला धनकड़ ने कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के पैरा शॉट पुट एफ57 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 9.81 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर यह उपलब्धि हासिल की।

यह मौजूदा खेलों में भारत का दूसरा गोल्ड मेडल है। इसी इवेंट में भारत की शिल्पा के. शायला ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। शर्मिला से पहले रविवार को वेटलिफ्टिंग में मीरा बाई चानू ने 48 KG में गोल्ड जीता था।

एफ57 कैटेगरी में उन पैरा एथलीट्स को शामिल किया जाता है, जिनके निचले अंग प्रभावित होते हैं या जिनकी मांसपेशियों की ताकत कम होती है। अन्य इवेंट्स में हाई जंप में सर्वेश कुशारे और वेटलिफ्टिंग के 79 किलोग्राम वर्ग में अजय बाबू ने सिल्वर मेडल जीता। वहीं, बिंदियारानी देवी ने 58 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया, जबकि ज्ञानेश्वरी यादव ने 53 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। शर्मिला धनखड़ हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के चित्रौली गांव की रहने वाली हैं। 2 साल की उम्र में पोलियो की शिकार हो गई थीं, जिससे उनका एक पैर प्रभावित हो गया। पिता छोटे किसान थे और मां दृष्टिबाधित हैं। बेहतर इलाज नहीं हो सका। आर्थिक तंगी के बीच कम उम्र में उनकी शादी कर दी गई।

शर्मिला के लिए पैरा एथलेटिक्स का सफर आसान नहीं था। 34 साल की उम्र में उन्होंने कोच टेकचंद और देवेंद्र के मार्गदर्शन में F57 कैटेगरी के सीटेड शॉट पुट इवेंट की ट्रेनिंग शुरू की। आर्थिक तंगी इतनी थी कि 2023 में ट्रेनिंग का खर्च जुटाने के लिए उन्होंने अपना घर बेच दिया। इसके बाद परिवार किराए के मकान में रहने लगा, लेकिन शर्मिला ने अभ्यास नहीं छोड़ा।

26 साल की उम्र में पति ने उन्हें घर से निकाल दिया। तब तक उनकी दो बेटियां हो चुकी थीं। वह दोनों बेटियों को लेकर मायके लौट आईं। 28 साल की उम्र में उन्होंने अजीत से दूसरी शादी की। अखबार में पैरा एथलीट्स की खबर पढ़ने के बाद अजीत ने उन्हें पैरा एथलेटिक्स में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया और हर कदम पर उनका साथ दिया।

भारत के सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स के पुरुष हाई जंप फाइनल में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 2.25 मीटर की जंप लगाई, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने की तीनों कोशिशें नाकाम रहीं। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने काउंटबैक के आधार पर गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के किमानी जैक ने 2.20 मीटर की जंप के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। अजय बाबू वल्लुरी ने पुरुष 79 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। आंध्र प्रदेश के इस युवा वेटलिफ्टर ने कुल 330 किलोग्राम (149+181) वजन उठाया और गोल्ड से महज 1 किलोग्राम पीछे रह गए। मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद ने 331 किलोग्राम के गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता, जबकि इंग्लैंड के क्रिस मरे 325 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीत सके।

अजय ने स्नैच में 149 किलोग्राम वजन उठाकर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और इस राउंड के बाद पहले स्थान पर रहे। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने 181 किलोग्राम वजन उठाकर रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली, लेकिन हिदायत ने आखिरी प्रयास में 184 किलोग्राम वजन उठाकर नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया और कुल 331 किलोग्राम के साथ गोल्ड अपने नाम कर लिया। अजय को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम के रहने वाले अजय बाबू ने 2025 कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में 335 किलोग्राम (152+183) के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ गोल्ड मेडल जीता था। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। अब उन्होंने गेम्स में सिल्वर मेडल जीतकर अपनी लगातार प्रगति को बरकरार रखा।

नाइजीरिया की रफियातु फोलाशाडे लावल ने 229 kg (103+126) वजन उठाकर गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता। कनाडा की एन सोफी टाशेरो ने 215 kg (94+121) वजन उठाकर सिल्वर अपने नाम किया।

भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के दौरान ही बीसीसीआई को अपने फैसले की जानकारी दे दी थी। टेन डोशेट आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ से दोबारा जुड़ेंगे। इंग्लैंड सीरीज में भारतीय टीम टी-20 और वनडे सीरीज हार गई थी। इससे पहले टीम को आयरलैंड ने पहली बार 2-0 से हराया था। नीदरलैंड के पूर्व कप्तान टेन डोशेट 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद गौतम गंभीर के हेड कोच बनने पर सपोर्ट स्टाफ में शामिल हुए थे। गंभीर ने ही उन्हें असिस्टेंट कोच चुना था। टीम में वह बल्लेबाजी और फील्डिंग, दोनों विभागों में जिम्मेदारी निभा रहे थे।

टारौबा टेस्ट का तीसरा दिन: पाकिस्तान 282 पर सिमटा

वेस्टइंडीज ने 155 रन की बढ़त बनाई; दूसरी पारी में 126/7

टारौबा, 28 जुलाई (एजेंसियां)। टारौबा के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 7 विकेट पर 126 रन बना लिए। पहली पारी में मिली 29 रन की बढ़त के आधार पर उसकी कुल बढ़त 155 रन हो गई है। स्टंप्स के समय शमार जोसेफ 22 और केमार रोच 13 रन बनाकर नाबाद लौटे। तीसरे दिन दोनों टीमों की पहली और दूसरी पारी मिलाकर कुल 14 विकेट गिरे।

इससे पहले पाकिस्तान की पहली पारी 282 रन पर सिमट गई। कप्तान शान मसूद ने 109 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन जास्टिन ग्रीव्स ने 27 रन देकर 5 विकेट लेकर पाकिस्तान को बड़ी बढ़त बनाने से रोक दिया।

तीसरे दिन पाकिस्तान ने 3 विकेट पर 209 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। शान मसूद और सलमान अली आगा ने टीम को संभाला, लेकिन सलमान के आउट होने के बाद निचला क्रम ज्यादा देर टिक नहीं सका। ग्रीव्स ने लगातार दबाव बनाए रखा और 5 विकेट लेकर पाकिस्तान की पहली पारी 282 रन पर समेट दी। इससे वेस्टइंडीज को पहली पारी के आधार पर 29 रन की बढ़त मिली।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। मोहम्मद अब्बास ने ब्रैंडन किंग और कावेम हॉज को आउट किया, जबकि मोहम्मद अली ने आमिर जंगू का विकेट लिया। चायकाल तक वेस्टइंडीज का स्कोर 3 विकेट पर 30 रन था।

इसके बाद तेजनारायण चंदरपॉल (35) और जास्टिन ग्रीव्स ने 37 रन की साझेदारी कर पारी संभाली। हालांकि, आखिरी सत्र में आमिर जमाल, मोहम्मद अब्बास और खुर्रम शहजाद ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मेजबान टीम को फिर दबाव में ला दिया। निचले क्रम में शमार जोसेफ ने तेज बल्लेबाजी की। उन्होंने आमिर जमाल के एक ओवर में 3 छक्के लगाए और केमार रोच के साथ आठवें विकेट के लिए नाबाद 32 रन की साझेदारी की। इसी साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने अपनी कुल बढ़त 155 रन तक पहुंचा दी।

अब चौथे दिन वेस्टइंडीज की कोशिश बढ़त को 200 रन के पार ले जाने की होगी। वहीं पाकिस्तान पहले सत्र में बाकी 3 विकेट जल्दी समेटकर चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करना चाहेगा।

सोनम और हिमांशु का दमदार प्रदर्शन, विश्व कप के 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में कांस्य पदक अपने नाम किया

हांगझू, 28 जुलाई (एजेंसियां)। राइफल निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लों ने आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता। भारत के अब इस विश्व कप में एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं ।दक्षिण-एशियाई और प्रवासी सोनम ने 317. 2 और हिमांशु ने 317. 4 स्कोर किया और दोनों का कुल स्कोर 634 .6 रहा। इलावेनिल वालारिवन (316.8) और पार्थ राकेश माने (317.4) 634.2 अंकों के साथ उनसे पीछे रहे। दोनों भारतीयों ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। सोनम (317.2) और हिमांशु (317.4) ने मिलकर कुल 634.6 अंक का क्वालिफिकेशन स्कोर बनाया। इस बीच, एलावेनिल वालारिवन (316.8) और पार्थ राकेश माने (317.4) की जोड़ी ने उनके ठीक पीछे 634.2 के कुल स्कोर के साथ क्वालिफाई किया। फाइनल में, सोनम और हिमांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पक्का किया।

पदक जीतने पर सोनम ने कहा, यह एक मुश्किल मुकाबला था और कुल मिलाकर अनुभव बहुत अच्छा था। पदक जीतना हमेशा जरूरी होता है क्योंकि इससे हमें आगे के कामों के लिए आत्मविश्वास मिलता है। अनुभव किसी भी चीज से ज्यादा मायने रखता है। यह प्रदर्शन हमें इस सीजन में एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी के लिए प्रेरित करेगा।

हिमांशु ने कहा, अपने पहले सीनियर विश्व कप फाइनल में मुकाबला करना एक शानदार अनुभव था। मुझे खुद पर भरोसा था, अपने कोच के मार्गदर्शन पर भरोसा था और अपनी ताकत पर भरोसा था। मैंने कई जूनियर फाइनल में हिस्सा लिया है, लेकिन अपना पहला सीनियर वर्ल्ड कप पदक जीतना बेहद खास है।

सोनम ने इससे पहले 2024 में काहिरा में आईएसएसएफ विश्व कप और नई दिल्ली में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल में रजत पदक जीता था। आईएसएसएफ विश्व कप ग्रेनेडा में उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया था। 20 साल के हिमांशु के लिए, कांस्य पदक उनका पहला सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप पोडियम है। हिमांशु ने इससे पहले 2025 में नई दिल्ली में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 10 मीटर एयर राइफल मेन जूनियर इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीता था। इस कांस्य पदक के साथ आईएसएसएफ वर्ल्ड कप हांगझोऊ में भारत के कुल 4 पदक (1 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य) हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप जिताने वाला खिलाड़ी जेवियर डोहर्टी अब कर रहा है बिल्डिंग में काम करता है कारपेंटर जॉब

मेलबोर्न, 28 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया को साल 2015 वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर जेवियर डोहर्टी इस वक्त सुर्खियों में हैं. डोहर्टी के सुर्खियों में आने की वजह उनकी नई जॉब है.

एक ओर जहां दूसरे क्रिकेटर रिटायरमेंट के बाद कमेंट्री करते हैं, कोचिंग करते हैं या बिजनेस करते हैं वहीं दूसरी ओर जेवियर डोहर्टी एक बिल्डिंग में काम करते हैं. जेवियर डोहर्टी इस वक्त तस्मानिया में एक बिल्डिंग में कारपेंटर का काम कर रहे हैं. रिटायरमेंट के बाद डोहर्टी ने कारपेंटर का काम सीखा. 2017 में रिटायरमेंट के बाद उन्होंने कारपेंट्री अप्रेंटिसशिप शुरू की और वो बिल्डिंग साइट्स पर काम कर रहे हैं.

डोहर्टी कारपेंटर की जॉब अपनी खुशी के लिए करते हैं. वो साल 2022 में होबार्ट हरीकेंस के असिस्टेंट कोच भी बने थे. बिग बैश लीग में वो मैच रेफरी के तौर पर भी काम कर चुके हैं.

जेवियर डोहर्टी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 4 टेस्ट में 7 विकेट हासिल किए हैं. वहीं वनडे में उन्होंने 50 मैचों में 55 विकेट हासिल किए हैं. डोहर्टी ने वनडे में भारत के खिलाफ 8 विकेट झटके थे.

इंडियन ब्रैडमैन कितना बदकिस्मत ? रनों की बरसात की, फिटनेस में किया कमाल

फिर भी सिलेक्टरों ने दे दिया 'धोखा' !

नई दिल्ली, 28 जुलाई (एजेंसियां)। खेल किसी खिलाड़ी के लिए कितना निर्दयी हो सकता है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण सरफराज खान हैं। भारतीय घरेलू क्रिकेट में मुंबई की ओर से खेलने वाले इस खिलाड़ी को इंडियन ब्रैडमैन कहा जाता है। लगातार 2 रणजी सीजन में उन्होंने 100 से भी ज्यादा औसत से रन बनाए। लेकिन इस मेहनत का फल उन्हें मन मुताबिक नहीं मिला। सिर्फ 6 टेस्ट मुकाबलों में सिमटा सरफराज का करियर इस बात की कतई गवाही नहीं देता है कि वह कितने प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। लेकिन चयनकर्ता उनसे मुंह फेरे हुए हैं, भारतीय टीम के श्रीलंका दौरे के लिए भी उनका नाम टीम में नहीं आया है। एक खिलाड़ी की जिंदगी जितनी आसान लगती है, उतनी होती नहीं है। सरफराज खान भारत में लाल गेंद के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। ऐसा हम नहीं, बल्कि उनके आंकड़े खुद चीख-चीख कर कह रहे हैं। रणजी ट्रॉफी के सीजन 2019-20 में उन्होंने 154 की औसत से

928 रन बनाए। यूपी के खिलाफ नाबाद 301 रन बनाकर अपने करियर की बेस्ट पारी भी खेल डाली।

लग रहा था कि सरफराज इससे बेहतर और क्या ही कर सकते हैं। लेकिन फिर अगले ही संस्करण में उन्होंने 6 मैचों में 133 की अविश्वसनीय औसत से 982 रन बना दिए। जिसमें 4 शतक और 2 फिफ्टी शामिल रही। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से भी नवाजा गया। उनके इस गजब फॉर्म में होने के बावजूद चयनकर्ता इग्नोर करते रहे।

आखिरकार साल 2024 की शुरुआत में सरफराज खान को नेशनल टीम से बुलावा आया। इंग्लैंड की टीम भारत आ रही थी। विराट कोहली समेत कई और बल्लेबाज इस सीरीज में मौजूद नहीं थे। सरफराज ने अपनी पहली 2 इंटरनेशनल पारियों में 62 और 68 रन बना दिए। इसके बाद अगली 4 पारियों में एक फिफ्टी आई। न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर उन्होंने अपने टेस्ट करियर की बेस्ट पारी खेली। 195 गेंदों का सामना कर 150 रन बनाए, एक ऐसे मौके पर जब टीम इंडिया का बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया। हालांकि इसके बाद अगली 4 पारियों में से 3 में वह दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। इसी वजह से उन्हें ड्रॉप कर दिया गया।

सरफराज खान को अक्सर उनके वजन के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ता था। इस पर काम करते हुए उन्होंने पिछले साल 2 महीने के अंतराल में 17 किलो वजन कम किया। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से मिली। इसके बावजूद उन्हें नेशनल टीम के दायरे से बाहर रखा गया है। उनकी उम्र अभी 28 साल है, घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के साथ वह फिर भारत की जर्सी पहन सकते हैं।

24 टीम और फिर 32 देश : अब बदलेगा टी20 वर्ल्ड कप का रोमांच, आईसीसी का मास्टरप्लान

दुबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट को सही मायने में एक ग्लोबल खेल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2024 और 2026 के टी20 वर्ल्ड कप में 20 टीमों के सफल आयोजन के बाद, अब आईसीसी इस टूर्नामेंट को 24 टीमों तक और फिर 32 देशों तक बढ़ाने की योजना पर विचार कर रही है. यह बदलाव 2030 या 2032 के एडिशन से लागू हो सकता है.

2026 टी20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की ओर से ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराने, नेपाल, इटली जैसी एसोसिएट टीमों की ओर से इंग्लैंड को कड़ी टक्कर देने के बाद उभरते देशों को ज्यादा मौके देने की मांग मजबूत हुई है. ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में आयोजित होने वाले 2028 टी20 वर्ल्ड कप के फॉर्मेट को इस विस्तार की पहली सीढ़ी माना जा रहा है. अगर, आने वाले एडिशन में 24 टीमें हिस्सा लेती हैं तो टूर्नामेंट का फॉर्मेट

भी काफी रोमांचक हो जाएगा.

सबसे पहले 4-4 टीमों के 6 ग्रुप बनाए जाएंगे. फिर हर ग्रुप से टॉप 2-2 टीमें आगे बढ़ते हुए सुपर-12 राउंड में एंट्री करेंगी. इसके बाद बेस्ट टीमें नॉकआउट और फाइनल तक का सफर तय करेंगी. यह स्ट्रक्चर छोटे देशों को बड़ा मंच देगी.

मौजूदा टी20 रैंकिंग के आधार पर टीमों की संख्या 20 से बढ़ाकर 24 किए जाने पर युगांडा, पापुआ न्यू गिनी, इटली और हांगकांग को सीधा फायदा मिलेगा. इसके अलावा अमेरिका, कनाडा, नेपाल, नाइजीरिया और जर्मनी जैसे उभरते हुए क्रिकेटिंग नेशन के लिए भी संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी.

हाल ही में आईसीसी की ओर से 2027 वनडे वर्ल्ड कप के मेन इवेंट में टीमों की संख्या 14 से घटाकर 12 करने के फैसले की एसोसिएट देशों और वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन ने तीखी आलोचना की थी. हालांकि, टी20 फॉर्मेट में विस्तार की इस नई योजना और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी से एसोसिएट देशों में एक बार फिर उम्मीद की नई किरण जागी है.

सिर्फ छक्के-चौके नहीं, पैसों की भी हुई बारिश !

वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे दौरे से लाखों कमाए

मुंबई, 28 जुलाई (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई सीरीज यादगार साबित हुई. सूर्यवंशी ने इस सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन से टीम इंडिया में जगह पक्की कर ली. भारत ने 3-0 से श्रृंखला पर कब्जा किया और वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला. भारतीय खिलाड़ियों को बीसीसीआई की ओर से हर मैच खेलने के पैसे मिलते हैं. आइए जानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे दौरे पर कितने रुपये कमाए.

वैभव सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 मैचों में 50.33 के शानदार औसत से बल्लेबाजी करते हुए 151 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं. उनका सर्वाधिक स्कोर 81 रन रहा.

बीसीसीआई टी20आई फॉर्मेट में भारत के लिए खेलने वाले खिलाड़ियों को प्रति मैच 3 लाख रुपये देता है. वैभव ने जिम्बाब्वे दौरे पर

तीन मैच खेले. इस हिसाब से उनकी बीसीसीआई की ओर से कुल कमाई 9 लाख रुपये हुई.

वैभव सूर्यवंशी को तीसरे टी20आई में शानदार प्रदर्शन के बाद प्लेयर ऑफ द मैच के रूप में 1000 डॉलर और प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड के रूप में 2000 डॉलर दिए थे, जो लगभग 2 लाख 87 हजार भारतीय रुपये होते हैं.

बीसीसीआई और जिम्बाब्वे क्रिकेट द्वारा मिली राशि अगर जोड़ दी जाए, तो वैभव सूर्यवंशी ने टी20आई सीरीज में करीब 11 लाख 87 हजार रुपये कमाए. सिर्फ तीन मैचों की सीरीज से वैभव ने लाखों की कमाई कर ली, जो वाकई हैरान करने वाली बात है.

बीसीसीआई के मौजूदा शेड्यूल के अनुसार वैभव सूर्यवंशी अब सीधा एशियन गेम्स 2026 में खेलते नजर आएंगे. सूर्यवंशी भारतीय टीम का हिस्सा हैं और वो फर्स्ट चॉइस ओपनर रहने वाले हैं. फैंस को उम्मीद होगी कि एक बार फिर वैभव अपनी बल्लेबाजी से कोहराम मचाएंगे.

भू-विवाद मुक्त तेलंगाना के निर्माण में पुनः सर्वेक्षण अहम कड़ी : पोंगुलेटी

> हर गांव में ग्राम सभाएं आयोजित कर पूरा हो पुनः सर्वेक्षण

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से शुरू किए गए भूमि पुनः सर्वेक्षण (री-सर्वे) कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ लागू करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य भूमि विवादों का स्थायी समाधान करना, प्रत्येक भूमि की स्पष्ट सीमाएं तय करना तथा प्रत्येक सर्वे नंबर को अलग भूधार संख्या प्रदान करना है। मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में मंत्री ने उन गांवों में चल रहे पुनः सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति, लोगों की प्रतिक्रिया, सामने आ रही समस्याओं तथा उनके समाधान के लिए उठाए जाने वाले कदमों की राजस्व एवं सर्वे विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। बैठक में मंत्री ने कहा कि राज्यभर में प्रथम चरण के तहत प्रत्येक जिले से 70 गांवों का चयन करते हुए कुल 2,240 गांवों में पुनः सर्वेक्षण कार्य जारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक गांव में ग्राम सभाएं आयोजित कर किसानों एवं भू-स्वामियों को पुनः सर्वेक्षण के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से ही यह महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सफल होगा। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिन गांवों में पुनः सर्वेक्षण चल रहा है वहां अधिकारी स्वयं क्षेत्र में उपलब्ध रहें और लोगों की शंकाओं का तत्काल समाधान करें। भूमि सीमाओं के निर्धारण में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए तथा प्रत्येक चरण में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर पुनः सर्वेक्षण कार्यों की स्वयं निगरानी करें और प्रत्येक सप्ताह इसकी प्रगति की समीक्षा करें। राजस्व एवं सर्वे विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य कर निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें। यदि कहीं कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसे तत्काल सरकार के संज्ञान में लाकर समाधान सुनिश्चित किया जाए। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि किसान के लिए भूमि केवल संपत्ति नहीं, बल्कि उसके परिवार की आजीविका का आधार है। दशकों से चले आ रहे भूमि विवादों का स्थायी समाधान करने के उद्देश्य से सरकार अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से पुनः सर्वेक्षण करा रही है।

उन्होंने बताया कि डीजीपीएस, रोवर्स और जीआईएस जैसी आधुनिक तकनीकों की सहायता से वैज्ञानिक तरीके से सर्वेक्षण किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक खेत की सटीक सीमाएं निर्धारित की जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि पुनः सर्वेक्षण पूरा होने के बाद प्रत्येक सर्वे नंबर को एक विशिष्ट भूधार संख्या आवंटित कर उसे भू-भारती पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। इससे भूमि स्वामित्व को लेकर स्थायी स्पष्टता आएगी तथा भूमि पंजीकरण और नामांतरण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज होगी। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे इस कार्यक्रम को केवल सरकारी दायित्व न मानें, बल्कि लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी समझते हुए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें। उन्होंने आह्वान किया कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पुनः सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर भूमि विवाद मुक्त तेलंगाना के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने बताया कि जिन 373 गांवों में अब तक नक्शे उपलब्ध नहीं हैं, वहां भी पुनः सर्वेक्षण का कार्य तेजी से चल रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन गांवों में सर्वेक्षण यथाशीघ्र पूरा किया जाए। सर्वेक्षण के लिए जाने से पहले संबंधित पट्टाधारकों को अनिवार्य रूप से पूर्व सूचना दी जाए। साथ ही पहले सरकारी भूमि की सीमांकन प्रक्रिया पूरी की जाए और ग्राम कंठम (आबादी क्षेत्र) की सीमाएं निर्धारित होने के बाद ही सर्वेक्षण शुरू किया जाए।

न्यू जर्सी में सड़क हादसे में रंगारेड्डी की महिला की मौत

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, सोमवार को अमेरिका के न्यू जर्सी में सड़क हादसे में तेलंगाना की 44 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान श्रीपति दीपा रेड्डी के तौर पर हुई है, जो रंगा रेड्डी ज़िले के मडगुल मंडल की रहने वाली थीं। वह पट्टाभि शेखर रेड्डी और शशिरेखा की बेटी थीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपा रेड्डी ने लगभग 20 साल पहले अमंगल मंडल के अकुथोतापल्ली गाँव के रहने वाले रामकृष्ण रेड्डी से शादी की थी। दोनों सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल थे और बाद में अमेरिका में बस गए थे। यह हादसा तब हुआ जब न्यू जर्सी में एक ट्रैफ़िक सिग्नल के पास दीपा रेड्डी जिस गाड़ी में सफ़र कर रही थीं, उसे दूसरी कार ने टक्कर मार दी। इससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस घटना से उनका परिवार, रिश्तेदार और दोस्त गहरे सदमे में हैं। हादसे में महिला की मौत की खबर के बाद गाँव में शोक की लहर दौड़ गई।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 11.56 लाख आवासों की मांग

नई दिल्ली/हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर तेलंगाना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) 2.0 के अंतर्गत राज्य को 11.56 लाख ग्रामीण आवास आवंटित करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में तेलंगाना में ग्रामीण आवास निर्माण की उपेक्षा की गई, जिसके कारण बड़ी संख्या में पात्र परिवार अभी भी आवास सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि इस आवश्यकता को देखते हुए राज्य को पर्याप्त संख्या में आवास आवंटित किए जाने चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने एल-नीनो की संभावित परिस्थितियों के मद्देनजर वाटरशेड विकास घटक-हरित क्रांति ग्रामीण आजीविका मिशन (डब्ल्यूबी-जी राम-जी) के अंतर्गत अतिरिक्त कार्यों को शामिल करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने किसानों की आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से 10 नए कार्यों को इस योजना में शामिल करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने सब्जियों की मचान (पंदाल), पशु चारा प्लॉट, शहतूत के बाग, रेशम कीट पालन शेड, किसानों की भूमि विकास, जल संरक्षण तथा प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित कृषि भूमि के पुनरुद्धार जैसे कार्यों को भी योजना के दायरे में शामिल करने की अनुमति देने का आग्रह किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इंदिरम्म आवास योजना के तहत निर्माण कार्यों को भी डब्ल्यूबी-जी राम-जी के कार्यों की सूची में शामिल करने का अनुरोध किया, ताकि लाभार्थियों को 90 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

चलती ट्रेन से बरामद हुईं तीन नाबालिग बालिकाएं, पुलिस ने परिजनों से मिलाया

माता-पिता के डांट-फटकार लगाए जाने से थीं नाराज

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने रेलवे पुलिस और तकनीकी निगरानी की मदद से चलती ट्रेन में सफर कर रही तीन लापता नाबालिग बालिकाओं का सफलतापूर्वक पता लगाकर उन्हें सकुशल उनके परिजनों से मिला दिया। पुलिस के अनुसार, तीनों नाबालिग बालिकाएं 24 जुलाई को माता-पिता द्वारा छोटी-छोटी बातों पर डांट-फटकार लगाए जाने से भावनात्मक रूप से आहत होकर घर से निकल गई थीं। जानकारी के अनुसार, तीनों बालिकाएं दोपहर लगभग तीन बजे काटेदान से ऑटो-रिक्शा के माध्यम से बुद्वेल रेलवे स्टेशन पहुंचीं। वहां से वे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन गईं और दिल्ली जाने वाली दक्षिण एक्सप्रेस में सवार हो गईं। 25 जुलाई को सुबह लगभग 11 बजे एक बालिका की माता ने मेलारदेवपल्ली पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने राजेंद्रनगर क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त के निर्देशन में तत्काल विशेष अभियान शुरू किया। लापता बालिकाओं का पता लगाने के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया।

जांच अधिकारियों ने रेलवे पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और बालिकाओं की गतिविधियों का क्रमवार पता लगाया। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि बालिकाओं में से एक अपने साथ गुप्त रूप से मोबाइल फोन लेकर गई थी और वह एक इंस्टाग्राम खाते का उपयोग कर रही थी। पुलिस ने संबंधित इंस्टाग्राम खाते की पहचान कर उससे जुड़े मोबाइल नंबर का पता लगाया तथा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से उसकी लोकेशन का पता किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को यह जानकारी मिली कि बालिकाएं दक्षिण एक्सप्रेस में यात्रा कर रही हैं। आगे की जांच में पुलिस ने संबंधित डिब्बे और सीट संख्या का भी पता लगा लिया। इसके बाद रेलवे पुलिस ने मध्य प्रदेश के बीना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रोककर तीनों बालिकाओं को सुरक्षित अपने संरक्षण में ले लिया। इसके बाद बालिकाओं को सकुशल हैदराबाद लाया गया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने तथा परामर्श देने के बाद उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के साथ खुला संवाद बनाए रखें तथा उनकी भावनात्मक समस्याओं को धैर्य और समझदारी के साथ सुनें। साथ ही बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर भी नजर रखने और उन्हें किसी परेशानी की स्थिति में परिवार के सदस्यों या विश्वसनीय वयस्कों से सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करने की सलाह दी गई हैगया।

भारी वर्षा को लेकर सतर्क रहें, जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो : संजय जाजू

जिला कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ मुख्य सचिव ने की वीडियो कॉन्फ्रेंस

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा अगले दो से तीन दिनों के दौरान राज्य में भारी वर्षा की संभावना जताए जाने के मद्देनजर तेलंगाना सरकार ने सभी जिलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक एहतियाती और राहत संबंधी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। मंगलवार को डॉ.बी.आर. आंबेडकर राज्य सचिवालय से मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर राज्य की मौसम स्थिति, कृषि वैकल्पिक कार्ययोजना तथा वन महोत्सव सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य के पांच से छह जिलों में सामान्य वर्षा दर्ज की गई है, जबकि 26 जिलों में वर्षा की कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग द्वारा तैयार वैकल्पिक कृषि कार्ययोजना के तहत जिलों में बीज मेले आयोजित किए जा रहे हैं।

किसानों को वैकल्पिक फसलों के संबंध में हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिनों में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसे देखते हुए सभी जिलों के अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ कार्य करें तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखें। मुख्य सचिव ने बताया कि भद्राद्री कोत्तागुडेम (भद्राचलम), मुलुगु और निर्मल जिलों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें पहले से तैनात रखी गई हैं।

फ़र्ज़ी मोबाइल ऐप बनाने के नाम पर 3.10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक बिज़नेसमैन के साथ कुछ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर 3.10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। इन लोगों ने उनके बिज़नेस के लिए एक मोबाइल ऐप बनाने का वादा किया था, लेकिन पैसे लेने के बावजूद प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया।

शिकायत के अनुसार, धोखाधड़ी करने वालों ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि उनके पास कस्टमाइज़्ड मोबाइल ऐप बनाने की विशेषज्ञता है और इसके विकास के लिए कई किश्तों में पैसे मांगे। उनकी बातों पर भरोसा करते हुए, शिकायतकर्ता ने कुछ समय के दौरान कुल 3.10 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। हालांकि, वादा किया गया ऐप कभी पूरा नहीं हुआ और न ही समय पर सौंपा गया। पुलिस ने कहा, जब शिकायतकर्ता ने तैयार ऐप या पैसे वापस करने की मांग की, तो उन्होंने जवाब देना बंद कर दिया, जिससे उन्हें शक हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है।

चेर्लापल्ली-पटना के बीच विशेष रेलगाड़ियों की सेवाओं का विस्तार

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने चेर्लापल्ली-पटना के बीच संचालित की जा रही विशेष रेलगाड़ियों की सेवाओं का विस्तार करने का निर्णय लिया है। विस्तारित कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियां निर्धारित अवधि तक अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करेंगी। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 03253 पटना-चेर्लापल्ली विशेष रेलगाड़ी प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को 3 अगस्त 2026 से 16 सितंबर 2026 तक संचालित की जाएगी। इस अवधि में कुल 14 फेरे लगाए जाएंगे। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 03254 चेर्लापल्ली-पटना विशेष रेलगाड़ी प्रत्येक बुधवार को 5 अगस्त 2026 से 16 सितंबर 2026 तक चलाई जाएगी। इस दौरान कुल 7 फेरे संचालित होंगे। वहीं गाड़ी संख्या 03255 चेर्लापल्ली-पटना विशेष रेलगाड़ी प्रत्येक शुक्रवार को 7 अगस्त 2026 से 18 सितंबर 2026 तक चलेगी। इस अवधि में भी कुल 7 फेरे लगाए जाएंगे।

टीएसआरटीसी कर्मचारियों की सतर्कता से बची छात्रा की जान

> बस कंडक्टर और चालक की सूझबूझ से लापता छात्रा पुलिस के हवाले

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आज के समय में जहां कई लोग किसी परेशानी में पड़े व्यक्ति की मदद करने से बचते हैं, वहीं तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के एक कंडक्टर और चालक ने अपनी जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक छात्रा को सुरक्षित बचा लिया। घटना के अनुसार, पठानचेरुवु स्थित तेलंगाना अल्पसंख्यक गुरुकुल विद्यालय की एक छात्रा अचानक पठानचेरुवु के पास टीएसआरटीसी की बस में सवार हो गई।

यह बस मिधानी डिपो की थी। छात्रा के पास केवल 10 रुपये का नोट था और उसके पैरों में चप्पल भी नहीं थी। जब बस कंडक्टर शेखर ने छात्रा से टिकट के लिए पूछा तो उसकी स्थिति देखकर उन्हें संदेह हुआ। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी चालक जे.एस. कुमार को दी। इसके बाद दोनों कर्मचारियों ने छात्रा पर नजर रखनी शुरू कर दी और उसके बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। इसी दौरान छात्रा ने पास बैठे एक यात्री से मोबाइल फोन लेकर किसी से बातचीत की। कंडक्टर और चालक ने उस नंबर के आधार पर जानकारी जुटाई, जिससे पता चला कि छात्रा तेलंगाना अल्पसंख्यक गुरुकुल विद्यालय की विद्यार्थी है। इसके बाद बस में मौजूद यात्रियों को पूरी जानकारी दी गई। जब छात्रा ने चलती बस से उतरने का प्रयास किया तो यात्रियों ने उसे पकड़ लिया और समझा-बुझाकर शांत कराया।

ओडिशा का युवक गांजे की तस्करी के आरोप में गिरफ़्तार

हैदराबाद, 28 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद की गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेलवे प्रोटेक्शन फ़ोर्स (आरपीएफ) के साथ मिलकर ओडिशा के एक युवक को रेलवे के ज़रिए शहर में गांजे की कथित तस्करी करने के आरोप में गिरफ़्तार किया।

संदिग्ध, ए. महानंदा (23), को चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन पर अचानक की गई ड्रग-विरोधी जांच के दौरान पकड़ा गया और अधिकारियों ने लगभग 7 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया, जिसकी कीमत 3 लाख रुपये से ज़्यादा है।

पुलिस ने बताया कि महानंदा ने ओडिशा के रायगढ़ा में यह गांजा खरीदा था और इसे हैदराबाद में ग्राहकों को बेचने के लिए नागावली एक्सप्रेस से तस्करी करके लाया था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.